नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 192 | नई दिल्ली, रविवार 08 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

.....शादी के लिए तैयार हैं रिया चक्रवर्ती? पेज-12

एक नजर

मणिपुर: जिरीबाम में गोलीबारी में 5 लोगों की मौत

गुवाहाटी। मणिपुर के जिरीबाम जिले में हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना जिरीबाम जिला मुख्यालय से छह किलोमीटर दूर शनिवार सुबह हुई। मणिपुर पुलिस के मुताबिक एक व्यक्ति की सोते समय अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी। उसके बाद हुई गोलीबारी में अन्य चार हथियारबंद लोग मारे गए। जानकारी के अनुसार आतंकवादी सुनसान इलाके में अकेले रहने वाले व्यक्ति के घर में घुस गए और सोते समय उसकी गोली मार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद पहाड़ियों में दो समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें तीन आतंकियों सहित कुल चार लोग मारे गए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की नाकाबंदी की है।

लखनऊ में इमारत गिरी, पांच मरे,24 गंभीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के सरोजिनी नगर क्षेत्र में शनिवार शाम एक तीन मंजिला इमारत गिरने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी और 24 अन्य घायल हो गये।

राज्य के गृह सचिव संजीव गुप्ता ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर में एक इमारत गिरी है जिसमें से अब तक 24 लोगों को जिंदा बाहर निकाल कर विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिये भेजा गया है जबकि पांच अन्य की मौत हो चुकी है। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है जिसके लिये एनडीआरएफ,एसडीआरएफ,नगर निगम और जिला प्रशासन समेत विभिन्न एजेंसियां जुटी हुयी हैं। हताहतों का पता लगाने के लिये ड्रोन और सेंसर की मदद ली जा रही है। राहत एवं बचाव कार्य फिलहाल जारी रहेगा। उन्होने बताया कि अस्पतालों को हाई अलर्ट में रखा गया है। विशेषज्ञ डाक्टरों की निगरानी में घायलों का इलाज किया जा रहा है।

मंडलायुक्त रोशन जैकब ने घायलों को केजीएमयू और लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। उन्होने बताया कि घटना के कारणों की पड़ताल राहत एवं बचाव कार्य खत्म होने के बाद की जायेगी। हमारी प्राथमिकता घायलों के उचित इलाज की व्यवस्था करना है। उन्होने बताया कि इमारत में मोटर कंपनी और पैकेजिंग कंपनी के अलावा ड्रग वेयर हाउस था। इस बीच पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतकों में तीन की पहचान पंकज तिवारी (40), धीरज गुप्ता (48) और अरुण सोनकर (28) के तौर पर की गयी है। केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती दो महिलाओं की हालत नाजुक बनी हुयी है।

उन्होने बताया कि मलबे के नीचे फंसे लोगों का अभी भी पता लगाया जा रहा है।यह घटना आज शाम हुई जब इमारत अचानक ढह गई। इमारत गिरने का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ जिले में एक इमारत गिरने से हुए हादसे का संज्ञान लिया।

विधानसभा चुनाव नहीं लड़ पाएंगी विनेश फोगाट !

- रेलवे ने स्वीकार नहीं किया इस्तीफा, फंसा गया है पेंच
- रेलवे के अनुसार इस्तीफा देने से पहले देना होता है तीन महीने का नोटिस
- एनओसी के बिना स्वीकार नहीं होगा आवेदन

चरण सिंह

नई दिल्ली/चंडीगढ़। तो क्या विनेश फोगाट फिर से राजनीति की शिकार होने वाली हैं ? क्या विनेश फोगाट चुनाव नहीं लड़ पाएंगी ? दरअसल विनेश फोगाट ने जो रेलवे से इस्तीफा दिया है वह स्वीकार नहीं हुआ है। और चुनाव लड़ने के लिए रेलवे से एनओसी चाहिए। बिना एनओसी के आवेदन स्वीकार नहीं होगा।

दरअसल राजनीतिक गतिविधियों की ओर बढ़ते देख रेलवे ने 4 सितम्बर को विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उसके बाद दोनों ही पहलवानों ने 6 सितम्बर को रेलवे से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस की सदस्यता ले ली। कांग्रेस ने बजरंग पूनिया को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया तो विनेश फोगाट को जनपद जींद की जुलाना विधानसभा सीट से टिकट दे दिया। अब विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने में पेंच फंस गया है। जानकारी मिल रही है कि रेलवे ने विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया दोनों ही पहलवानों के इस्तीफे स्वीकार नहीं किये हैं।

दरअसल विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया दोनों ही उत्तर रेलवे के खेल विभाग में ओएसडी के पद कार्यरत हैं। रेलवे के अनुसार यदि कोई कर्मचारी इस्तीफा देना चाहता है तो पहले उसे 3 महीने का नोटिस देना पड़ता है। मतलब विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया को पहले तीन महीने के नोटिस देना होगा तीन महीने बाद उनके इस्तीफा स्वीकार होंगे। ऐसे में विनेश फोगाट चुनाव नहीं लड़ पाएंगी।

दरअसल चुनाव आयोग के अनुसार सरकारी पद पर रहते हुए कोई व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकता है। पहले उसे संबंधित विभाग से एनओसी लेनी पड़ती है। एनओसी बिना रिटर्निंग अधिकारी किसी भी उम्मीदवार का आवेदन स्वीकार नहीं करते। ऐसे में यदि विनेश पर्चा भरती भी हैं तो वह स्वीकार नहीं होगा। मतलब विनेश फोगाट की चुनाव लड़ने की जल्दबाजी भारी पड़ने वाली है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या कांग्रेस के दिग्गजों को इस बारे में जानकारी नहीं थी। कांग्रेस में बैठे वकील क्या कर रहे थे ? या फिर विनेश फोगाट ने टिकट घोषणा होने से पहले इस बार में जानकारी क्यों नहीं जुटाई। देखने की बात यह है कि विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के मामले में बीजेपी कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहेगी।

वापस नहीं लाने दूंगा '370' : अमित शाह

- केंद्रीय गृह मंत्री ने कार्यकर्ता सम्मेलन से चुनाव प्रचार अभियान का आगाज किया
- विरोधी दलों के परिवारवाद पर जमकर बरसे शाह

❍ गृह मंत्री ने राहुल गांधी को दी चुनौती ❍ बाबा मन्हास की खाई कसम

जम्मू (पलौरा)। पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान की विधिवत शुरूआत करते हुए कांग्रेस और स्थानीय दलों के परिवारवाद पर जमकर हमला बोला।

अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद पहली बार हो रहे ये चुनाव बेहद अहम हैं और भाजपा का अधिकांश दारोमदार जम्मू क्षेत्र पर टिका हुआ है। यही वजह है कि अमित शाह ने अपने भाषण में दो टूक कहा कि जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार किसकी होगी यह जम्मू के लोग तय करेंगे। भाजपा के विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आर्टिकल 370 इतिहास की बात हो चुकी है और यह कभी वापस नहीं लौटेगा। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उनके दावों में दम नहीं है। वह कहां से पुरानी स्थिति बहाल करेंगे। शाह ने कार्यकताओं से मुखातिब होते हुए कहा कि इस बार जम्मू-कश्मीर में सरकार किसकी बनेगी यह जम्मू वाले तय करेंगे।

शाह ने पाकिस्तान, आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिए जाने से लेकर तमाम मुद्दों पर भी दो टूक अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई कि नेकां और कांग्रेस की सरकार बन रही है। वह चुनाव के आंकड़ों के विद्यार्थी रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में फारूक और कांग्रेस की सरकार कभी नहीं बन सकती है। शाह ने कहा कि हमने पंचायत के चुनाव करवाए, जिनको ये तीन परिवार रोककर बैठे थे। ये तीनों परिवार भ्रष्टाचार की चरम सीमा पर हैं। एक ओर पूरे देश का भ्रष्टाचार, दूसरी ओर इन तीनों का भ्रष्टाचार।

जम्मू में 32 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के विकास कार्य कराए

शाह ने अनुच्छेद 370 को लेकर कहा कि वह बाबा मन्हास की कसम खाकर कहते हैं कि 370 वापस नहीं लाने दूंगा। उन्होंने सवाल किया कि आतंकवाद चाहिए या शांति और विकास चाहिए। हमने अकेले जम्मू में 32 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के विकास कार्य कराए। ये विकास मोदी लेकर आए। घाटी में एम्स कौन लेकर आया, यहां आईआईटी कौन लेकर आया। घर-घर जाकर कार्यकताओं को यह बात पहुंचानी होगी कि ये वे लोग हैं जिन्होंने महाराजा हरि सिंह को आने नहीं दिया, भाजपा ने आकर हरि सिंह के नाम पर छुट्टी देने का काम किया।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग - शाह

संकल्प जारी करते हुए अमित शाह ने कहा कि 1947 से जम्मू-कश्मीर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है. जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग रहा है और हमेशा रहेगा. आजादी के समय से हमने इसे भारत के साथ जोड़ने के लिए काफी प्रयास किया है. शाह ने अन्य राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि अन्य राजनीतिक दलों ने तुष्टीकरण की राजनीति की है. वे अलगाववाद के लिए जिम्मेदार हैं. उन्होंने कहा कि आर्टिकल 370 की छाया में अलगाववाद पनपा. एक के बाद एक सरकारें अलगाववादियों के आगे झुकती रहीं. आर्टिकल 370 और 35ए अब इतिहास बन चुके हैं. जम्मू-कश्मीर अब विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है.

कांग्रेस सत्ता में आई तो आतंकवाद आएगा

शाह ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो आतंकवाद आएगा। अगर बीजेपी सत्ता में आई तो किसी में भी ताकत नहीं है कि यहां आतंकवाद आए। उन्होंने आगे जम्मू में विकास कार्य की बात कही। उन्होंने कहा कि हमने अकेले जम्मू में इस हजार करोड़ रुपये का विकास कार्य किया है।

राहुल गांधी जनता को मूर्ख बना रहे

राहुल गांधी कहते हैं, जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देंगे, वह अब्दुल्ला से भी पूछना चाहते हैं कि आप कैसे वापस दे सकते हैं। आप यहां की जनता को मूर्ख बना रहे हैं। वह तो संसद में कह चुके हैं कि चुनाव बाद उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। शाह ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कहते हैं, हम पहले जैसी व्यवस्था लाएंगे। जम्मू-कश्मीर में फिर से अन्याय करने की शुरूआत करना है स्वायत्तता की बात, पहले भी आग में झुलसाया और अब फिर वही बात करना। अब कोई भी ताकत ऑटोनोमी की बात नहीं सकती। वह कहते हैं हम पाकिस्तान से बात करेंगे। जब तक जम्मू-कश्मीर में शांति नहीं होती पाक से कोई बात नहीं होगी। शाह ने कहा कि दलित भाइयों को बताओ, ये आपका आरक्षण छीनना चाहते हैं जिसको भाजपा ही बचा सकती है।

पहले आतंक के सामने घुटने टेकनी वाली सरकार थी

कई सालों के बाद अमरनाथ यात्रा बैखोफ हो पाई। कई साल बाद घाटी में रात का थियेटर चालू हुआ। कश्मीर ने आंतक झेला है। यहां ऐसी सरकारें थीं कि आतंक के सामने आंख मूंदकर बैठ जाती थी। ऐसे लोग भी थे कि शांति होती तो यहां आकर मुख्यमंत्री बन जाते थे, अशांति के समय दिल्ली जाकर कॉफी पीते थे। अगर ये आए तो पीछे-पीछे आतंकवाद आया।

आप हरियाणा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार : कक्कड़

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन की बातचीत प्रारंभिक चरण में है लेकिन पार्टी राज्य की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।

आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में आज कहा कि हरियाणा चुनाव में गठबंधन को लेकर कांग्रेस के साथ बातचीत चल रही है इसलिए उस पर कुछ कहना सही नहीं है। पार्टी हरियाणा में लगातार काम कर रही है और आज भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल की हरियाणा में सभा है। हम पूरी तरह से राज्य की 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि हम लोग आखिरी के पाँच दिन में मेहनत नहीं करने वाले बल्कि वहाँ पहले से संगठन का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में हमारी पार्टी के कुरुक्षेत्र से सुशील गुप्ता चुनाव लड़े थे जिनको पाँच लाख से अधिक वोट मिले थे और बहुत कम के अंतर से चुनाव हारे थे। इससे पता चलता है कि जमीन पर हमारा संगठन कितना मजबूत है।

आप नेता ने कहा कि हमें उम्मीद है कुछ निष्कर्ष निकलेगा और एक दो दिनों में सीटों की घोषणा हो जायेगी।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और आप के बीच हरियाणा विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर बातचीत के बीच कल कांग्रेसी ने अपने 31 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी।राज्य में नामांकन की आखिरी तारीख 12 सितंबर है।

भारत जोड़ो यात्रा ने हमें हिम्मत दी हमारा हौसला बुलन्द किया : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कन्याकुमारी से कश्मीर के श्रीनगर तक के लिए दो साल पहले आज ही के दिन शुरू हुई भारत छोड़ो यात्रा को पार्टी के इतिहास में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक लम्हा करार देते हुए कहा है कि इससे पार्टी की हिम्मत बंधी और उसके हौसले बुलंद हुए हैं। कांग्रेस ने कहा ऐतिहासिक लम्हा था जिसने हमें यकीन दिलाया कि सब ठीक हो जाएगा, जिसने हमें हिम्मत दी, हमारा हौसला बना और कहा- डरो मत।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन है, जो समाज को एकजुट करने का पर्याय बन गया है। श्री राहुल गांधी जी व हमारे भारत जोड़ो यात्रियों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल जो दूरी तय की, उससे करोड़ों लोगों के दिलों में प्रेमभाव, आपसी सौहार्द और बंधुत्व की अभूतपूर्व जनचेतना जागृत हुई। भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगाँठ के अवसर पर मैं देशवासियों से केवल इतनी ही अपील करता हूँ कि संविधान और लोकतंत्र को संजोए रखने का संघर्ष जारी रखें।

उन्होंने कहा, आर्थिक असमानताओं, महँगाई, बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय, संविधान के विध्वंस, सत्ता के केंद्रीकरण के वास्तविक मुद्दों पर हमारा संघर्ष जारी है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के हमारे संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखने का संकल्प और मजबूत होना चाहिए। नफरत और विभाजन के एजेंडे को हम कामयाब नहीं होने देंगे। मोहब्बत और इंसानियत की जीत निश्चित है। कांग्रेस पार्टी थमेगी नहीं, रुकेगी नहीं। भारत माता की आवाज, हमारी आवाज है।

भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने वाले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस यात्रा को याद करते हुए कहा, भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन का सौंदर्य सिखाया। जयकार करती भीड़ और नारों के बीच, मुझे शोर में शांत रहने और बगल वाले व्यक्ति पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने की शक्ति का एहसास हुआ। उस यात्रा के 145 दिनों में और उसके बाद के दो वर्षों में मैंने विविध पृष्ठभूमि के हजारों भारतीयों को सुना और उनकी हर बात मेरे लिए ज्ञान लेकर आई, मुझे नया सीखने को मिला। यात्रा ने साबित कर दिया कि भारतीय स्वाभाविक रूप से प्यार करने वाले लोग हैं। जब मैंने यह यात्रा शुरू की तो मैंने कहा था कि प्रेम नफरत पर विजय प्राप्त करेगा और आशा भय पर विजय प्राप्त करेगी, आज हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना कि भारत माता की आवाज, प्रेम की आवाज देश के हर कोने में सुनाई दे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, दो साल पहले आज ही के दिन भारत जोड़ो यात्रा शुरू हुई थी- अनेकता में एकता' के रंग लिए करोड़ों भारतवासियों की तकलीफ की आवाज सुनने के लिए, आर्थिक अन्याय के विरुद्ध जागरूकता के लिए, नफरत के विरुद्ध प्रेम का संदेश देने के लिए, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम देने के लिए, 140 करोड़ हिंदुस्तानियों को जोड़ने के लिए, नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने के लिए, देशवासियों को ये यकीन दिलाने के लिए कि 'फूट डालो राज करो' का ये दूसरा दौर भी चला जाएगा और हमारी एकजुटता, समरसता और सौहार्द ही हमें मजबूत बनाएगा।

काम कर गई पीएम मोदी की अपील

कुछ ही दिनों में सवा करोड़ लोग बने बीजेपी के सदस्य

दीपक कुमार तिवारी

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, अभी देखते जाइए

पटना/नई दिल्ली। भाजपा का राष्ट्रीय सदस्यता अभियान देशभर में जोर-शोर से चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के तमाम बड़े नेताओं से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता तक सदस्यता अभियान को कामयाब बनाने में जुटे हैं। इस बीच पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दावा किया है कि अब तक सवा करोड़ से ज्यादा लोग भाजपा के सदस्य बन चुके हैं।

आपको बता दें कि, इस बार 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने के लक्ष्य के साथ देशभर में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान का पहला चरण 25 सितंबर तक चलना है। पार्टी की योजना के मुताबिक, पहले चरण की समीक्षा के बाद एक से 15 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान का दूसरा चरण चलाया जाएगा। 16 से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और सक्रिय सदस्यता अभियान के बाद पार्टी में बूथ स्तर से अध्यक्ष का चुनाव शुरू होगा, जो मंडल, जिला, राज्य और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक चलेगा।

जेपी नड्डा ने बिहार की राजधानी पटना में अनुसूचित जाति परिवार के बीच आयोजित भाजपा के सदस्यता अभियान कार्यक्रम में शनिवार को कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 सितंबर 2024 को दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। भाजपा 18 करोड़ कार्यकताओं से मिलकर बनी पार्टी है। इस बार भाजपा के सदस्यता अभियान का लक्ष्य 10 करोड़ लोगों को पार्टी के साथ जोड़ना है। अब तक सवा करोड़ से ज्यादा लोग भारतीय जनता पार्टी से जुड़ चुके हैं और सभी कार्यकर्ता इस अभियान को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग कर रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि यह केवल भाजपा में ही संभव है कि किसी एक तस्वीर में राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और पूर्व के अध्यक्ष, एक साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हों। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि भाजपा देश की एकमात्र पार्टी है, जहां प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री तक, राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक और जिला अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष तक, पार्टी के सभी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को 6 वर्ष बाद अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कराना होता है। यह और किसी राजनीतिक पार्टी में संभव नहीं हो सकता, क्योंकि बाकी पार्टियां जाति, क्षेत्र, परिवार या विशेष समुदाय पर आधारित पार्टी हैं। केवल भाजपा ही सबकी और समूचे समाज की पार्टी है।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में लगी फोटो जर्नलिस्ट्स की एग्जीबिशन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया नई दिल्ली में मीडिया फोटो जर्नलिस्ट ट्रस्ट की ओर से एक फोटो एग्जीबिशन लगाई गई जिसमें विशेष मुख्य अतिथि लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में भी कई पदक जीते भारतीय निशानेबाज गगन नारंग ने फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। गोल्ड मेडलिस्ट इंडियन शूटर गगन नारंग ने रिबन काट कर उद्घघाटन किया वंही मुख्य अथिति को उनकी फोटो का फोटो फ्रेम का एक कोलॉज भेंट किया वंही प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौतम लेहरी जर्नल सेक्टरी नीरज ठाकुर औरवंही सामाजिक कार्यकर्ता करता व राजनीतिक परमजीत सिंह पम्मा भी मौजद थे उन्होंने अपने भाषण में कहा कि में सरकार से आग्रह करूँगा की सभी फोटो ग्राफर को चिकित्सा मोहिया कराई जाए। एग्जीक्यूटिव मेम्बर रविंद कुमार मौजूद थे वहीं दिल्ली के जितने भी फोटो जर्नलिस्ट है जो विभिन्न संस्थाओं में काम करते हैं सबने एक ओपन एग्जिबिशन प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में लगाई जिसमें वह यह दर्शना चाहते थे दिल्ली की थीम क्या है आने वाले 10 सालों में दिल्ली कितनी बदली है दिल्ली में क्या-क्या विभिन्न चीज परिवर्तन हुई है नए-नए प्रकार से दिल्ली दिखाई दे रही हैं क्या-क्या कार्यक्रम हो रहे हैं उसको दशार्ने के लिए उसको जनता तक पहुंचाने के लिए प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में मीडिया फोटो जर्नलिस्ट के जितने भी फोटो जर्नलिस्ट लिस्ट हैं उन्होंने एक पेंटिंग एग्जीबिशन लगाई जिसकी तिथि 6 सितंबर से लेकर 9 सितंबर तक रखी है और सभी लोगों को निमंत्रण दिया है वह भी आकर फोटो पेंटिंग को देख सकते हैं प्रोत्साहन कर सकते हैं अपनी भावना व्यक्त कर सकते हैं। जैसा की ट्रस्ट के अध्यक्ष नवल ने बताया कि हमने यह ट्रस्ट हमारे फोटो जर्नलिस्ट भाइयों की समस्या व जरूरत मंद लोगों के लिए बनाया है जिसमें हम हमारे ट्रस्ट के सभी भाइयों की मदद करते रहते हैं वहीं ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष मानवेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि हम एक ओपन कंपटीशन रखने जा रहे हैं जिसमें इस दिल्ली के जितने भी मीडिया फोटो जर्नलिस्ट है उनको हम पार्टिसिपेट के तौर पर रखेंगे वहीं ट्रस्ट के जर्नल सेक्रटरी कमर सिबतेंन ने बताया की जिस तरह से सभी फोटो ग्राफर भाइयो ने भाग लिया है उनका उत्साह देखते ही बनता है। आने वाले दिनों मै हम दिल्ली की थीम स्मार्ट सिटी पर एक बड़ी एग्जीबिशन लगाने जा रहे है जिसकी घोषणा हम जल्दी करने जा रहे है वंही कैशियर वसीम सरवर ने बताया कि हम आए दिन ट्रस्ट के माध्यम से इस तरह के विभिन्न विभिन्न कार्यक्रम करते रहते हैं जिसमें से एक महत्वपूर्ण कार्य यह भी है कि हमने प्रेस क्लब में इसको आयोजित किया और भविष्य हम इसको बड़े स्तर पर ले जाएंगे भाग लेने वालों में बता दें आपको प्रवीन खन्ना(इंडियन एक्सप्रेस) प्रेम बिष्ट (युएनआई)विवेक निगम (अमरउजाला) ताशी तोप गयाल (इंडियनएक्सप्रेस) मिहिर सिंह चीफ फोटो (पंजाबकेसरी) इम्तियाज खान (देशबंधु) इम्तियाज अली (नवोदयटाइम्स) कन्नन (दिनाकरन) शहवाज खान (पीटीआई) धुरुव कुमार (जागरण) हेमंत रावत (एचएम) राजीव मंडल (राष्ट्रीयसहारा) श्रीकांत (एएनआई) अनिंदया (टीओआई) प्रदीप कुमार (पीआईबी) रवि चौधरी (पीटीआई) संजय शर्मा (एएनआई) एन, के दास (राष्ट्रीयसहारा) जगजीत सिंह के, आसिफ फ्री लांस फोटोग्राफर अमर जीत दीपक कुमार अनुपमा गौतम (आईएएनएस) नीरज (पंजाबकेसरी) मयंक मखीजा इन सभी फोटोग्राफरो ने एग्जीबिशन मैं भाग लिया।

एक नजर

वजीराबाद इलाके में संदिग्ध अवस्था में महिला का मिला शव

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक महिला का शव संदिग्ध अवस्था में घर में मिला। सुबह बच्चों के रोने को आवाज सुनकर पड़ोसियों ने घर का गेट खोला तो महिला का शव कमरे में पड़ा हुआ था और उसकी एक ढाई वर्ष की और दूसरी साढ़े चार वर्ष की बेटियां बगल में बैठे रो रही थीं, जबकि उसका पति फरार था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सब्जी मंडी की मोर्चरी में भेज दिया है और रिपोर्ट दर्ज कर फरार पति की तलाश में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, बृहस्पतिवार सुबह वजीराबाद थाना पुलिस को गली नंबर 14 के एक घर में महिला का शव मिलने की सूचना मिली।

पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक महिला की पहचान पारुल तिवारी के रूप में हुई। पुलिस ने उसके पति वेद प्रकाश से संपर्क करने का प्रयास किया तो वह फरार निकला। पुलिस को शक है कि पति ने गला घोंट कर पत्नी की हत्या की है। मृतक महिला नजफगढ़ की रहने वाली थी। दंपती ने अपनी पसंद से छह साल पहले शादी की थी। परिवारवालों के न अपनाने के कारण वह किराए के घर में ही रहते थे और इसी महीने एक सितंबर को अपने पति और दो बेटियों के साथ किराए के घर में रहने आए थे। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल रिपोर्ट दर्ज कर पति की तलाश की जा रही है।

शराब पीने से मना करने पर एसआई को अधमरा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। बुराड़ी इलाके में बुधवार को सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने से मना करने पर युवकों ने दिल्ली पुलिस के एसआई को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार 54 वर्षीय एसआई हरिंदर परिवार के साथ कौशिक एन्क्लेव इलाके में रहते हैं। वर्तमान में वह मजनू का टीला स्थित बाल सुधार गृह में तैनात हैं। बताया जाता है कि बुधवार रात को वह अपने घर जा रहे थे। तभी उन्होंने गली में कुछ लड़कों को खड़े होकर शराब पीते देखा। इस पर उन्होंने लड़कों को ऐसा करने से मना किया। इस पर नाराज लड़कों ने एसआई पर हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। इस बीच एसआई की चीख सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल हालत में एसआई को बुराड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत ठीक नहीं होने पर मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसआई के सिर और चेहरे पर काफी चोटें आई हैं।

आईपी यूनिवर्सिटी के बीएससी-एमएससी डूअल डिग्री प्रोग्राम की ऑफलाइन काउंसलिंग 11 सितंबर को

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के बीएससी-एमएससी डूअल डिग्री प्रोग्राम की ऑफलाइन काउंसलिंग 11 सितंबर को द्वारका कैम्पस में आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग के दिन ही दस्तावेज सत्यापन के बाद रैंक के अनुसार सीटों का आवंटन भी कर दिया जाएगा। इस प्रोग्राम की काउंसलिंग में वो उम्मीदवार भाग ले सकते हैं जिन्होंने इस प्रोग्राम से संबद्ध सीयूईटी यूजी 2024 परीक्षा उत्तीर्ण की है और ऑनलाइन आवेदन किया है। काउंसलिंग के लिए आवेदक को यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के पक्ष में निर्गत 1,01,500 रुपये का बैंक ड्राफ़्ट, सीईटी एडमिट कार्ड, रैंक कार्ड और चार पासपोर्ट आकर के फोटो लाना आवश्यक है। जिन्होंने इस प्रोग्राम की काउंसलिंग के लिए आवेदन नहीं किया है वे यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर उपलब्ध गूगल फॉर्म के जरिए 10 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। यह चार-वर्षीय प्रोग्राम यूनिवर्सिटी स्कूल औफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज में उपलब्ध हैं जिसमें कुल 180 सीटें उपलब्ध हैं। फि ज़िक्स, केमिस्ट्री और मैथ में 60-60 सीटें उपलब्ध हैं। इस प्रोग्राम के महत्व को रेखांकित करते हुए यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बेसिक एंड अप्लाइड साइन्स के डीन प्रो. अनिंदया दत्ता ने बताया कि बुनियादी विज्ञान के आधार पर ही तकनीकी उन्नति संभव है। जाहिर है कि इस फील्ड में अवसर हमेशा बने रहेंगे।

आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट के गेट संख्या पांच पर वर्ष 2011 में हुए बम विस्फोट की बरसी पर पीड़ितों के परिवार एकत्र हुए और विस्फोट में शिकार हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी। साउथ एशियन फोरम पीपल अगेंस्ट टेरर की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम को आयोजित किया गया था। फोरम के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने बताया कि 13 साल पहले इस आतंकी हमले में 17 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 40 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्होंने कहा कि फोरम लगातार मांग कर रहा है कि आंतक से पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरियों में दो प्रतिशत आरक्षण दिया जाए, लेकिन मांग पूरी नहीं हुई है। अब इस मांग को लेकर वे हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

नरेला में बनेगी चौथी जेल 2000 कैदियों की होगी क्षमता

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला में अब हाई सिक्योरिटी जेल के साथ एक केंद्रीय जेल भी बनाया जाएगा। हाई सिक्योरिटी जेल में जहां 250 कैदी रहेंगे, वहीं नए केंद्रीय जेल में दो हजार कैदियों को रखने की जगह होगी। करीब दो वर्ष के भीतर इस जेल के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। नए केंद्रीय जेल के निर्माण के लिए बजट का प्रावधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। तिहाड़, रोहिणी और मंडोली के बाद नरेला में दिल्ली के चौथे जेल परिसर के निर्माण की मूल योजना के तहत यहां हाई सिक्योरिटी जेल का निर्माण होना था। इस जेल में उन खूंखार अपराधियों या कैदियों को रखा जाना है, जो गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं या सजायाफ्ता हैं या फिर जिनकी सुरक्षा काफी संवेदनशील होती है।

हाई सिक्योरिटी जेल की क्षमता 250 कैदियों की है। जेल प्रशासन के अनुसार नरेला में जेल निर्माण के लिए जितनी जगह मिली, वह इतनी है कि हाई सिक्योरिटी जेल के निर्माण के बाद भी काफी जगह खाली बच रही है। इस खाली जगह का इस्तेमाल करते हुए अब यहां एक केंद्रीय जेल के निर्माण की योजना तैयार की गई है। इस योजना को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी मिल चुकी है। सबकुछ सही रहा तो हाई सिक्योरिटी जेल के निर्माण के साथ ही यहां नया केंद्रीय जेल भी बनना शुरू हो जाएगा। तिहाड़ में अभी करीब 20 हजार कैदी बंद हैं, जबकि क्षमता करीब 10 हजार की है। नया केंद्रीय जेल बनने के बाद यहां दो हजार कैदी स्थानांतरित हो जाएंगे। इस लिहाज से देखें तो क्षमता से अधिक कैदी की समस्या से जूझ रहे तिहाड़ जेल की समस्या का करीब 20 प्रतिशत तक समाधान हो जाएगा।

मच्छर का लार्वा मिलने पर 16 सौ लोगों को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने मच्छर जनित बीमारियों को लेकर अभियान तेज कर दिया है। मच्छर का लार्वा मिलने पर अब तक 1679 लोगों को नोटिस भेजे जा चुके हैं। इनमें से 104 लोगों का चालान किया गया है। एनडीएमसी सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि क्षेत्र में ऐसे 15 स्थानों की पहचान की गई है जो मच्छरों के प्रजनन के मामले में हॉटस्पॉट हैं। एनडीएमसी क्षेत्र को चौदह सर्किलों में विभाजित किया गया है, जिनमें विशेष टीमों की तैनाती की गई है। यह मच्छर के लार्वा की जांच और दवाओं के छिड़काव आदि के काम कर रही हैं। अभी तक 15 हजार 735 संस्था या सरकारी भवनों की व पांच लाख से ज्यादा भवनों में मच्छर के लार्वा की जांच की गई है।

सिंगर सतिंदर सरताज की मधुर आवाज पर झूमे फैंस

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाबी के विश्व विख्यात गायक सतिंदर सरताज ने सुरों की ऐसी तान छेड़ी कि शाम यादगार हो गई। इस इवेंट का सरताज के फैंस को मुद्दत से इंतजार था, आलम यह था कि दिल्ली सरताज फैंस क्लब के प्रमुख दीपक बजाज और ऋषि मदान करीब चालीस से ज्यादा फैंस के साथ शो को देखने और अपने प्रिय गायक से रूबरू होने के लिए गए। शो शुरू होने के बाद अपने झूमते फैंस की फरमाइश पर सरताज ने इश्के दे अंबरी उडारियां गीत जब पेश किया तो दीपक के साथ दिनेश बजाज, सरताज फैन क्लब के प्रेसीडेंट ऋषि मदान, मोहित छाबड़ा सुदर्शन बजाज आदि फैंस हाथों में उनकी फोटो लिए थिरकने लगे। इससे पूर्व एडीसी वैशाली सिंह, एसडीएम आशीष कुमार ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। गायक के मंच पर आते ही श्रोताओं के साथ दीपक और उनके साथियों ने अपने चहेते कलाकार को उपहार भी भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद गायक ने एक के बाद एक गीतों की शानादार प्रस्तुति दी। हर किया।

सरताज ने एक के बाद एक गीतों की शानादार प्रस्तुति दी। हर गीत के साथ श्रोता का जोश देख सरताज ने अपने सुपर हार्ट गाने प्यार होंदा फूलां तो अनूक सोणया, सजन राजी हो जावे, इत्रां दी शीशी, तेरी मेरी यारी सहित कई गाने पेश किए। मंच पर फ्यूजन बैंड के कलाकारों ने राग भैरवी की प्रस्तुति दी। इस शो के दौरान। सभागार के बाहर खड़े सरताज

चांदनी चौक के महाराजा के नाम से मशहूर 15वें श्री गणेश जन्मोत्सव की विशाल शोभा यात्रा निकाली गई

नई दिल्ली, एजेंसी। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर शनिवार को श्री सिद्धिविनायक सेवा टस्ट रजि. के तत्वाधान में चांदनी चौक के महाराजा के नाम से मशहूर 15वें श्री गणेश जन्मोत्सव की विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। श्री सिद्धिविनायक सेवा टस्ट के सदस्यों ने बताया कि विशाल शोभा यात्रा में विशेष झांकियां, अतिश बाजी, हाथी, घोडे बग्गियों के साथ शोभा यात्रा श्री श्याम मंदिर भागीरथ पैलेस से चलकर चांदनी चौक, टाउन हॉल नई सडक से होती हुई मारवाडी सदन पर जाकर समाप्त हुई। शोभा यात्रा और गणेश जी की मंगल मूर्ति की स्थापना के साथ ही गणेश महोत्सव की शुरूआत हुई। इस अवसर पर रविन्द्र गाडोदिया, संजीव शर्मा, श्रवण खेमका, पवन गाडोदिया, पारग जैन सहित संस्था के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सनातन धर्म में किसी भी अच्छे कार्य की शुरूआत करने से पहले भगवान गणेश की आराधना की जाती है। चतुर्थी तिथि के दिन माता पार्वती के लाल गणपति का जन्म हुआ था गणेश चतुर्थी से अलग 10 दिनों तक गणपति उत्सव शुरू हो जाता है। घर घर नुक्कड चैराहों व मंदिरों में बप्पा को विराजमान किया जाता है। चांदनी चैक के जोगीवाडा में मारवाडी सदन में आयोजित गणपति जन्मोत्सव में गणेश जी का दरबार सजाया गया है। यह देखने में बेहद आकर्षक व अद्भुत है। श्री सिद्धिविनायक सेवा टस्ट के महामंत्री संजीव शर्मा ने बताया कि हर वर्ष एक विशेष थीम पर बप्पा को विराजित किया जाता है। यह ट्रस्ट का 15वां गणेश जन्मोत्सव है। पंडाल में भगवान गणेश के साथ साथ खाटूष्याम जी, दादी जी झुंझुनूं वालि, सालासर हनुमानजी व राधा कृश्ण की सुंदर प्रतिमा को भी विराजित किया गया है। संजीव शर्मा ने बताया कि दिल्ली में सबसे पहले उनके टस्ट ने गणपति जी की मिट्टी की प्रतिमा को विराजित किया था, और उनका विसर्जन भी उत्सव स्थल पर करना शुरू किया, ताकि नदियों में प्रदूषण न बड़े, उसके बाद यह ट्रेंड बढ गया।

वृद्धावस्था देखभाल के महत्व को उजागर करने के लिए ज्ञानवर्धक मीट एंड ग्रीट सत्र आयोजित

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टेमिस हॉस्पिटल्स ने 8 सितंबर को ग्रैंड-पैरेंट्स दिवस के उपलक्ष्य में वृद्धावस्था देखभाल के महत्व को उजागर करने के लिए वृद्धावस्था चिकित्सा में अपनी प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डॉ. मीनल ठकराल के साथ एक ज्ञानवर्धक मीट एंड ग्रीट सत्र की मेजबानी की। इस बैठक का उद्देश्य वृद्ध वयस्कों के लिए विशेष देखभाल की बढ़ती आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित करना और ग्रैंड-पैरेंट्स दिवस जिसकी इस वर्ष की थीम, मेरे बुढ़ापे में मुझे अकेला मत छोड़ो है, के अवसर पर जागरूकता फैलाना था। डॉ. मीनल ठकराल (क्लासिफाइड स्पेशलिस्ट-जेरियाट्रिक मेडिसिन, आर्टेमिस हॉस्पिटल्स) ने जेरियाट्रिक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि, ह्यवृद्धों की जरूरतें अद्वितीय और बहुआयामी हैं, जिसके लिए एक व्यापक और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। जैसा कि हम दादा-दादी दिवस मनाते हैं, ऐसे मंर उनकी विशेष देखभाल के मूल्य को पहचानना महत्वपूर्ण है जो न केवल चिकित्सा बल्कि उम्र बढ़ने के भावनात्मक और सामाजिक पहलुओं को भी संबोधित करता है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को वह देखभाल और सम्मान मिले जिसके वे हकदार हैं। डॉ. देवलीना चक्रवर्ती, (एमडी, आर्टेमिस हॉस्पिटल्स) ने इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, आर्टेमिस हॉस्पिटल्स में, हम अभिनव दृष्टिकोण और व्यापक सहायता के माध्यम से जेरियाट्रिक देखभाल को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित हैं। हमारा ध्यान समग्र देखभाल प्रदान करने पर है जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य, संज्ञानात्मक सहायता और भावनात्मक कल्याण शामिल है। जागरूकता बढ़ाकर और विशेष सेवाओं तक पहुँच में सुधार करके, हमारा लक्ष्य हमारी वरिष्ठ आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। वृद्ध वयस्कों के लिए एक मजबूत सहायता प्रणाली बनाने के लिए जेरियाट्रिक देखभाल में बहुआयामी चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है। एक महत्वपूर्ण मुद्दा पॉलीफार्मेसी का छिपा हुआ संकट है, जहाँ कई दवाओं का प्रबंधन करना तेजी से जटिल और संभावित रूप से खतरनाक हो जाता है। जीवन के अंतिम चरण में प्रभावी देखभाल की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस परिदृश्य में प्रौद्योगिकी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती है, जिसमें तकनीक-प्रेमी समाधान वृद्धावस्था देखभाल को बेहतर बनाने के लिए अभिनव तरीके पेश करते हैं। वरिष्ठ नागरिकों के बीच अकेलापन और सामाजिक अलगाव उनकी भलाई को और जटिल बनाता है। इसके अतिरिक्त, देखभाल करने वालों का बर्नआउट एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है, जो परिवार के देखभाल करने वालों के अक्सर अनदेखा किए जाने वाले संघर्षों पर प्रकाश डालता है।

सीवर का पानी घुस रहा है घरों में : अशोक शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। उपाध्याय ब्लाक शकरपुर में बदहाल सीवर व्यवस्था जिसकी वजह से स्थानीय निवासियों का जीना मुहाल हो चुका है। कन्फेडरेशन ऑफ एनसीआर आरडब्ल्यूए ईस्ट दिल्ली चैप्टर के महासचिव अशोक शर्मा ने एलजी को लिखे अपने पत्र में लिखा लोगों के घरों में सीवर का गंदा पानी घुस रहा है। उपाध्याय ब्लाक में गुरूद्वारे वाली गली में सीवर का मल मिश्रित पानी पिछले 20-25 दिने से बाहर के साथ मेन हाल से बाहर सड़क पर बह रहा है। 30 अगस्त को कनिष्ठ अभियंता अर्जुन चौधरी समस्या की जगह पर आए उन्होंने आश्वासन दिया कि सीवर उपाध्याय ब्लाक का आज ठीक करके ही कर्मचारी यहाँ से जाएंगे। किन्तु आज दिनांक 06 सितम्बर, 2024 तक सीवर नहीं खुला है।

डॉ. कालरा लाईफ टाईम अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। चिकित्सा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के कालरा अस्पताल के डायरेक्टर व हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. आर एन कालरा को लाईफ टाईम अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान टाईम्स हेल्थ कन्लेव द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में दिया गया है। इस अवसर पर सम्मानित डॉ. आर एन कालरा ने कहा कि चिकित्सक का पेशा बड़ा ही जिम्मेदार पेशा है। इसमें डॉक्टर अपनी चिंता किये बिना मरीजों की जान बचाने के कड़ी मेहनत करता है। उन्होंने कहा कि हार्ट रोगियों के लिये कहा कि अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। डॉ. कालरा ने कहा कि देश दुनिया ने कोरोना काल को देखा है।

उस दौरन डॉक्टरों ने अपनी अहम भूमिका निभाई है। डॉ. आर एन कालरा ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य लोगों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिले। ताकि लोगों उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि हार्ट रोगियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना चाहिए और नियमित रूप से ब्लड प्रेशर के साथ-साथ मधुमेह की जांच कराते रहना चाहिए।

हरितालिका तीज महोत्सव मनाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 11वाँ हरितालिका तीज महोत्सव कार्यक्रम दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में को अशोक ठाकुर (इंचार्ज ऑफ ऑल बीजेपी सेल्स) और विशिष्ट अतिथि अभिनव अय्यर जी (वरिष्ठ महाप्रबंधक मुठुत ग्रुप) द्वारा उदघाटन हुआ। दोपहर 1 बजे से शाम 8 बजे तक चले इस कार्यक्रम में दिल्ली में रहने वाले 25 हजार से ज्यादा गोरखालियों ने हिस्सा लिया। जितने दर्शक स्टेडीयम में थे उससे 3-4 गुणा दर्शक जगह न होने की वजह से बाहर पंचे बाजा में झूम रहे थे। प्रमुख अतिथि राजु बिष्ट, विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह जी(संस्थापक) उमेश तनेजा (ग्लोबल हेल्थ), कंचन गुरुंग (संस्थापक कंचन डिकोरेटर्स) उपस्थित रहे। तीज के दिन महिलाओं ने उपवास के बावजूद सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम को उत्साह के साथ और अधिक ऊर्जा दी। इस तीज पर्व में विभिन्न कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। राष्ट्रीअधय पुरस्कार समारोह, साथ ही डॉक्टर युवराज भट्टराई जी (साहित्य पुरस्कार पुरस्कृत) की पुस्तक विमोचन समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम। इस वर्ष ट्रस्ट ने भाषा संग्रामी श्री उत्तम क्षेत्री को नेपाली साहित्य सम्मान-2024, गीताश्री शर्मा को नेपाली साहित्य पुरस्कार (पद्य)-2024, शीला लामा को नेपाली साहित्य पुरस्कार (गद्य)-2024 और दीपक राई को नेपाली साहित्य पुरस्कार (पत्रकारिता)-2024 से सम्मानित किया गया। समाज सेवा के लिए गोरखा समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तिव राजू शंकर और सिरीस राई को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत ही रोचक और आकर्षक रहा और सुमित्रा कोइराला, कल्पना बिस्ट, सोनू अन्नू (त्रिलोकी ग्रुप), प्रिय टेरेसा, रंजिता सुंदास, विनोद लाबर, विक्रम खत्री, निशु ग्रुप और विभिन्न स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों में नेपाली गीत और कई नृत्य प्रस्तुत किए गए। तीज में आए सभी दर्शक खुशी से झूम उठे। कार्यकारी अध्यक्ष शिबालाल गँवाली, राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर युवराज भट्टराई, महिला अध्यक्ष अनीता गँवाली, महिला उपाध्यक्ष कमला पोखरेल, रबी दियाली, सुष्मिता सिंचुरी, सपना राई, अमित सुब्बा, प्रकाश राणा, प्रकृति, पवन, कुसुम और समस्त हाम्रो स्वाभिमान की कार्यकारिणी सदस्य द्वारा किया गया।

उपराज्यपाल की ताकत बढ़ने से मिलेगी दिल्ली के विकास को गति : मुकेश बंसल

भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया दिल्ली सरकार नें

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के उपराज्यपाल की शक्तियां बढ़ा दी हैं। अब एलजी राजधानी में अथॉरिटी, बोर्ड, कमीशन या वैधानिक निकाय का गठन कर सकेंगे। इसके अलावा वे इन सभी बॉडीज में मेंबर्स की नियुक्ति भी कर सकेंगे। इससे पहले यह अधिकार दिल्ली सरकार के पास थे। उपराज्यपाल की बढ़ी ताकत के फैसले पर बात करते हुए कर्दमपुरी वार्ड के निगम पार्षद मुकेश बंसल ने कहा कि मैं इस फैसले का पूरी तरीके से समर्थन करता हूं और इस फैसले का बहुत बहुत स्वागत करता हूं। मुकेश बंसल ने कहा कि जब से दिल्ली की सत्ता पर आम आदमी पार्टी बैठी है तब से आम आदमी पार्टी ने बहाने बनाने के अलावा दिल्ली के विकास के लिए, दिल्ली की जनता की तरक्की के लिए एक कार्य भी नहीं किया। मुकेश बंसल ने कहा कि जब भी कभी दिल्ली के लोगों को किसी भी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा चाहे वह बारिश के समय में जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा हो, भीषण गर्मी में अधिक पेयजल की जरूरत को पूरा न करने की समस्या का सामना करना पड़ा हो या फिर लोगों के घरों में दूषित जल आने की समस्या का सामना करना पड़ा हो, हर समस्या को आम आदमी पार्टी ने सुलझाने के बजाय उसे उलझाया और किसी एक भी समस्या के लिए सामने आकर यह नहीं कहा कि हां हम यह काम नहीं कर पाए तो गलती हमारी है। मुकेश बंसल ने कहा कि पिछले लगभग दस साल के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी के हिसाब से आम आदमी पार्टी की एक भी गलती नहीं थी तो फिर गलती किसकी थी। गलती अगर किसी की थी तो उपराज्यपाल की थी, अन्य राज्य की सरकारों की थी लेकिन आम आदमी पार्टी की कोई गलती नहीं थी। मुकेश बंसल ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अपने लगभग दस साल के कार्यकाल में क्या काम किया? मैं बताता हूं आपको, आम आदमी पार्टी ने अपने दस सालों में घोटाले किए, अपने मंत्रियों की जेबें भरी और जब घोटाले में यह पकड़े गए।

कैलाश अस्पताल ने किया संतरे के आकार के फोड़ा का सफलतापूर्वक ऑपरेशन

ऋषि तिवारी

नोएडा। कैलाश अस्पताल में बिशन सिंह बिष्ट आए गंभीर अवस्था में आए और तब आवाज भी लगभग जा चुकी थी। अस्पताल आने के बाद उनकी विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में कई जांच किए गए। जांच के बाद चिकित्सकों को जानकारी हुई कि शरीर की मुख्य महाधमनी में संतरे के आकार का फोड़ा हो गया है। जिसके फटने से उनकी जान को खतरा हो सकता था और साथ ही मरीज की कोरोनरी एन्ज्योग्राफी से जानकारी प्राप्त हुई कि उनके हृदय को रक्त पहुंचाने वाली दो महत्वपूर्ण धमनियां भी बंद हुई है। इससे उन्हें कभी भी हृदय आघात हो सकता था। इस हृदय आघात से

उनकी जान भी जा सकती थी। यह जानकारी सेक्टर 27 स्थित कैलाश अस्पताल के सभागार में मुख्य कार्डियोथोरेसिक और वस्कुलर डॉ. सतीश मैथ्यू सर्जन ने दी। मुख्य कार्डियोथोरेसिक और वस्कुलर सर्जन डॉ. सतीश मैथ्यू ने बताया कि हृय शल्य चिकित्सा की टीम ने मरीज की जान के खतरे को देखते हुए तीन चरणों में सर्जरी करने की योजना तैयार की। प्रथम चरण में दो बाईपास ग्राफ्ट से हृदय की रक्त वाहिनीयों को बाईपास किया गया। दूसरे चरण में महाधमनी से अन्य मुख्य रक्त वाहिनियों को जो मस्तिष्क में और हाथों में रक्त पहुंचाती है को ग्राफ्ट लगाकर बाईपास किया गया।

तीसरे चरण में मरीज को कार्डिएक कैथ लैब में लेकर मुख्य महाधमनी में एक एन्ड्रोग्राफ्ट लगाया गया। जिससे वह फोडे के आकार का एंट्री पाइंट सील कर दिया। इस जटिल ऑपरेशन में लगभग 15 घंटे का समय लगा। वहीं, मरीज को 7 दिन की निगरानी में भी रखा गया।

इस मौके पर प्रबंध निदेशक डॉक्टर कार्तिक, निदेशक डॉक्टर पल्लवी शर्मा, समूह चिकित्सा निदेशक डॉक्टर रितु वोहरा, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर विजय गंजू समेत कई लोग मौजूद रहे।

रिवार्ड प्वाइंट रिडीम का झांसा देकर ठगी करने वाले तीन साइबर ठग गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम थाना पुलिस ने क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड प्वाइंट रिडीम करने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों से भारी मात्रा में ठगी में प्रयोग किए जाने वाले मोबाइल, सिम कार्ड, क्रेडिट कार्ड धारकों का डाटा और अन्य सामान बरामद किया गया है। पकड़े गए गिरोह के फरार लोगों की तलाश में पुलिस दबिश देने में जुटी है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया देर रात इंदिरापुरम पुलिस ने चेकिंग के दौरान तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सुशांत कुमार निवासी नंद विहार द्वारिका दिल्ली मूल निवासी तिरवेंद्रम केरला, अमन गोस्वामी निवासी राजनगर कालोनी लोनी बार्डर और सन्नी कश्यप निवासी विकास कुंज फरूखनगर थाना टीला मोड बताए। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह लोगों को क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड प्वाइंट रिडीम करने का लालच देकर रुपये ठगते हैं।

पकड़े गए आरोपियों से 13 कीपेड मोबाइल, सात एंड्रायड मोबाइल, 30 बेट्री, बड़ी संख्या में क्रेडिट कार्ड धाराकों के नाम और मोबाइल नंबर, चार चेकबुक समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह टेली कालिंग का काम करते हैं।

नौकरी दिलाने के वांछित जालसाज गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे दो जालसाज को सेक्टर-63 से गिरफ्तार किया है। इन पर 10-10 हजार का इनाम घोषित था। इनकी पहचान योगेश शर्मा और चंदर कुमार हुई है। दोनों को साक्षी पब्लिक स्कूल के पास आश्रम रोड चोटपुर कालोनी के पास से गिरफ्तार किया गया है। एडीसीपी ने बताया कि दोनों ही नौकरी सर्च करने वाले लोगों का ऑनलाइन डेटा चोरी करते है। उनको कॉल करके एयरलाइन में नौकरी दिलाने व मुद्रा योजना के नाम पर लोन दिलाने के जरिए ठगी करते है। ये दोनों अब तक लाखों रुपए की ठगी कर चुके है। इनकी धोखाधड़ी के संबंध में 2023 में थाना सेक्टर-63 में मुकदमा दर्ज किया गया था। साथ ही इनके अन्य साथियों को पकड़ा जा चुका है। इनके खिलाफ थाना सेक्टर-63 से गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की गयी थी। जिसमें दो फरार चल रहे थे। मुखबिर से सूचना पर दोनों को चोटपुर कालोनी में आश्रम रोड से गिरफ्तार कर लिया। दोनों से सघन पूछताछ की जा रही है। साथ ही इनके मोबाइल और डेटा का एनालिसिस किया जा रहा है ताकि पता चल सके इन दोनों ने मिलकर कितनों के साथ ठगी की है।

विदेशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भांडाफोड़

ऋषि तिवारी

नोएडा। विदेशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर सेक्टर 63 पुलिस ने भांडाफोड़ करते हुए 6 महिलाओं समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में कॉल सेंटर का मालिक व उसकी पत्नी भी है। पुलिस के मुताबिक यह लोग विदेश में जाकर नौकरी करने वाली की इच्छा रखने वालों का डेटा फेसबुक, इंस्टाग्राम से निकालकर उन्हे स्टोर कीपर, स्टोर सुपरवाइजर, एडमिन आदि पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया जाता था। इनके कब्जे से 24 लैपटॉप, 01 एपल टैब, स्वाइप मशीन, पेमेंट क्यू आर कोड, 10 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए है। यह अब तक 300 से ज्यादा लोगों से ठगी कर चुके है। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया है कि साइबर हैल्प डेस्क पर पिछले कुछ समय से जानकारी मिल रही थी कि सेक्टर-63 के ई-ब्लॉक में बीयांड स्पार्क ओवरसीज नाम की एक कंपनी विदेश (कनाडा, सर्बिया आदि) में नौकरी दिलाने के नाम पर आवेदक के साथ धोखाधडी कर रही है। इस सबंध में केरल निवासी प्रमोद राघवन ने शिकायत की थी। इस शिकायत पर साइबर एक्सपर्ट और पुलिस टीम ने छापा मारा। जहां पुलिस ने 6 महिला और 3 पुरुष समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान पंकज कुमार उसकी पत्नी मनप्रीत कौर, सोनू कुमार, राहुल सरोज, प्रशंसा कुलश्रेष्ठ दिपाली, महिमा अग्रवाल, ममता यादव, तनिष्का शर्मा के रूप हुई। कंपनी के डायरेक्टर पंकज द्वारा बताया गया कि यह कंपनी उसकी पत्नी मनप्रीत कौर के नाम रजिस्टर्ड है। आवेदक को अपनी बातो पर यकीन दिलाने के लिये हम अपनी पहचान वाले जो पहले से कनाडा गए हुए है के वीजा और ऑफर लेटर व गूगल से निकाले हुए सैंपल आफर लेटर, वीजा व अन्य कागजात की फोटो को अपनी कंपनी के ग्राफिक डिजाइनर राहुल सरोज से बदलवा कर आवेदको को भेज देते थे। हमारे पास जिस भी आवेदक की फाइल आती थी हम केवल उसे नौकरी के पोर्टल पर अपलोड कर देते थें। जिससे आवेदक को बताया जा सके कि उसकी फाइल को आगे प्रोसेसिंग के लिए इमिग्रेसन डिपार्टमेंट में भेज दिया गया है। जबकि हमने न तो आज तक किसी की फाइल इमीग्रेसन डिपार्टमेन्ट में नौकरी के वीजा के लिए भेजी है। और न ही कनाडा या किसी अन्य देश में हमारा कोई एजेंट है ।

भारतीय किसान यूनियन मंच ने एनसीआर अध्यक्ष किया घोषित

ऋषि तिवारी

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन मंच ने नोएडा सेक्टर 27 प्रेस क्लब में 7 सितंबर को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया और इसमें संगठन के विस्तार की घोषणा भी गई। बता दे कि विस्तार के क्रम को आगे बढ़ाते हुए दानिश सैफी को भारतीय किसान यूनियन मंच का एनसीआर अध्यक्ष घोषित किया गया है। बता दे कि दानिश सैफी लगातार 15 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में किसान गरीब मजदूर की आवाज उठा रहे हैं तथा लगातार संगठन के साथ उनके क्रियाकलापों में जुड़े हुए थे और संगठन को यहां तक पहुंचने में मजबूती प्रदान की। संगठन की रीति और नीति से प्रभावित होकर तथा संगठन के आग्रह पर उन्होंने एनसीआर अध्यक्ष के पद को ग्रहण किया है तथा भविष्य में भी संगठन को लगातार मजबूती प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया। जिसमें विजेंद्र यादव और सूरज यादव ने भारतीय किसान यूनियन मंच की कार्यशैली से प्रभावित होकर सगंठन ज्वाइन किया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन मंच के सरंक्षक सुरेंद्र प्रधान, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान, यूथ अध्यक्ष आशीष चौहान, यूथ महासचिव रिंकू यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विक्रम यादव, यूथ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता विमल त्यागी, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान, महानगर अध्यक्ष उमंग पंडित, यूथ सचिव अमित बसोया, पाला प्रधान, ओमवीर नेता जी आदि सभी कार्यकारिणी के लोग उपस्थित रहे।

महागुन मंत्रा-2 के बायर्स का फूटा गुस्सा, बिल्डर के दफ्तर पर धरना

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा की हाउसिंग सोसाइटीज में फ्लैट्स की रजिस्ट्री को लेकर बायर्स का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-10 की महागुन मंत्रा-2 सोसाइटी के बायर्स ने फ्लैट मिलने के दो साल बाद भी रजिस्ट्री नहीं होने पर नोएडा के सेक्टर-63 स्थित दफ्तर पर धरना शुरू कर दिया है। महागुन मंत्रा-2 सोसाइटी के फ्लैट बायर्स का कहना है कि कई बार टालने के बाद जुलाई माह में महागुन बिल्डर के एमडी अमित जैन के साथ उनकी बैठक हुई थी। जिसमें सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में रजिस्ट्री शुरू कराए जाने का वादा किया गया था। इसके बावजूद बिल्डर की तरफ से इस दिशा में कोई पहल नहीं की गई। बायर्स की तरफ से बार-बार याद दिलाने के बाद भी जब बिल्डर के कानों पर जूं नहीं रेंगी और सितंबर का पहला सप्ताह भी निकल गया तो गुस्सा फूट पड़ा।

महागुन मंत्रा-2 सोसाइटी के सौ से ज्यादा बायर्स बिल्डर के नोएडा के सेक्टर-63 स्थित दफ्तर पर पहुंचे और वहां धरना शुरू कर दिया। धरना देने पहुंचे लोगों में सोसाइटी के बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी शामिल हैं।

स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर 77 लाख की ठगी

करीब 77 लाख रुपये की आरोपी ने की थी ठगी

गुरुग्राम, एजेंसी। अधिक मुनाफा देने के नाम पर स्टॉक मार्केट में निवेश कराकर ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया हे। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दीवान ने कहा कि साइबर ठगी के आरोपियों पर गुरुग्राम पुलिस शिकंजा कस रही है। पुलिस के अनुसार अप्रैल-2024 में एक व्यक्ति ने थाना साईबर अपराध पूर्व में लिखित शिकायत दी थी। जिसमें कहा था कि ज्यादा रिटर्न का प्रलोभन देकर स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टमेंट/निवेश करने के नाम पर उससे लगभग 77 लाख रूपए की ठगी कर ली गई। उसकी शिकायत पर पुलिस ने

केस दर्ज करके जांच शुरू की। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दीवान के निदेर्शानुसार कार्य करते हुए निरीक्षक नवीन कुमार प्रबंधक थाना साईबर अपराध पूर्व की पुलिस टीम ने तकनीक की सहायता जांच शुरू की। इस केस में 1 आरोपी को पंजाब के फाजिल्का से काबू किया। आरोपी की पहचान रितव उर जावेद झिंझा निवासी गांव बेगावली जिला फाजिल्का (पंजाब) के रूप में हुई। आरोपी से पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी ने ठगी हुई राशि में से 5 लाख रुपए जिस बैंक खाता में आए थे, उस बैंक खाता धारक से 5 लाख रुपए लेकर आगे अन्य साईबर ठगों को पहुंचाए थे। आरोपी से पुलिस पूछताछ में यह भी पता चला कि आरोपी के खिलाफ चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान में हत्या के प्रयास, जबरन वसूली, मारपीट व अवैध हथियार रखने के 8 केस पहले भी दर्ज हैं। अब तक इस केस में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को भेजा जेल

फरीदाबाद, एजेंसी। पुलिस ने 15 वर्षीय नाबालिग लडकी के साथ दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम विक्की कुमार (24) है जो फरीदाबाद के शिव दुर्गा विहार का निवासी है। फिलहाल इस्माइलपुर गांव में रह रहा था। आरोपी पीड़ित लडकी के पिता के यहां ड्राइवर की नौकरी करता था जिसने मई 2024 से अपने मालिक की 15 वर्षीय

लडकी के साथ दोस्ती करके उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और उसे प्यार का झांसा देकर 8 अगस्त को घर से भगा ले गया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ 8 अगस्त 2024 को पोक्सो एक्ट तथा अपहरण की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश की गई जिसमें पुलिस टीम ने गुप्त सूत्रों और तकनीकी सहायता के आधार पर लडकी और आरोपी का राजस्थान के उदयपुर में होने का पता लगाया और 3 सितंबर को दोनों को उदयपुर से सकुशल बरामद कर लिया गया। आरोपी से पूछताछ की गई और पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार करके उसे अदालत में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

स्वीप अभियान के तहत नेहरू स्टेडियम में हुआ जागरुकता कार्यक्रम

-एडीसी हितेश कुमार मीणा ने मतदान अवश्य करने की दिलाई शपथ

-लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए मतदान अवश्य करें गुरुग्रामवासी

गुरुग्राम, एजेंसी। मतदाता जागरुकता गतिविधियों के निरंतरता के क्रम में जिला में स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं एडीसी हितेश कुमार मीणा ने नेहरू स्टेडियम में नवोदित खिलाडि?ों को मतदान अवश्य करने व जिनका वोट नही बना उनके द्वारा आमजन को मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। नेहरू स्टेडियम स्थित हॉकी ग्राउंड में आयोजित इस जागरुकता कार्यक्रम में खेल उपनिदेशक गिरिराज सिंह, हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के एडिशनल सीईओ गौरव सिंह व बिग बॉस फेम लव कटारिया सहित अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने खिलाडि?ों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में भाग लेना

चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट अमूल्य है, जिससे लोकतंत्र मजबूत होता है। एडीसी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहां होने वाले चुनावों पर दुनिया की हमेश नजर रहती है। ऐसे में हम सब को भारतीय लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए मतदान प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने खिलाडि?ों से आह्वान किया कि जो वोट डालने के पात्र है वे मतदान में अपना योगदान देने के साथ साथ अपने परिचितों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। एडीसी ने कहा कि इन चुनावों में मतदाताओं को वोट डालने के प्रति अलग-अलग माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार 05 अक्टूबर को मतदान होगा।

10 वर्ष पूर्व पिता ने बेची दुकान पर पुत्रों ने किया दावा

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-22 स्थित गांव चौड़ा में 10 वर्ष पूर्व बिकी दुकान पर विवाद खड़ा हो गया है। दुकान बेचने वाले व्यक्ति की मौत के बाद उसके पुत्रों ने दुकानदार पर धोखाधड़ी से दुकान खरीदने का आरोप लगाया। दुकान खोलने पहुंचे दुकानदार से मारपीट की। इसका वीडियो वायरल होने के बाद थाना सेक्टर-24 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजय वर्मा ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि उनकी गांव चौड़ा में कृष्णा ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। उन्होंने यह दुकान 16 अगस्त 2014 में फखरुद्दीन से खरीदी थी। कुछ माह पहले फखरुद्दीन की मौत हो गई। अब उसके पुत्र नईम, नदीम आरोप लगा रहे हैं कि धोखाधड़ी से दुकान खरीदी गई है। इसलिए वह दुकान खाली कर दे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपियों ने दुकान खोलने पर धमकी दी। शुक्रवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो आरोपियों ने नसीर अहमद और अनीस व अन्य साथियों के साथ मिलकर मारपीट की।

पीएम आवास योजना के बदले नियम, अब कार वाले भी होंगे योजना के हकदार

गाजियाबाद, एजेंसी। पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत सर्वेक्षण कराकर नए पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की जाएगी। इसके लिए जल्द ही सर्वे शुरू कराया जाएगा। इसके संबंध में शुक्रवार को जिलाधिकारी ने विकास भवन में जानकारी दी। जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के वित्तीय वर्ष 2024-25 से वर्ष 2028-29 के पात्रता-अपात्रता और चयन की प्रक्रिया के बारे में बताया। पहले जहां दोपहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहन स्वामी इस योजना के पात्र नहीं थे, उन्हें इस बार अपात्रता की सूची से बाहर कर दिया गया है। सीडीओ अभिनव गोपाल ने बताया कि इसका सर्वे कराया जाएगा। सर्वेक्षणकर्ता ग्राम पंचायत सचिव होंगे। वहीं, पात्रता-अपात्रता की जानकारी सार्वजनिक स्थल पर सूची बनाकर चस्पा करनी होगी। घर-घर जाकर ग्राम सचिव पात्र लाभार्थी को ढूंढेगें। उन्होंने एक हफ्ते के अंदर विकास खंड स्तर पर जागरूकता बैठक कराने के भी निर्देश दिए। बताया कि आवास के लिए एक लाख 20 हजार की राशि तीन किस्तों में दी जाएगी।

एक नजर

पुस्तकों के प्रकाशन पर कार्यशाला

नोएडा, एजेंसी। एमिटी विश्वविद्यालय में युवा शिक्षकों और वैज्ञानिकों द्वारा शोध और प्रकाशन को प्रोत्साहन देने के लिए स्प्रिंगर नेचर ग्रुप के सहयोग से अकादमिक पुस्तकों के प्रकाशन पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें स्प्रिंगर नेचर की अनुप्रयुक्त विज्ञान और इंजीनियरिंग की संपादकीय निदेशक स्वाति मेहरिशी, एमिटी की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला, एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू सेल्वामूर्ति और एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की उप निदेशक अकादमिक प्रो. (डॉ.) निताशा हस्तीर द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान, उद्योग 5.0 प्रतिमान में स्थिरता के लिए बुद्धिमान आईटी समाधान नाम की पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

एयरलाइंस में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को यहां की सेक्टर-63 थाना पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। सेक्टर-63 थाना के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि राहुल कुमार नाम के व्यक्ति ने पिछले साल रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि योगेश शर्मा और चंदन शर्मा नाम के बदमाशों ने एयरलाइंस में नौकरी लगवाने के नाम पर उससे ठगी की है। सिंह के अनुसार, शिकायत के बाद दोनों के खिलाफ कुछ दिन पहले गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शनिवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कौशल विकास के तीन नए पाठ्यक्रम शुरू

नोएडा, एजेंसी। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान में युवाओं के कौशल विकास से जुड़े तीन नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई है। इसी सत्र से युवा इन पाठ्यक्रमों को चुनकर पढ़ाई कर सकते हैं। शिक्षक दिवस के दिन हुए एक कार्यक्रम के दौरान एनआईओएस की अध्यक्ष प्रो सरोज शर्मा ने तीन नए कौशल आधारित पाठ्यक्रमों की शुरूआत की। इन पाठ्यक्रमों में सामर्थ्य-100 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, ड्रिंकिंग वाटर प्यूरिफायर टेक्नीशियन कोर्स (एनएसक्यूएफ लेवल 3.5), भोटी और बौद्ध दर्शन पाठ्यक्रम हैं। एनआईओएस की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ने बताया कि युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा देना बहुत जरूरी है। कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को रोजगार और व्यवसाय के लिए नए अवसर को बनाएगी। कौशल आधारित शिक्षा देश को समृद्ध करेगी और विकसित भारत की ओर बढ़ने में इस प्रकार के पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बता दें कि एनआईओएस में युवाओं के कौशल विकास से जुड़े 100 से अधिक पाठ्यक्रम पहले से चलाए जा रहे हैं। जिसकी पढ़ाई करके युवा अपने लिए बेहतर करियर के अवसर तलाश सकते हैं।

नोएडा में तेज बारिश से मकान की छत गिरी, सात लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जिले के छोलस गांव में शनिवार को तेज बारिश में एक घर की छत गिरने से सात लोग मलबे में दब गए जिनमें से चार की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि छोलस गांव के सैफ अली के मकान की छत तेज बारिश के कारण शनिवार को गिर गई। उन्होंने बताया कि छत गिरने से सैफ अली (34), शकीला (50), अली खान(दो), सोहन (4), शाहिद (34), शान (8) और तैमूर (3) मलबे में दब गए। उन्हें मलबे से निकालकर अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां पर चार की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर से लाखों की नगदी और जेवरात चोरी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र के हल्दौनी गांव में स्थित एक मकान से नगदी और जेवरात चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर में सोए हुए थे। सुबह होने पर चोरी के बारे में पता चलने पर पुलिस को शिकायत द गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। हल्दौनी गांव में फिरोज परिवार के साथ रहते हैं। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात वह परिवार के साथ घर में सोए हुए थे। इसी बीच रात के समय चोर उनके घर में घुस आए और अलमारी में रखे दो लाख रुपये कैश और सोने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। परिवार के लोग सुबह सो कर उठे तो घर का सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था। इसके बाद चोरी की घटना के बारे में पता चला। पीड़ित फिरोज ने तुरंत फोन कर घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन की, लेकिन चोरों का कोई पता नहीं चला। कोतवाली प्रभारी का कहना है पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

फरीदाबाद में अवैध शराब तस्करी करते दो व्यक्ति काबू, 51 पेटी बरामद

फरीदाबाद, एजेंसी। पुलिस थाना पल्ला और पुलिस चौकी नवीन नगर की टीम ने अवैध शराब के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोहिल उर्फ मानू तथा वीरपाल का नाम शामिल है, जो फरीदाबाद के इस्माईलपुर में रहते हैं। जिन्हें थाने की पुलिस टीम ने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से होंडा सिटी गाड़ी में अवैध शराब ले जाते हुए कच्चा चुंगी रोड से काबू किया था।

आरोपियों के कब्जे से मौके पर 51 पेटी अवैध शराब बरामद की गई। जिसमें 31 पेटी अंग्रेजी तथा 20 पेटी देसी शराब की शामिल थी। आरोपियों के खिलाफ थाना पल्ला में शराब तस्करी करने की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह जयवीर नाम के एक व्यक्ति के लिए काम करते हैं, जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। आरोपियों ने बताया कि वह पास के ठेके से शराब लेकर दिल्ली सप्लाई करते हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि सोहिल और वीरपाल ड्राइवरी का काम करते है। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपियों को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है। वहीं तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। जिसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

खोड़ा में पति ने पत्नी को चाकुओं से गोद कर मार डाला, गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। खोड़ा कालोनी में शुक्रवार की देर रात एक युवक ने पत्नी को चाकुओं से गोद कर मार डाला। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है।एसीपी स्वतन्त्र सिंह ने शनिवार को बताया कि रात में थाना खोड़ा पर सूचना प्राप्त हुई कि खोड़ा गाँव चौकी क्षेत्रान्तर्गत एक महिला पूजा गंगवार को उनके पति लोकेश गंगवार ने चाकू मारकर घायल कर दिया है। सूचना पर तत्काल थाना खोड़ा पुलिस द्वारा मौके पर पहुँचकर देखा गया कि घायल महिला को नोएडा के फोर्टिज होस्पिटल में एडमिट कराया गया था। जहां उनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। आरोपित लोकेश गंगवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। लोकेश गंगवार मूलरूप से बरेली का रहने वाला है। जो खोड़ा कालोनी में अपनी पत्नी के साथ रहता था। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मृतका में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

जगदीप धनखड़ बोले- ऋषि परंपरा के बल पर भारत का बजता है डंका

चित्रकूट। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ चित्रकूट जिले पहुंचे। राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी ने पुष्प गुच्छ भेटकर उनका स्वागत किया। चित्रकूट में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय पहुंचे।जगतगुरु रामभद्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि वे त्रिवेणी हैं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें बड़ा भाई मानती हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके मित्र हैं और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ उनके भाई हैं। वहीं उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ऋषि परंपरा का देश है। यहां पर सप्त ऋषियों की पूजा होती रही है। भारत का इसी परंपरा के बल पर डंका बजता है। चारों तरफ अशांति और व्यक्ति के जीवन में तरह-तरह की कठिनाइयां हैं लेकिन भारत देश में इन सब कठिनाइयों को दूर करने के लिए ऋषि परंपरा ही समाधान है।

बेड पर सो रहे पिता-पुत्र को सांप ने काटा, इलाज के दौरान दोनों की मौत, परिवार में छाया मातम

अलीगढ़ अलीगढ़ में लोधा थाना क्षेत्र के गांव बुलाकगढी में 6 सितंबर देर रात घर के अन्दर कमरे में बेड पर पिता-पुत्र सो रहे थे। पिता-पुत्र को सांप ने काट लिया। परिजन पिता-पुत्र को इलाज के लिए अस्तपाल ले गए, डॉक्टरों ने उसे जेएन मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। वहां पिता-पुत्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। दोनों के मौत से परिवार में मातम छा गया।

बुलाकगढी निवासी 35 वर्षीय नकुल सूर्यवंशी व उनका 12 वर्षीय पुत्र कुनाल के परिजनों ने बताया कि दोनों घर के अन्दर कमरे में बेड पर सो रहे थे। देर रात एक सांप ने दोनों को डंस लिया। सांप से डंसने की जानकारी होने पर परिवार वाले हक्के-बक्के रह गए। वहां पर और ग्रामीण भी आ गए। आनन-फानन परिजन पिता-पुत्र को इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरो ने दोनों को जेएन मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया।

वहां इलाज के दौरान पिता-पुत्र की मौत हो गई। पिता-पुत्र के मौत की खबर सुनकर परिवार में मातम छा गया। सूचना पर लोधा पुलिस पहुंच गयी। पुलिस ने पिता-पुत्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिहार-यूपी सीमा से मादक पदार्थ की तस्करी, चंदौली सांसद ने ढट को पत्र लिखकर की उइक जांच की मांग

वाराणसी चंदौली सांसद वीरेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भेजकर बिहार-यूपी सीमा से मादक पदार्थ की तस्करी की सीबीआई जांच की मांग की है। टैगोर टाउन स्थित कैंप कार्यालय में पत्रकारों से चंदौली सांसद ने कहा कि इस संबंध में पहले भी संसद में सवाल उठाया था। इसके बाद भी अब तक कोई प्रगति नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि मेरा संसदीय क्षेत्र चंदौली की सीमा बिहार से सटी है। बिहार में शराबबंदी के कारण यूपी की सीमा से सड़क और रेल मार्ग के जरिये बड़े पैमाने पर शराब तस्करी हो रही है। इससे कानून व्यवस्था और बड़े पैमाने पर हजारों करोड़ रुपये राजस्व की हानि हो रही है।

सीमा पर कर्मनाशा नदी होने के कारण बालू की तस्करी, शराब, गोवंश की तस्करी लगातार हो रही है। इस कार्य में स्थानीय पुलिस के बड़े अधिकारी और रेलवे पुलिस के बड़े अधिकारी की पूरी मिलीभगत है।

उन्होंने कहा, पिछले दिनों गाजीपुर में ट्रेन के अंदर इन्हीं शराब तस्करी ने दो जवानों की हत्या कर दी थी। जिसकी जांच गाजीपुर पुलिस कर रही है। सूत्रों से पता चला है कि विवेचना ठीक तरीके से नहीं की जा रही है। आरपीएफ के कमांडेंट स्तर के अधिकारियों को बचाया जा रहा है। सही अपराधी बेनकाब नहीं हो पाएंगे। इस घटना की जांच कर सीमा से हो रही शराब तस्करी की सीबीआई जांच कराई जाए। इस संबंध में आदेश जारी करें ताकि राजस्व विभाग की चोरी भी रोकी जा सके।

विजिलेंस विभाग में तैनात चालक और सिपाही को पीटा, गाड़ी में बैठाकर थाने ले गए BJP नेता और समर्थक

चंदौली बिजली उपभोक्ताओं से वसूली का आरोप लगाकर भाजपा नेता और उनके समर्थकों सहित नाराज उपभोक्ताओं ने अलीनगर में विजिलेंस विभाग में संविदा पर नियुक्त ड्राइवर और सिपाही की पिटाई कर दी। चालक और सिपाही को गाड़ी में बैठाकर अलीनगर थाने ले आए। यहां देर शाम तक पुलिस और विजलेंस विभाग के अधिकारियों के बीच पंचायत चलती रही।

आरोप है कि विजिलेंस विभाग की टीम ने गुरुवार को सैदपुरा गांव में छापा मारी थी। इस दौरान कई लोग बिजली की चोरी करते पकड़े गए। आरोप है कि अलीनगर स्थित विजिलेंस कार्यालय में संविदा पर तैनात चालक उपभोक्ताओं से संपर्क कर सेटलमेंट के नाम पर पैसे की मांग कर रहा था। कुछ लोगों ने उसे पैसे दे भी दिए। बीजेपी कार्यकर्ता मदन चौहान से भी चालक ने 30 हजार की मांग की। मदन ने भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी को यह बात बताई। सूर्यमुनी तिवारी समर्थकों के साथ विजिलेंस कार्यालय पहुंच गए। यहां विवाद शुरू होने पर समर्थकों ने आरोपी कर्मचारी की पिटाई शुरू कर दी।

वहीं वर्दी में मौजूद विजिलेंस के सिपाही और आरोपी चालक को पकड़कर थाने ले जाने लगे। दोनों तैयार नहीं हुए तो मारपीट कर सूर्यमुनी तिवारी की गाड़ी में बैठाया और दोनों को लेकर अलीनगर थाना पहुंचे। विजलेंस के सिपाही और चालक की पिटाई से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर बिजली विभाग के उच्चाधिकारी पहुंच गए।

क्या बोले भाजपा नेता

इस संबंध में भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी ने बताया कि विजिलेंस विभाग के कर्मचारी अवैध वसूली कर रहे थे। कार्यकताओं की शिकायत पर मौके पर पहुंचा। लोग नाराज थे और मारपीट की नौबत आ गई। दोनों कर्मचारियों को बचाकर थाने ले गया। इस संबंध में सीओ पीडीडीयू नगर आशुतोष कुमार ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

लाशें इतनी कि आंसू पड़ गए कम, कब्रें खोदने के लिए मंगानी पड़ी जेसीबी, चीखों के बीच हुए सुपुर्द-ए-खाक

आगरा। एक हादसे ने पांच परिवारों को उजाड़ दिया। मौत ऐसे आई, कि लोगों के दिल दहल गए। हाथरस में दो महीने में दूसरे हादसे ने लाशों के ढेर लगा दिए। इससे पहले बीती दो जुलाई को भोले बाबा के सत्संग के समापन पर हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई थी। अब छह सितंबर को जनरथ बस ने पिकअप वाहन में टक्कर मार दी।

पिकअप में 35 लोग सवार थे। इसमें 16 की मौत हो गई। इनमें 12 एक ही परिवार के थे। पांच भाइयों का परिवार एक झटके में काल के गाल में समा गया। लाशें देख परिवार व गांव के लोग चीत्कार उठे। रोने के लिए आंसू कम पड़ गए। रोते-रोते आंखें पथरा गईं। कब्रें खोदने के लिए जेसीबी मंगानी पड़ी। चीख पुकार के बीच शनिवार यानि आज दोपहर को सभी शवों का सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

आगरा के खंदौली थाना क्षेत्र के सैमरा गांव निवासी बेदरिया की बेटी की दादी सास को मौत हो गई थी। उनकी चालीसा का कार्यक्रम था। घर व रिश्तेदारी के लोग हाथरस जिले के असगरी सासनी के गांव मुकुंदखेड़ा जा रहे थे। रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। खबर मिली तो गांव की तेली बस्ती में चीख-पुकार मच गई। जिसे भी दुर्घटना के बारे में मालूम पड़ा, वह बेदरिया के मकान की तरफ दौड़ पड़ा। हादसे में बेदरिया, लतीफ, मुन्ना, चुन्नासी और शान मोहम्मद के परिवार के सदस्यों की मौत हुई है। इसमें मासूम बच्चे भी शामिल हैं। देर रात तक प्रशासन और पुलिस विभाग के लोग हाथरस से शव एंबुलेंस से लाने में लगे रहे। रात के सन्नाटे में बेदरिया के मकान वाली गली में सिर्फ महिला, पुरुष और बच्चों के चीखने की आवाजें सुनाई देतीं रही। हर किसी की जुबान पर इसी घटना की चर्चा रही। बस्ती में शव लाने से पहले पुलिसकर्मियों को स्थान खोजने की कवायद करनी पड़ी। यहां 16 शव आने थे। बस्ती में पहले पंचायत घर की जमीन को देखा गया। इसके बाद बस्ती के स्कूल पर शव एकत्रित करने का निर्णय लिया गया।

पुलिस ने स्कूल के अंदर शव रखवाने का प्रयास किया, लेकिन गेट का ताला नहीं खुला। इस वजह से स्कूल परिसर के बाहर तंबू लगाकर शव रखे गए। एक दर्जन से अधिक शव एक साथ कब्रिस्तान तक ले जाना भी प्रशासन के सामने चुनौती बना रहा। इसके लिए पहले से कब्रिस्तान में तैयारी की गई। लोगों की हिम्मत नहीं हो पा रह थी कि कब्रें खोद सकें। हाथ कांप रहे थे। इस पर जेसीबी मंगाकर कब्रें तैयार कराई गईं।

मृतक परिवार के सदस्य सोनू ने बताया कि पहली बार कब्रिस्तान में एक साथ इतने शव दफनाए गए। इससे पहले कभी भी इतने शव एक साथ कब्रिस्तान नहीं ले जाए गए। अंतिम संस्कार होने तक क्षेत्रभर के लोग गांव में जमा रहे। सभी की आखें गीली दिखीं। अब इसे लापरवाही कहें या फिर मजबूरी कहना मुश्किल है। लेकिन इस तरह के हादसों से सबक लेने की जरूरत है। आप सभी लोग ट्रैक्टर और मालमवाहक गाड़ियों में सफर करने से बचें।

डेढ़ करोड़ की डकैती: मास्टरमाइंड गैंगस्टर के चेहरे पर दिखा खौफ

सुल्तानपुर सराफा डकैती कांड के मास्टरमाइंड गैंगस्टर विपिन सिंह ने शनिवार को सीजेएम कोर्ट में पेश होने के बाद आशंका जताई कि पुलिस उसका एनकाउंटर कर सकती है। विपिन के अधिवक्ता संजय सिंह ने कहा कि पुलिस कस्टडी रिमांड के दौरान राजपत्रित अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही वीडियोग्राफी कराई जाए। वह जब कोर्ट से बाहर निकल रहा था तो मीडिया से बातचीत में उसने बयान दिया। 28 अगस्त को शहर के ठठेरीबाजार में सराफ भरत जी सोनी की दुकान में लगभग डेढ़ करोड़ की डकैती पड़ी थी। उसके ठीक बाद अमेठी के भवानीपुर थाना मोहनगंज का रहने वाला गैंगस्टर विपिन सिंह 29 अगस्त को रायबरेली कोर्ट में एक पुराने केस मे जमानत उठाकर जेल चला गया था। पुलिस को वारदात के पहले दिन से ही विपिन पर संदेह था।

तीन सितंबर को पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद इस वारदात में शामिल सभी बदमाशों के नाम पुलिस को मिल गए, जिसके बाद ये शक यकीन में बदल गया कि विपिन ही डकैती का मास्टरमाइंड था। उसी ने रेकी की थी और वारदात के बाद डकैतों को सुरक्षित शहर से बाहर निकालने में मदद की थी।

पुलिस कस्टडी रिमांड के लिए शनिवार को उसे सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। विवेचक ने कोर्ट में विपिन की सात दिन की रिमांड का आग्रह किया। इस पर अभी फैसला सुरक्षित रखा गया है। पुलिस को विपिन की रिमांड मिलती है तो उसे सोना बरामदगी के लिए सूरत ले जाया जाएगा। कोर्ट से निकलने के बाद विपिन ने पुलिस से एनकाउंटर की आशंका जताई है। हालांकि, इस पर पुलिस अधिकारी कुछ नहीं बोल रहे हैं।

भाजपा नेता की करतूत: पड़ोसी को फंसाने के पीठ पर करवाया घाव, उस पर रखवाई तमंचे की गोली

चंदौसी (संभल) चंदौसी के मोहल्ला लोधियान निवासी भाजपा नेता प्रेमपाल सिंह ने जमीनी विवाद में पड़ोसी को फंसाने के लिए खुद पर जानलेवा हमले की साजिश दोस्त के साथ मिली रची थी। आरोपी ने निजी अस्पताल के कंपाउंडर से पीठ में घाव कराकर तमंचे की गोली रखवाई और केस दर्ज कराकर तीन लोगों को जेल भिजवा दिया था। अब कॉल डिटेल और विवेचना में घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने साजिश रचने वाले भाजपा नेता और उसके तीन सहयोगियों जेल भेज दिया है। घटना का खुलासा करते हुए सीओ डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि 27 जुलाई को चंदौसी के लोधियान मोहल्ला निवासी भाजपा नेता प्रेमपाल ने पड़ोस के रहने वाले दो सगे भाई समेत तीन के खिलाफ गोली मारने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जिसमें भाजपा नेता ने बयां किया था कि वह 27 जुलाई की रात दस बजे करीब बहजोई से व्यापार मंडल की बैठक में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहा था। नेहटा-पतरौआ मार्ग पर सैनिक चौराहे पर दिलीप, हेमंत और श्यामलाल ने रास्ता रोककर गोली मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी प्रेमपाल, आमिर, शराफत और राहुल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि पांचवां आरोपी जयवीर फरार है।

कंपाउंडर से घाव करवाकर रखवाई थी गोली...प्रेमपाल ने शहर के संजीवनी अस्पताल में काम करने वाले कंपाउंडर आमिर से संपर्क कर उसे गांव कैथल बुलाया। योजनाबद्ध तरीके से शराफत, जयवीर और राहुल की मदद से आमिर ने प्रेमपाल की पीठ में घाव किया। इसके बाद घाव के अंदर गोली रख दी। रात दस बजे करीब पतरौआ रोड पर सैनिक चौराहे पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। जमीनी विवाद में भाजपा नेता ने दूसरे पक्ष को फंसाने के लिए झूठी कहानी रची थी। चारों अभियुक्तों को झूठे साक्ष्य गढ़ने के आरोप में जेल भेज दिया गया। एक आरोपी फरार है।

पुलिस के सामने पति ने पत्नी के प्रेमी पर किया फायर, गोली महिला को लगी

अलीगढ़ अलीगढ़ में थाना क्वार्सी अंतर्ग होली चौक इलाके में एक पीड़ित ने अपनी प्रेमिका के अपहरण की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पीआरवी द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच पड़ताल शुरू की गई। घर के मुख्य दरवाजे पर बाहर खड़े होकर पीआरवी महिला से पूछताछ कर रही थी। उसी वक्त दरवाजे के पीछे छिपे महिला के पति ने महिला व उसके प्रेमी को मारने के नीयत से एक फायर किया। पीआरवी ने प्रेमी को किसी तरह गोली लगने से बचाया, पर गोली महिला के लग गई। महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। हमलावर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार होली चौक में 7 सितंबर को चार महीने से प्रेमी के साथ लिविंग रिलेशनशिप में रह रही महिला की पति ने पुलिस के सामने गोली मारकर हत्या कर दी। नेमपाल का विवाह बीना देवी के साथ 17 वर्ष पूर्व हुआ था। दोनों पर एक बेटा भी है। पिछले चार माह से बीना देवी अपने प्रेमी सत्येंद्र चौधरी निवासी दूधमा कोतवाली अतरौली के साथ नोएडा में लिविंग रिलेशनशिप में रह रही थी। 6 सितंबर शाम ही बीना अपने प्रेमी सतेंद्र चौधरी के साथ अलीगढ़ आई थी।

7 सितंबर को नेमपाल सिंह को जब बीना के अलीगढ़ आने की जानकारी हुई । उसने बेटे की बीमारी का बहाना लगाकर बीना को अपने घर बुला लिया। काफी देर तक जब बीना वापस नहीं लौटी। तो बीना के प्रेमी सतेंद्र ने पुलिस कंट्रोल रूम डायल 112 पर अपहरण की सूचना दी। सूचना पर पीआरवी की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और प्रेमी के साथ नेमपाल के घर का दरवाजा खुलवाया। दरवाजा खुलने पर पुलिस बीना से घटना के संबंध में जानकारी कर रही थी। नेमपाल दरवाजे के पीछे छुपा हुआ था। पुलिस द्वारा जानकारी करने पर बीना ने प्रेमी के साथ रहने की बात कही, तो छुपकर दरवाजे के पीछे खड़े नेमपाल ने तमंचे से प्रेमी सतेंद्र पर फायर कर दिया। पुलिस टीम ने अपने को बचाते हुए बीना के प्रेमी सतेंद्र को बचा लिया । इस दौरान गोली बीना के सिर में पीछे से लग गई और वह लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गई। बाद में उसकी मौत हो गई।

सीओ नगर तृतीय अमृत जैन ने बताया कि एक पीड़ित ने अपनी प्रेमिका के किडनैपिंग की जानकारी दी। पुलिस पीड़ित के साथ पूछताछ के लिए गई। घर के बाहर पीआरवी महिला से पूछताछ कर रही थी, तभी आरोपी ने पीड़ित और महिला को निशाना बनाते हुए गोली चला दी। पीआरवी ने पीड़ित को तो बचा लिया, पर गोली महिला को जा लगी। महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी हमलावर को गिरफ्तार कर लिया।

काशी में भी होगी मखाने की खेती: दरभंगा से आएगा बीज

वाराणसी वाराणसी जिले के किसान अब मखाने की फसल भी तैयार करेंगे। पहली बार इसकी खेती करवाने की तैयारी है। इसके लिए किसानों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद उनको 10 हेक्टेयर में खेती करवाने के लिए बीज दिया जाएगा।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत दूसरे प्रांतों में होने वाली फसलों को भी यहां उगाया जा रहा है। पिछले साल बरसाती प्याज, स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू हुई थी। इस बार मखाने व पान की खेती शुरू कराई जा रही है। जिला उद्यान अधिकारी सुभाष कुमार ने बताया कि पहली बार 10 हेक्टेयर में मखाने की बुआई कराई जाएगी। जिन किसानों के पास तालाब है, वे इसको लगा सकते हैं। पंजीकरण शुरू हो गया है। अभी 10 किसानों ने पंजीकरण कराया है।

उन्होंने बताया कि अक्तूबर में ट्रेनिंग दी जाएगी। मखाना अनुसंधान संस्थान (दरभंगा, बिहार) से बीज मंगाया जाएगा। एक हेक्टेयर में 80 किलो से एक क्विंटल बीज और 80 हजार रुपये की लागत लगेगी। इसमें से 50 फीसदी अनुदान दिया जाएगा।

पहली बार शुरू हुई पान की भी खेती...दुनिया में मशहूर बनारसी पान को भी बढ़ाया जा रहा है। सुभाष कुमार ने बताया कि शासन ने पहली बार पान की खेती के लिए लक्ष्य दिया है। इसके तहत आठ किसानों ने पान की खेती की है। शासन स्तर पर जिले में सिंघाड़े की भी खेती शुरू कराई जाएगी। दोनों में 50 फीसदी अनुदान दिया जाता है।

क्या कहते हैं अधिकारी...किसानों की आय बढ़ाने के लिए दूसरे प्रांतों व जिलों में होने वाले खेती भी कराई जा रही है। इसके लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। ताकि वह मखाने, पान व स्ट्रॉबेरी आदि की खेती करें।

बड़ी कार्रवाई : नकली नोट छापने वाले मदरसे पर चलेगा बुलडोजर, पीडीए ने प्रबंधक को थमाया नोटिस

प्रयागराज। अतरसुइया स्थित जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम मदरसा में नकली नोट छपने का भंडाफोड़ होने के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने एक बार फिर शिकंजा कसा है। शुक्रवार को पीडीए ने मदरसे के गेट पर नोटिस चस्पा कर प्रबंधक से पूछा कि क्यों न मदरसे को गिराने का आदेश दिया जाए। इसका जवाब देने के लिए 18 सितंबर सुबह 11 बजे तक समय दिया गया है। बीते 28 अगस्त को सिविल लाइंस थाना पुलिस ने नकली नोट छापने के मामले में उक्त मदरसे के मौलवी तफसीरूल समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच में यहां पर विवादास्पद किताब बरामद हुई थी। इसके बाद पीडीए ने भी मदरसे पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। शुक्रवार को मदरसे के गेट पर चस्पा नोटिस में कहा गया है कि लगभग तीन हजार वर्ग मीटर के कंपाउंड के भूतल प्रथल तल पर मदरसा एवं कमरों का निर्माण किया गया है। अतएव आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि पीडीए कार्यालय में 18 सितंबर सुबह 11 बजे तक यह बताएं कि निर्माण कंस्ट्रक्शन गिरा देने का आदेश क्यों न दिया जाए।

दो दिन पहले मदरसे को किया था सील... अधिनियम की धारा 14 के तहत पीडीए के अनुमति के बिना निर्माण करने के लिए 50 हजार रुपये तक अर्थदंड के भागी हो सकते हैं। ऐसा अपराध करने की दशा में दोष सिद्ध होने पर 2500 रुपये तक प्रत्येक दिन के लिए अतिरिक्त जुमार्ना हो सकता है। बता दें कि बीते बुधवार को पीडीए की टीम ने निर्माण अनाधिकृत होने का दावा कर मदरसे को सील कर दिया था। साथ ही चस्पा नोटिस में कहा था कि जबरन प्रवेश करने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जंगल से अचानक गांव में पहुंचा सियार हुआ हमलावर

मिजार्पुर मिजार्पुर जिले के हलिया थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव में शुक्रवार की रात में जंगल से भटकर बस्ती में पहुंचे जंगली सियार ने घर में घुसकर सात लोगों को काटकर घायल कर दिया। शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने लाठी डंडे से पीटकर किसी तरह भगाया। वहीं घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए। जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा घायलों को एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया गया। ग्राम प्रधान की सूचना पर मौके पर पहुंचे वन क्षेत्राधिकारी ने मामले की जांच पड़ताल की।

यह है मामला...हलिया थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव निवासी अर्पित (13), नंदकुमार (36), गोलू (12), बंदना (10), लालता (40), निरंजन (25), अंजू (08) घर में बैठी थी। इसी दौरान जंगल की तरफ से भटक कर बस्ती में पहुंचे जंगली सियार ने हमला कर दिया। जिससे सभी सात लोग घायल हो गए। लोगों के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने लाठी डंडे से सियार को भगाया और घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया। जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने घायलों को एंटी रैबीज इंजेक्शन देते हुए उपचार किया।

भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना फूलपुर विधानसभा का उपचुनाव, सीएम योगी ने संभाली कमान

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा सीट का उपचुनाव भाजपा के लिए बड़ी चुनौती से कम नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस विधानसभा सीट पर भाजपा से बढ़त लेनी वाली सपा उपचुनाव में भी कड़ी टक्कर देती दिखाई दे रही है।

भारतीय जनता पार्टी के लिए इस विधानसभा का उपचुनाव किसी लिटमस टेस्ट से कम नहीं है। इसी वजह से पार्टी ने जहां पिछले दिनों ही डिप्टी सीएम केशव को इस सीट का प्रभारी बना दिया तो वहीं अब सीएम योगी ने भी ड्राइविंग सीट संभाल ली है। क्योंकि यह चुनाव 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। प्रदेश में अभी तक उपचुनावों की तिथि का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन सभी पार्टियां जीत के लिए जोर लगाना शुरू कर चुकी हैं। भाजपा अयोध्या की मिल्कीपुर और फूलपुर विधानसभा सीट किसी भी कीमत पर जीतना चाह रही है। बुधवार को सीएम योगी इफको परिसर फूलपुर पहुंचे तो उन्होंने तमाम सरकारी योजनाओं का लाभ देने के साथ ही अपने आक्रामक अंदाज में चुनावी माहौल बनाने का पूरा प्रयास भी किया। वहीं, इंडी गठबंधन भी लोकसभा चुनाव की जीत को उपचुनावों में भी कायम रखने का दम भर रहा है। लोकसभा का चुनाव भले ही प्रवीण पटेल मामूली अंतर से चुनाव जीत गए हो लेकिन वह अपनी विधानसभा सीट पर बुरी तरह से हारे। यहां भाजपा को 89650 तो सपा प्रत्याशी को 107510 मत मिले। यानी इस सीट से सपा ने 17860 की लीड ली थी। अगर लोकसभा वाला परिणाम आया तो भाजपा के हाथ से यह सीट फिसल जाएगी। पिछले दो विधानसभा चुनाव से भाजपा यहां से चुनाव जीत रही है, जबकि उसके पूर्व 2012 में सपा तो 2007 में बसपा चुनाव जीती थी।

फूलपुर के 10647 युवाओं को दिए टैबलेट और स्मार्ट फोन...युवाओं को अपने पाले में करने के लिए भाजपा यहां पूरी तन्मयता से जुटी है। बुधवार को इफको परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सरकार ने टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण के लिए सर्वाधिक युवा इसी विधानसभा के चुने। 15448 में से इस विधानसभा के 10647 लाभार्थी रहे। इतना ही नहीं, जिले में जिन 407 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ उसमें 146 योजनाएं सिर्फ फूलपुर विधानसभा की ही रहीं।

2022 में भी भाजपा प्रत्याशी की जीत की मार्जिन कम थी...2022 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा महज 2700 वोट से ही चुनाव जीत सकी थी। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में जब केशरी देवी पटेल को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया था तो उन्होंने 110137 वोट हासिल किए, जबकि सपा प्रत्याशी 99553 मत ही हासिल कर सके थे।

निर्णायक साबित होते हैं कुर्मी वोटर...फूलपुर विधानसभा सीट पर कुर्मी वोटर ही निर्णायक साबित होते हैं। इस बार भी भाजपा यहां से किसी कुर्मी प्रत्याशी को मैदान में उतार सकती है। 2022 एवं 2017 से भाजपा के टिकट पर प्रवीण पटेल निर्वाचित हुए, जबकि 2012 के चुनाव में सपा के सईद अहमद ने चुनाव जीता था। 2007 के चुनाव की बात करें तो तब प्रवीण पटेल बसपा के टिकट पर यहां से चुनाव जीते थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री अशोक बाजपेयी कहते हैं कि फूलपुर विधानसभा का उपचुनाव काफी अहम है। पार्टी सोच समझकर ही इस सीट से अपना उम्मीदवार फाइनल करेगी। यह बात सही है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कुर्मी वोटरों में कुछ बिखराव दिखा।

नीतीश कुमार बिहार की राजनीति के चाणक्य

लालू जैसे धुरंधर कई बार हुए फेल-बीजेपी भी मानती है लोहा

दीपक कुमार तिवारी

पटना। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से जेडीयू के समर्थन से चल रही केंद्र सरकार ने इनकार कर दिया तो सीएम नीतीश कुमार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। आरजेडी समेत इंडिया ब्लाक के लोगों ने जरूर तंज कसे थे। नीतीश कुमार को उकसाने की कोशिश भी हुई। विपक्षी नेताओं ने ऐसा इसलिए किया कि शायद इससे बिदक कर नीतीश केंद्र सरकार से अलग हो जाएं। ऐसा हुआ तो उन्हें इंडिया ब्लाक अपने पाले में ला सकता है। इसकी कोशिशें तब भी विपक्ष ने की थी, जब भाजपा को को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला था। नीतीश कुमार के सलाहकार और तब प्रवक्ता की भूमिका में रहे केसी त्यागी ने कहा भी था कि विपक्षी गठबंधन ने नीतीश कुमार को साथ आने पर पीएम पद का भी ऑफर दिया था। इसलिए जब भी ऐसा की मौका विपक्ष को मिलता है, नीतीश के लिए उसके नेताओं की लार टपकने लगती है। केंद्रीय बजट में जब बिहार को बड़ी हिस्सेदारी मिली तब नीतीश कुमार ने कहा था कि धीरे-धीरे सब मिलेगा। उनके ह्यसबह्य शब्द को तब शायद ही कोई समझ पाया। आज हम यही बताने की कोशिश करेंगे कि नीतीश के ह्यसब मिलेगाह्य का क्या मतलब था। नीतीश कुमार को लगातार मॉनिटर करने वाले लोग जानते हैं कि उनके मन में अगर कोई बात होती है तो वे जल्दी कहते नहीं। समय पर इसका इजहार करते हैं। याद होगा, नीतीश जब महागठबंधन के साथ सरकार चला रहे थे तो आरजेडी के नेता रोज नीतीश के खिलाफ बयान देने या तंज कसने से बाज नहीं आते थे। तत्कालीन विधायक सुधाकर सिंह और एमएलसी सुनील सिंह ने तो अभियान ही छेड़ दिया था। नीतीश खामोश रहे। अचानक वे चैती छठ का प्रसाद खाने अपने करीबी लोगों के साथ भाजपा एमएलसी संजय मयूख के घर पहुंच गए। मोतिहारी में सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में भाजपा नेताओं से अपने संबंधों का हवाला दिया। उनके आग्रह पर मोतिहारी में सेंट्रल यूनिवर्सिटी की मंजूरी देने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति उन्होंने आभार भी जताया था। उनके इन संकेतों से आरजेडी नेताओं के होश फाख्ता हो गए। तेजस्वी यादव को खुद विधानसभा में कहना पड़ा कि वे नीतीश जी के नेतृत्व में काम करते हुए खुश हैं। वे जहां हैं, उससे ही संतुष्ट हैं। यानी हड़का कर नीतीश ने आरजेडी को काबू में कर लिया।

पिछले विधानसभा चुनाव में जब नीतीश कुमार की पार्टी के 43 विधायक ही चुन कर आए। भाजपा को जेडीयू से तकरीबन दोगुनी सीटें मिली थीं। नीतीश ने सीएम बनने से शुरू में इनकार कर दिया। भाजपा ने उन्हें समझा-मना कर सीएम तो बना दिया, लेकिन उनकी आलोचना भी भाजपा विधायकों ने जारी रखी। कई मुद्दों पर भाजपा नेता उन्हें कठघरे में खड़ा करते रहे। नीतीश को तो पहले से ही इस बात का गुस्सा था कि भाजपा की शह पर चिराग पासवान ने उनके उम्मीदवारों के खिलाफ अपने कैंडिडेट खड़े कर दिए थे, जिससे उनको यह सब देखने की नौबत आई थी। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ये कह कर स्थिति और बिगाड़ दी कि क्षेत्रीय दलों का युग समाप्त हो रहा है। नीतीश कड़वी घूंट पीते रहे और एक दिन महागठबंधन के साथ जाने का निर्णय ले लिया। भाजपा के लोग ताकते रह गए।

महागठबंधन में रहते नीतीश ने विपक्षी एकता का कांसेप्ट बनाया। घूम-घूम कर विपक्षी नेताओं से मिले और उन्हें एक प्लेटफार्म पर जुटाया। जब उन्हें लगा कि इसमें उनकी कोई बात मानी ही नहीं जा रही और जन्मदाता को ही किनारे किया जाने लगा तो उन्होंने इसके बावजूद भाजपा के साथ जाना पसंद किया कि मर जाएंगे, लेकिन बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। भाजपा को भी नीतीश की ताकत का तब तक एहसास हो चुका था। इसलिए भाजपा ने भी इसके बावजूद कि नीतीश के लिए सारे खिड़की-दरवाजे बंद हो चुके हैं, उन्हें साथ लेने में तनिक भर देर नहीं की। नीतीश कुमार इस बार भाजपा के लिए इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि उनके सांसदों के सहारे ही केंद्र सरकार चल रही है। विपक्ष के तमाम प्रलोभनों को दरकिनार कर नीतीश कुमार भाजपा के साथ डटे हैं। जेडीयू कोटे केंद्रीय मंत्रियों के जो भी पद नरेंद्र मोदी ने दिए, नीतीश ने जुबान नहीं खोली। मंत्रियों को कम महत्व के विभाग मिले, तब भी नीतीश चुप रहे। स्पीकर-डेप्युटी स्पीकर के चुनाव में भी उन्होंने कोई अड़ंगा नहीं डाला। यहां तक कि एनडीए में महत्वपूर्ण पार्टनर होने के बावजूद नीतीश ने राज्यसभा की दोनों सीटें भाजपा के डिस्पोजल पर छोड़ दीं। नीतीश के तमाम त्याग के पीछे उनका एक ही मकसद रहा है कि बिहार में भाजपा कोई अड़ंगा नहीं डाले। दरअसल नीतीश 2010 की स्थिति में लौटना चाहते हैं। वर्ष 2010 में हुए विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 141 सीटों पर लड़ कर 115 सीटें जीती थीं। भाजपा ने 102 पर लड़ कर 91 सीटें निकाली थीं। खबरें यह आ रही हैं कि इस बार नीतीश 130 से 140 सीटों पर लड़ना चाहते हैं। यानी 243 में 103 से 113 सीटें ही वे भाजपा और एनडीए के अन्य सहयोगी दलों के लिए छोड़ना चाहते हैं। नीतीश ने अगर केंद्र में भाजपा की राह में कोई रोड़ा अब तक नहीं लटकाया है तो वे बिहार अपने लिए बेखटका चाहते हैं। महागठबंधन भी नीतीश ने अगर छोड़ा था तो इसकी वजह लोकसभा में कम सीटें मिलने की आशंका ही थी।

युक्तिकरण बाद अब मतदान केंद्रों की संख्या 3628 हो गई : डीएम

जनप्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी ने की मतदान केंद्रों के युक्तिकरण से संबंधित बैठक

संवाददाता

मोतिहारी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में सांसद गण के प्रतिनिधि, विधायक गण एवं राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ आज समाहरणालय स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण से संबंधित बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्रों के युक्तिकरण से संबंधित प्रारूप का प्रकाशन कर दिया गया है। इस पर 7 सितंबर से 17 सितंबर तक दावा आपत्ति की जा सकेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला में पूर्व अनुमोदित मतदान केंद्रों की संख्या 3496 थी। युक्तिकरण के बाद अब मतदान केंद्रों की कुल संख्या 3628 हो गई है। युक्तिकरण के दौरान कुल 132 नए मतदान केंद्र की संख्या बढ़ी है।युक्तिकरण के समय सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के द्वारा मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के आलोक में मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन किया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधि गण को बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार 1400 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों को चिन्हित करते हुए अलग मतदान केंद्र बनाने का निर्णय लिया है, जो उसी भवन में स्थित है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रकाशित प्रारूप में अगर किसी को आपत्ति है तो वह आज से लेकर 17 सितंबर तक दावा आपत्ति दे सकता है। दावा आपत्ति निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के कार्यालय में अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर के बाद दवा आपत्ति का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सदस्य गण के द्वारा जो भी मांग रखी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि इसके संबंध में लिखित आवेदन दे दिया जाए। ताकि उस पर कार्रवाई की जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि स्वयं स्थल भ्रमण कर मतदान केंद्रों से संबंधित प्रस्ताव भेजेंगे। बैठक में जिलाधिकारी के साथ विधायक प्रमोद कुमार, श्याम बाबू प्रसाद यादव, मनोज कुमार यादव, सुनील मणि तिवारी उपस्थित थे।

लालू-तेजस्वी पर 13 सितंबर पड़ सकता है भारी

नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में ताजा अपडेट

संवाददाता

पटना। दिल्ली की एक अदालत पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाले में पूरक आरोपपत्र पर 13 सितंबर को संज्ञान ले सकती है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने शनिवार को मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए तय कर दी। उन्होंने कहा कि इस मामले में ईडी से कोई और स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है।

ईडी ने छह अगस्त को अदालत के समक्ष अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी से उपजा है। जांच एजेंसी के अनुसार, यह मामला 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में लालू के कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में रेलवे के पश्चिम-मध्य जोन में ग्रुप-डी में हुई भर्तियों से जुड़ा है। आरोप है कि रेलवे में भर्ती होने वाले लोगों ने नौकरी के बदले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख के परिवार के सदस्यों और सहयोगियों को उपहार स्वरूप जमीन दी थी।

एजेंसी ने मामला 18 मई, 2022 को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी, दो बेटियों और अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों सहित 15 अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज किया था। ध्यान रहे कि इन दिनों तेजस्वी यादव लगातार बिहार सरकार पर हमलावर हैं। बिहार में कानून-व्यवस्था के मामले को लेकर लगातार एक्स पर पोस्ट कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर लालू यादव ने हाल में बाबू जगदेव प्रसाद की जयंती के दौरान मीडिया से बातचीत में बोल बैठे कि वो आरएसएस और बीजेपी का कान पकड़कर जाति जनगणना करवाएंगे।

दानापुर बिहटा एलिवेटेड कॉरिडोर और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माण को लेकर एक्शन में नीतीश सरकार

संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी, डॉ. चंद्रशेखर सिंह, ने शनिवार को बिहटा में बन रहे नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक आने-जाने के लिए बनाए जा रहे दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड और कन्हौली में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय बस अड्डे का जायजा लिया। उनके साथ पटना जिला प्रशासन, स्थानीय अधिकारी और ठल्लुअक के अधिकारी भी थे। डीएम ने सबसे पहले दानापुर से बिहटा एयरफोर्स स्टेशन तक बन रहे एलिवेटेड रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सड़क के किनारे से अतिक्रमण हटाने और जमीन अधिग्रहण के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

इसके बाद डीएम ने कन्हौली गांव का दौरा किया जहां लगभग 100 एकड़ जमीन पर अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा बनना प्रस्तावित है। यह जमीन कन्हौली और पैनाठी मौजा से ली जानी है। डीएम ने बताया कि जमीन अधिग्रहण का काम इस तरह से किया जा रहा है कि कम से कम मकान और दुकानें टूटे और लोगों को कम से कम नुकसान हो। अपने दौरे के बाद, डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि बिहटा में बन रहे

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक आने-जाने के लिए दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड बनाया जा रहा है। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया की समीक्षा के लिए आज स्थल निरीक्षण किया गया। सड़क के किनारे बने कई मकान और दुकानें अतिक्रमण की जद में आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अतिक्रमण हटाकर जल्द से जल्द कब्जा लिया जाए। परियोजना में आ रही अन्य सभी बाधाओं को भी जल्द से जल्द दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। कन्हौली में बस अड्डे के लिए लगभग 100 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस प्रक्रिया में कम से कम मकान और दुकानें प्रभावित हों ताकि लोगों को कम से कम परेशानी हो। यह परियोजना बिहार के विकास के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे न केवल हवाई अड्डे तक आवागमन सुगम होगा बल्कि बिहटा और आसपास के इलाकों का भी विकास होगा।

यूक्रेन के सॉफ्टवेयर से बदल देते थे मोबाइल का IMEI नंबर

ट्रिक जानकर फटी रह गई पुलिस की आंखें

संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में पुलिस इन दिनों ऑपरेशन मुस्कान चला रही है। इस ऑपरेशन के तहत पुलिस लोगों के गुम हुए मोबाइल को खोज लेने के बाद उन्हें बुलाती है। कार्यालय में लोगों को उनके मोबाइल सौंपती है। पुलिस के इस ऑपरेशन की लोगों ने काफी तारीफ की थी।

पूर्व डीजीपी आरएस भट्टी के आने के बाद ये ऑपरेशन काफी युद्ध स्तर पर चलाया गया। बिहार के हजारों लोगों के गुम हुए मोबाइल उन्हें लौटाए गए। लेकिन मुजफ्फरपुर पुलिस को इस कड़ी में एक ऐसी बात पता चली है, जिसके बारे में जानकर पुलिस हैरान है। पुलिस ने सोचा भी नहीं था कि शातिर चोरी हुए मोबाइल के साथ इतना बड़ा खेल कर सकते हैं।

आइए समझते हैं, पूरा माजरा क्या है। मुजफ्फरपुर के सिटी एसपी अवधेश दीक्षित के मुताबिक ऑपरेशन मुस्कान के दौरान उन्हें गुम हुए मोबाइल मिले। इस दौरान पुलिस को पता चला कि सरैयागंज टावर के निकट स्थित मोबाइल क्लीनिक दुकान में चोरी की मोबाइल का आईएमईआई नंबर बदलकर उसे बाजार में बेचा जा रहा है। एसपी ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के दौरान कुछ ऐसे मोबाइल मिले जिनका आईएमईआई नंबर बिल्कुल सेम था।

इस तरह के 6 मोबाइल पुलिस ने बरामद किए। पूछताछ के दौरान मोबाइल दुकानदार ओम उर्फ चिरंजीवी ने स्वीकार किया कि उसने अब तक अस्सी मोबाइल नंबरों का आईएमईआई नंबर बदला है। सिटी एसपी ने बताया कि यह आईपीसी की धारा के तहत कानूनन अपराध है, क्योंकि ऐसा करने के बाद चोरी अथवा छीनी गई मोबाइल के संबंध में किसी तरह की जानकारी हासिल करना मुश्किल हो जाता है।

दुकानदार से हासिल जानकारी के अनुसार पेंडोरा नामक यह सॉफ्टवेयर मूलतः यूक्रेन का है।

दुकानदार के द्वारा इसे रांची से खरीदा गया था। उसने बताया कि मोबाइल के मॉडल के अनुसार लॉक तोड़ने के लिए 500 से तीन हजार लिए जाते थे। इन मोबाइलों का आईएमईआई नंबर परिवर्तित कर दिया जाता था। उसके बाद मोबाइल खरीदने वाले आसानी से उसका उपयोग कर पाते थे। मुजफ्फरपुर पुलिस ने इस दौरान छापेमारी की। इस छापेमारी में दुकान से पेंडोरा सॉफ्टवेयर लोड लैपटॉप, कंप्यूटर सेट, डोंगल और पेन ड्राइव की बरामदगी की की गई। इस मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए छानबीन कर रही है। पुलिस फिलहाल इस मामले की छानबीन में जुटी है।

पुलिस को अनुमान है कि इस गिरोह के बाकी सदस्य भी ऐसा करते होंगे। इसके अलावा रांची तक इसका लिंक जुड़ा हुआ है। पुलिस उसके बारे में भी जानकारी हासिल कर रही है।

फिल्म 'गब्बर' देख बनाया प्लान, फिर मास्टर साहब से मांगी 2 लाख की रंगदारी

स्कूल से निकलते ही बनना चाहते थे 'अक्षय कुमार'

संवाददाता

सीतामढ़ी। जिस स्कूल के शिक्षकों से पढ़ाई की थी, उन्हीं से छात्रों ने रंगदारी की मांग कर दी। दरअसल, रंगदारी की मांग करने वाले गिरोह के छात्रों में से एक या दो छात्र 'गब्बर' फिल्म देखे थे। इस फिल्म में हीरो है अक्षय कुमार। फिल्म में अक्षय कुमार ने रोल किया था, वह रोल इन छात्रों ने धरातल पर उतारने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन दांव उल्टा लग गया और फंस गए। फिलहाल गिरोह के चार सदस्यों में से तीन जिला पुलिस की गिरफ्त में हैं, जबकि एक अब भी फरार है। इन छात्रों ने स्कूल में पर्चा चिपका कर रंगदारी मांगी थी। चार में से दो छात्र जिस स्कूल के शिक्षक के साथ रंगदारी की मांग वाला खेल खेला था, संयोग से उसी स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास की थी। यह वाकया जानकर थोड़ी देर के लिए हर किसी को हैरानी होगी, पर बात उतनी ही सच है, जितनी कि सूर्योदय पूरब में होता है। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर इन दोनों कलयुगी छात्रों के साथ ही दो अन्य साथियों का भी पता लगाकर एक को गिरफ्तार कर ली है। यानी गिरोह के तीन सदस्य पुलिस के हत्थे चढ़ गए हैं, तो एक फरार है। दो सितंबर को जिले के सहियारा थाना क्षेत्र के उच्च विद्यालय, पुरनहिया की दीवार पर जगह-जगह पर्चा चिपका कर शिक्षक और शिक्षिकाओं से दो-दो लाख रुपये की रंगदारी की मांग की गई थी। डिमांड पूरा नहीं करने पर हत्या की धमकी दी गई थी। धमकी से स्कूल प्रबंधन डर और सहम गया था। स्कूल में हड़कंप मच गया था।

पुलिस स्कूल में पहुंच कर पर्चा जब्त कर ली थी। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने पर्चा चिपका कर रंगदारी की मांग को शरारती तत्वों की करतूत बता जांच कराने की बात कही थी। स्कूल के प्रधान शिक्षक अभिषेक शर्मा ने सहियारा थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले पर पुलिस गंभीर तो थी ही, डीएम रिची पांडेय विशेष गंभीर हो गए थे। डीएम के निर्देश पर सदर एसडीओ/सदर डीएसपी को मामले का उद्भेदन करने का जिम्मा दिया गया। पुलिस ने तकनीकी और गुप्त सूचना के आलोक में गिरोह का खुलासा करने के साथ ही चार अपराधियों को दबोच ली। डीएम ने प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी जानकारी दी है। बताया गया है कि दो अपराधी इसी स्कूल से मैट्रिक पास किए थे। एक अपराधी इंटर का छात्र है। जिन चार अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें रीगा थाना क्षेत्र के पटनिया गांव के विदेश्वर ठाकुर का पुत्र विजय कुमार, संजय राय का पुत्र चंदन कुमार, पोसुआ गांव के मिथिलेश पासवान का पुत्र सौरभ कुमार और सहियारा गांव के गफ्फार शेख का पुत्र अली हुसैन शामिल है। वहीं, पांचवां अपराधी अमन कुमार फरार है। इन अपराधियों के पास से एक प्रिंटर, एक लैपटॉप, एक मोबाइल और एक बाइक बरामद हुआ है। सदर डीएसपी राम कृष्णा ने बताया कि एक-दो अपराधी फिल्म गब्बर से प्रेरित होकर इस घटना को अंजाम दिए है।

नेशनल लोक अदालत की तैयारी तेज

14 सितंबर को आयोजित होगा लोक अदालत

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। आगामी दिनांक 14 सितंबर को आयोजित होने वाले तृतीय नेशनल लोक अदालत की सफलता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अमरेंद्र कुमार राज ने प्रशिक्षु जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. अजय कुमार सिंह के साथ बैठक की। प्राधिकार के सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि इस नेशनल लोक अदालत के लिए प्रचार रथ के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार किया जाए ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को इस नेशनल लोक अदालत के लिए जागरूक किया जा सके। वही विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से भी इस नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार करने पर विशेष बल दिया। साथ ही बैठक के दौरान अन्य वैकल्पिक प्रचार-प्रसार की संभावना भी तलाशी गयी।

वही सचिव द्वारा बताया गया कि लोक अदालत का आयोजन आम जनमानस के समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु किया जाता है। लोक अदालत में मामला उसी दिन समाप्त हो जाता है। लोक अदालत में मामला रखवाने के लिए किसी भी व्यक्ति द्वारा कोई शुल्क नहीं लिया जाता है, यहां तक की यदि पूर्व में न्यायालय शुल्क का भुगतान किया गया है तो उसे भी पक्षकार को वापस कर दिया जाता है। पक्षकार न्यायालय में दाखिल होने के पूर्व भी अपने मामलों को सुलह के आधार पर निष्पादन कर सकते हैं। इस नेशनल लोक अदालत में सुलहनीय अपराधीक वाद, माप तौल, खनन, बीमा दवा कंपनी, बैंक लोन, लेबर एक्ट , वन विभाग से संबंधित सुलाहनीय वादों का निपटारा किया जाएगा।

लोक अदालत की विशेषताएँ...समझौते पर आधारित समाधान। लोक अदालत में मामले बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के आपसी समझौते से हल किए जाते हैं। लोक अदालत में कोई भी न्यायिक शुल्क नहीं लिया जाता। अगर मामला अदालत में है और लोक अदालत में सुलझा लिया जाता है, तो पहले से जमा कोर्ट फीस भी वापस मिलती है।

अपील की गुंजाइश नहीं... लोक अदालत में दिए गए फैसले पर अपील नहीं की जा सकती, क्योंकि वह दोनों पक्षों की सहमति से होता है।

मामले का त्वरित निपटान...यहाँ मामलों का निपटान अदालतों की तुलना में जल्दी होता है, जो आम लोगों को राहत प्रदान करता है। स्वैच्छिक और सहमति आधारित प्रक्रिया। दोनों पक्ष अपनी मर्जी से लोक अदालत में अपने मामले को सुलझाने के लिए आते हैं। लोक अदालत के लाभ। न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होता है। दोनों पक्षों के बीच आपसी संतोषजनक समाधान। निर्णय की त्वरित क्रियान्विति। जनता के लिए सस्ती और सुलभ न्याय प्रणाली।

पटना के 500 से ज्यादा कोचिंग इंस्टीट्यूट सुरक्षित नहीं

संचालकों को प्रशासन की ओर से मिला 15 दिनों का नोटिस

संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना के अशोक राजपथ और बोरिंग कैनाल रोड के अलावा शहर के किसी गली और चौराहे से गुजरने पर दर्जनों की संख्या में कोचिंग के बोर्ड दिखाई देते हैं। इसके अलावा कोचिंग संस्थान गली-गली में खुल गए हैं। बेरोजगारों की फौज और नौकरी की तैयारी में लगे युवाओं को सही गाइडलाइन की जरूरत होती है। इस कड़ी में वे सबसे पहले अपने लिए कोचिंग संस्थान की तलाश करते हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए पटना में हजारों की संख्या में कोचिंग संस्थान चलते हैं। उधर, दिल्ली हादसे के बाद अब पटना जिला में संचालित कोचिंग संस्थानों पर जिला शिक्षा कार्यालय की नजर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से जारी नोटिस को कोचिंग संस्थान के मालिकों ने गंभीरता से नहीं लिया है। कोचिंग संस्थानों को जिला प्रशासन की ओर से कुछ दिशा-निर्देश दिए गए थे।

पता चला है कि इसमें कई कोचिंग संस्थान फेल साबित हुए हैं। उन्होंने उन निदेर्शों का पालन नहीं किया है। उसके अलावा अपने संस्थान में सुरक्षा उपकरण भी नहीं लगाए हैं। साथ ही प्रशासन की ओर

से नोटिस के जरिए पूछे गए सवालों का जवाब भी नहीं दिया है। इसे लेकर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग काफी सख्त रुख अपनाने जा रहा है। जिला प्रशासन के मुताबिक डीएम के निर्देश पर दिल्ली की घटना के बाद पटना के कोचिंग संस्थानों की जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया था। टीम ने राजधानी के 500 से अधिक कोचिंग संस्थानों की जांच की। जांच के बाद पाया गया कि कई कोचिंग संस्थान सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे। प्रशासन की ओर से उन्हें 30 अगस्त तक कोचिंग नियमावली के अनुसार व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया था। कोचिंग में प्रवेश और निकास दरवाजे से लेकर अग्निशमन यंत्र और सुरक्षा के बाकी मानकों का ख्याल रखने को कहा गया था।

पटना का जिला शिक्षा कार्यालय एक बार फिर कोचिंग संस्थानों को नोटिस देने जा रहा है। ये नोटिस 15 दिनों के लिए दिया जा रहा है। इस अवधि में यदि कोचिंग संस्थान मानकों और कोचिंग नियमावली को पूरा नहीं करते हैं। उन कोचिंग संस्थानों के संचालन पर रोक लगा दी जाएगी। जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से सभी कोचिंग संस्थानों में अग्निशमन यंत्र, नगर निगम के मानकों का पालन, नियम के मुताबिक वर्ग कक्ष का निर्धारण और साथ ही प्रवेश और निकास की व्यवस्था को ठीक करना है। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात जो बताई गई है, कोचिंग संस्थानों को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना भी जरूरी है। बिना प्रमाण पत्र के कोचिंग संचालन की प्रक्रिया रोक दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक मात्र 18 संस्थानों ने शिक्षा विभाग को पंजीयन के लिए

चरण सिंह

विचार

गठबंधन हुआ तो कांग्रेस के लिए दिक्कत बन सकती है आप!

आम आदमी पार्टी के मामले में कांग्रेस लगातार गलती कर रही है। दिल्ली और पंजाब गंवाने के बाद अब हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने जा रही है। वह भी तब जब भूपेंद्र हुड्डा अपने दम पर सरकार बनाने में सफल दिखाई दे रहे हैं। हालांकि भूपेंद्र हुड्डा इस गठबंधन को चाहते भी नहीं हैं क्योंकि इसकी पहल खुद राहुल गांधी ने की है तो भूपेंद्र हुड्डा राहुल गांधी की लिहाज करते हुए आम आदमी पार्टी को पांच सीटें देने को तैयार हैं पर आम आदमी पार्टी १० सीटें मांग रही है।

दरअसल चौटाला परिवार की राजनीति ढलान पर होने की वजह से अब भूपेंद्र सिंह हुड्डा जाटों के सर्वमान्य नेता माने जा रहे हैं। इन विधानसभा चुनाव में भूपेंद्र हुड्डा का कद किस रूप में उभर कर सामने आया है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा की पहली लिस्ट जारी होते ही बीजेपी में बगावत हो गई और २० नेताओं ने इस्तीफा दे दिया। उधर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ३२ उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी पर कोई बगावत नहीं हुई, जबकि टिकटों के लिए मारामारी उस पार्टी में ज्यादा होती है जिसकी सरकार बनने की उम्मीद होती है। इसका मतलब भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस में अनुशासन कर रखा है।

दरअसल चाहे दिल्ली हो या फिर पंजाब, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से सत्ता छीनी है। अन्ना आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी को पहली बार कांग्रेस ने इसलिए समर्थन दिया था क्योंकि कांग्रेस भाजपा को सत्ता में आने से रोकना चाहती थी। जो उसको इतना भारी पड़ा कि दिल्ली में कांग्रेस का वजूद न के बराबर रह गया है। ऐसे ही पंजाब में भी आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की कमजोरी का फायदा उठाते हुए सत्ता कब्जाई। ऐसे ही यदि कांग्रेस ने हरियाणा में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन किया तो आने वाले समय में आम आदमी पार्टी कांग्रेस के लिए दिक्कतें पैदा कर सकती है।

वैसे भी पिछले विधानसभा चुनाव में कुमारी शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला के चलते भूपेंद्र सिंह हुड्डा को अंतिम समय में चुनाव लड़ने की कमान मिली थी। फिर भी कांग्रेस ने ९० में से ३० सीटें जीत ली थी, जबकि बीजेपी को 40 और जेजेपी को १० सीटें मिली थी। इन चुनाव में तो बीजेपी और जेजेपी में बगावत हो गई है और दोनों ही पार्टियों से कई नेता कांग्रेस में आ गये हैं। भूपेंद्र हुड्डा का प्लस प्वाइंट यह भी है कि उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा में इतनी सादगी है कि उनसे कोई नाराज नहीं होता। उनकी सादगी के लोग दीवाने हैं। ऐसे में आम आदमी पार्टी को हरियाणा में बढ़ावा देकर कांग्रेस अपने लिए घाटे का सौदा कर रही है। इस गठबंधन से आम आदमी पार्टी का फायदा है। हालांकि अभी तक सीटों पर सहमति नहीं बन सकी है।

देखने की बात यह है कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद कई पहलवानों का साथ भी कांग्रेस को मिल सकता है। विनेश फोगाट को उनकी ससुराल जुलाना से टिकट मिला है। ससुराल होने का फायदा विनेश फोगाट को मिलेगा।

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे अपराध

-योगेंद्र योगी-

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यावहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए। ह्यअपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024ह्न शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नए प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों को अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ-साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीड़िता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीड? के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा-64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा-66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीड़ित निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है। इसमें 20 साल की जेल की या उम्र कैद की सजा का भी प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि निर्भया कांड के बाद कानून को बहुत सख्त कर दिया गया था। रेप की परिभाषा भी बदल दी थी, ताकि महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी लाई जा सके। पहले जबरदस्ती या असहमति से बनाए गए संबंधों को ही रेप के दायरे में लाया जाता था। लेकिन इसके बाद 2013 में कानून में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाया गया। इतना ही नहीं, जुवेनाइल कानून में संशोधन किया गया था। इसके बाद अगर कोई 16 साल और 18 साल से कम उम्र का कोई किशोर जघन्य अपराध करता है तो उसके साथ वयस्क की तरह ही बर्ताव किया जाएगा। हालांकि, इन सबके बावजूद सुधार नहीं हुआ है। निर्भया कांड (2012) के बाद भारत में कई चर्चित बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक 17 वर्षीय लडकी के साथ बलात्कार और हत्या की घटना सामने आई। उत्तर प्रदेश के ही हाथरस जिले में एक 19 वर्षीय दलित लडकी के साथ सामूहिक बलात्कार और अत्यंत बर्बरता की गई। पीड़िता की मृत्यु के बाद, उसके शव को परिवार की अनुमति के बिना रात के समय दफनाया गया। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई। पीड़िता की शिकायत के बावजूद, पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। हैदराबाद में एक महिला वेटरिनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया।

अब विकसित भारत के सपने से चौंक रही है दुनिया

-कमलेश पांडे-

देश को आये दिन मिल रही वैश्विक और राष्ट्रीय उपलब्धियों से यह आईने की तरह बिल्कुल साफ है कि भारत की छवि अब उपेक्षित और पिछड़े देश की नहीं है। बल्कि यह देश अब दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। अब हम ऐसे भारत में रह रहे हैं, जो दुनियाभर के लिए आकर्षण का केंद्र है। आज इसकी पिछड़ी हुई इमेज नहीं है, बल्कि एक ऐसे कर्मठ देश की है, जो दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है, जो वैश्विक कंपनियों को चीफ एग्जिक्यूटिव सप्लाई करता है, जो बहुत तेजी से फिजिकल और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है।

जिस तरह से पिछले 10 वर्षों में ग्लोबल इकॉनमी महज 35% बढ़ी है, लेकिन इसी अवधि में भारत की इकॉनमी में करीब 90% की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, वह चौंकाता जरूर है, लेकिन लगे हाथ यह भी स्पष्ट करता है कि पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार अपने सटीक लक्ष्य को हासिल करने की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनके अथक प्रयासों से आज भारत दुनिया की नॉलेज सर्विसेज कैपिटल और ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। इसके साथ ही वह विकसित देश बनने की राह पर पर फर्राटे भर रहा है, जो सभी भारतवासियों के लिए गर्व और खुशी की बात है।

देश को आये दिन मिल रही वैश्विक और राष्ट्रीय उपलब्धियों से यह आईने की तरह बिल्कुल साफ है कि भारत की छवि अब उपेक्षित और पिछड़े देश की नहीं है। बल्कि यह देश अब दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। अब हम ऐसे भारत में रह रहे हैं, जो दुनियाभर के लिए आकर्षण का केंद्र है। आज इसकी पिछड़ी हुई इमेज नहीं है, बल्कि एक ऐसे कर्मठ देश की है, जो दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है, जो वैश्विक कंपनियों को चीफ एग्जिक्यूटिव सप्लाई करता है, जो बहुत तेजी से फिजिकल और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है। आज इसकी इमेज ऐसे देश की है, जो ग्लोबल स्केल वाले बिजनेस हाउसेज का घर है। जहां दुनिया की हर बड़ी कंपनी मौजूद होना चाहता है। यह टैलेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, कम्युनिटी और नॉलेज का सबूत है, जो भारत ऑफर कर रहा है।

विशेषज्ञ बता रहे हैं कि भारत साल 2047 तक न केवल विकसित बनेगा, बल्कि अपनी सांस्कृतिक ताकत के आधार पर भारत दुनिया के सबसे सम्मानित देश के रूप में उभरेगा। क्योंकि इसके पीछे पीएम नरेंद्र मोदी का विजन 2047 है, जिसके माध्यम से उन्होंने लोगों को बड़े सपने देखना सिखाया। साथ ही, दुनिया को मेक इन इंडिया का भरोसा दिया। उन्होंने देश को टेक्नॉलजी बूस्टर शॉट दिया और संदेह में पड़ी दुनिया को मेक इन इंडिया का भरोसा दिया। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि आज भारत ग्रासरूट पर डिलिवरी का रोल मॉडल है। ऐसा इसलिए हो सका, क्योंकि प्रधानमंत्री ने टेक्नॉलजी के जरिए समाज के वंचित वर्गों को लाभ पहुंचाए। देखा जाए तो मौजूदा दौर वाले आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का वैसा ही असर दिखेगा, जैसा कभी भाप के इंजन से हुआ था। सच कहूं तो जो एआई में आगे बढ़ेगा, जीत उसी की होगी। डिवेलपर भारत के जीडीपी को रफ्तार दे रहे हैं।

2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का जोर रिफॉर्म, स्टेबल पॉलिसी और हाई ग्रोथ पर है। उन्होंने कहा भी है कि अभी हमारी तीसरे कार्यकाल की सरकार बने 100 दिन भी पूरे नहीं हुए हैं। लेकिन हम इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने में जुटे हैं। हम रिफॉर्म्स में भी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। बीते 3 महीनों में हमने गरीबों, किसानों, महिलाओं और नौजवानों के लिए एक के बाद एक बड़े फैसले लिए हैं। हमारी सरकार अब पहले से तीन गुना तेज गति से काम कर रही है। भारत के वोटर्स ने 60 साल बाद किसी सरकार की हैटट्रिक लगवाई है।

गत दिनों देश-दुनिया की टॉप कंपनियों के अधिकारियों से संवाद करते हुए मोदी ने कहा कि हमारा वादा है कि हम रिफॉर्म करेंगे, आप वादा कीजिए कि परफॉर्म करेंगे। हम हाई ग्रोथ पर ध्यान देंगे, आप हाई क्वॉलिटी पर ध्यान देंगे। इस पर गिट हब के सीईओ थॉमस डोमके ने ठीक ही कहा कि साल 2027 तक सबसे ज्यादा सॉफ्टवेयर डिवेलपर भारत में होंगे और यह अमेरिका से आगे निकल चुका होगा। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रेजिडेंट अहमद मजारी ने कहा कि भारत दुनिया की नॉलेज सर्विसेज कैपिटल बन सकता है। इसमें आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अगुवा बनने की क्षमता है। भारत का दमखम केवल बेंगलुरु और हैदराबाद जैसी जगहों में नहीं है, बल्कि देश के हर गांव और नागरिक में क्षमता है। एआई के जरिए भारत इनोवेशन की राह पर तेजी से बढ़ सकता है।

वहीं, गौतम सिंघानिया, चेयरमैन, रेमंड्स का भी कहना है कि भारत विकसित देश बनने की राह पर है। हमें ऐसी ग्रोथ चाहिए, जिसका फायदा सभी लोगों को मिले क्योंकि भारत में काफी लोग गरीब हैं। डेढ़ अरब लोगों के सपनों और अपने देश पर विश्वास के दम पर भारत 2047 में एक अग्रणी देश बन सकता है। जबकि, हुल के प्रबंध निदेशक और सीईओ रोहित जावा की राय है कि भारत में हैरतअंगेज तरीके से बदलाव हुआ है। आने वाले दिनों में दुनिया की वर्किंग पॉपुलेशन का 27% हिस्सा भारत से आने वाला है। इसलिए भारत के युवाओं की रोजगार पाने की क्षमता बढ़ाना सबसे अहम है।

वहीं, नौरियल रुबिनी, एमेरिटस प्रफेसर, इकॉनमी, न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी का विचार है कि भारत सही राह पर है। पिछले दशकों में चीन की ग्रोथ भारत से ज्यादा थी। लेकिन नया भारत आने वाले दशकों में एक बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में उभर सकता है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार जारी रखने होंगे, चाहे सरकार बहुमत की हो या गठबंधन वाली। इससे साफ है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने समृद्ध भारत से ही पूरे विश्व की समृद्धि का रास्ता बनने की बात पर जो जोर दिया है, वह अकारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे उनकी टीम की ठोस रणनीति है।

उन्होंने ठीक ही कहा कि भारत अपनी नीतियां बीते कल के हिसाब से नहीं, बल्कि आने वाले कल को ध्यान में रखते हुए बना रहा है और फोकस फ्यूचर पर है। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि सरकार कर जोर रिफॉर्म, स्टेबल पॉलिसी और हाई ग्रोथ पर है। अब वो उन पिलर्स की चर्चा करते दिखते हैं, जो विकसित भारत के निर्माण को गति देने वाले है। ये सिर्फ भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक खुशहाली के भी पिलर्स है। इसलिए आज भारत में चारो तरफ अवसर बढ़ रहे हैं। हम बहुत लंबी छलांग लगाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।'

पीएम मोदी ने ठीक ही कहा है कि इस साल दुनिया के कई बड़े देशों में वोटिंग हुई है, ज्यादातर जगहों पर लोगों ने चेंज के लिए वोट किया है। कई देशों में सरकार को मुश्किलें आई हैं, लेकिन भारत के वोटर्स ने 60 साल बाद किसी सरकार की हैटट्रिक लगवाई है। इसलिए भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना है। इसके लिए देश में एक रिवॉल्यूशन चल रहा है। आज एमएसएमई को जितना सपोर्ट मिल रहा है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। प्लग ऐंड प्ले पार्क बन रहे हैं।

इस लक्ष्य को पाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अधिकाधिक इनोवेशन पर जोर देते हुए कहा कि गुलामी के कालखंड से पहले भारत की समृद्धि का आधार हमारा नॉलेज सिस्टम था। यह विकसित भारत का भी एक अहम पिलर है। आने वाले कल की चुनौतियों और अवसरों के लिए देश को स्किल, नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन का हब बनाने के लिए सरकार इंडस्ट्री और एकेडमिया को पार्टनर बना रही है। इस साल के बजट में एक लाख करोड़ रुपये के रिसर्च फंड के पीछे भी यही सोच है। आज देश का प्रयास है कि टॉप विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस भारत में खुलें।

बांग्लादेश में जारी है हैवानियत, बर्बरता और नफरत का दौर

-मनोज कुमार अग्रवाल-

शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में वहां की अल्पसंख्यक आबादी पर बहुसंख्यक कट्टरपंथी तत्वों द्वारा अमानवीयता भरी बर्बरता और हैवानियत भरे अत्याचार का बेहद शर्मनाक सिलसिला बदस्तूर जारी है। यह कहना है सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिज्म एंड ह्यूमन राइट्स का। इस संस्था द्वारा बांग्लादेश में हाल ही में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों और राजनीतिक उथल-पुथल पर आधारित एक रिपोर्ट पेश की गई है। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में हाल ही में यह रिपोर्ट रखी गई, जहां पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ पत्रकार स्वप्नदास गुप्ता और जाने माने चिंतक दीप हलदर (लेखक, ह्लबीइंग हिंदू इन बांग्लादेशह्न)और अभिजीत मजूमदार (प्रख्यात पत्रकार) ने इस रिपोर्ट पर गहरी चिंता जताई है।

इस रिपोर्ट में बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों में घटित घटनाओं पर प्रकाश डाला गया, जिसमें 5 जून 2024 को छात्र विरोध प्रदर्शनों से शुरू हुए राजनीतिक संकट का विवरण है। इन विरोधों ने एक बड़े आंदोलन का रूप ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से, धार्मिकअल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय, पर सुनियोजित हमले हुए। रिपोर्ट में बताया गया कि 5 अगस्त 2024 तक 27 जिलों में अल्पसंख्यकों के घरों और व्यवसायों पर हमला हुआ, और 8 अगस्त तक यह संख्या 52 जिलों तक पहुंच गई। रिपोर्ट में बताया गया कि सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश के विभिन्न जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले बढ़े। 205 से अधिक हिंदू-विरोधी घटनाओं की पुष्टि हुई, जिनमें लूटपाट, आगजनी, और हिंसा शामिल थी। इन घटनाओं को लेकर सीडीपीएचआर ने बांग्लादेश सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इन हिंसात्मक घटनाओं की जांच करें और अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता ने बांग्लादेश में हो रही इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटनाएं बांग्लादेश के धार्मिक और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने वैश्विक समुदाय से इन घटनाओं का संज्ञान लेने और इस संकट का समाधान निकालने की अपील की। वहीं दीप हलदर ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों की निंदा की और कहा कि शेख हसीना के शासनकाल में भी अल्पसंख्यक समुदाय पर हमले हुए, लेकिन वर्तमान स्थिति बेहद गंभीर है। उन्होंने बांग्लादेश में हो रहे धर्मांतरण और लव जिहाद जैसी समस्याओं पर भी चिंता जताई। प्रख्यात पत्रकार अभिजीत मजूमदार ने कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय का भविष्य अनिश्चित है और यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसका गंभीर परिणाम होगा। हाल ही में बंगलादेश में कट्टरपंथी तत्वों ने दमन का नया तरीका अपनाया है। उन्होंने वहां अल्पसंख्यक हिन्दू, बौद्ध और ईसाई समुदायों के 49 शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया है। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन ओइक्या परिषद की छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र ओइक्या परिषद ने श एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी है। बरिशाल के बेकरगंज सरकारी कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर के जबरन इस्तीफे का मामला सोशल मीडिया पर बवाल मचा रहा है। लोग जमकर इसकी निंदा कर रहे हैं।

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, छात्र संगठन के संयोजक साजिब सरकार ने कहा है कि शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से देश में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों को हिंसा का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसमें लूटपाट, महिलाओं पर हमले, मंदिरों में तोड़फोड़, घरों और कार्यस्थलों पर आगजनी यहां तक कि हत्याएं भी शामिल हैं। सरकार ने आगे खुलासा किया कि देश भर में अल्पसंख्यक शिक्षकों को शारीरिक हमलों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण 30 अगस्त तक कम से कम 49 शिक्षकों को जबरन इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि, बाद में उनमें से 19 शिक्षकों को दोबारा बहाल कर दिया गया।

दरअसल, बांग्लादेश में आरक्षण कोटा को लेकर शुरू हुआ आंदोलन हिंसक हो गया था, जिसके बाद शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भागना पड़ा था। इस हिंसक आंदोलन के दौरान 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शपथ लेने के बाद कहा था कि वह संविधान की मयार्दा बनाए रखेंगे, लोगों का समर्थन और उनकी रक्षा करेंगे और ईमानदारी से कर्तव्यों का पालन करेंगे। इसके बावजूद बांग्लादेश की हालात में सुधार होते नजर नहीं आ रहे हैं। शेख हसीना के ढाका छोड़ने के बाद देश में असामाजिक तत्वों ने अशांति फैलाई और हिंदुओं के घरों और पूजा स्थलों को निशाना बनाया। देश के 23 धार्मिक संगठनों के एक राष्ट्रीय गठबंधन, बांग्लादेश जातीय हिंदू मोहजोत (बीजेएचएम) ने कहा कि 5 अगस्त के बाद से देश के 48 जिलों में 278 स्थानों पर हिंदू परिवारों को हिंसा और बर्बरता का सामना करना पड़ा है।

भारी हिंसा के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं को धमकाया गया। उनसे लाखों रुपये की फिरौती मांगी गई। इसका खुलासा एक बांग्लादेशी हिंदू छात्र ने किया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के घरों की पहचान की गई और इसके बाद उन्हें धमकाया जा रहा है। कई लोगों के पास धमकी भरे कॉल आए हैं। एक बांग्लादेशी हिंदू युवक ने बताया कि उसके माता-पिता बुजर्ग हैं और वह चटगांव में रहते हैं। उनके पास एक धमकी भरी कॉल आई। कॉल करने वाले शख्स ने लाखों रुपये की मांग की। इस बांग्लादेशी हिंदू युवक ने महाराष्ट्र के एक कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और अभी ढाका में कार्यरत है। कॉल करने वाले ने अपने आपको एक इस्लामी समूह का सदस्य बताया। फिरौती के रूप में पांच लाख टका की मांग की। उसने कहा कि अगर रकम नहीं दे सकते हो तो बांग्लादेश छोड़ दो या फिर मौत का सामना करो। इस युवक का कहना है कि अन्य लोगों के पास भी ऐसे ही कॉल आई हैं। हिंदुओं से कहा जा रहा है कि बांग्लादेश अल्पसंख्यकों का नहीं है।

दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश की स्थिरता और विकास के लिए भारत के समर्थन को भी दोहराया उन्होंने कहा आने वाले दिनों में हम हमेशा बांग्लादेश की 'विकास यात्रा' के लिए शुभकामनाएं देंगे क्योंकि हम मानव जाति के शुभचिंतक हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार फिलहाल, शेख हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। हाल ही में बांग्लादेश के पूर्व कपड़ा एवं उद्योग मंत्री को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा शेख हसीना और आवामी लीग के नेताओं पर लगातार हत्या और तमाम तरह के मुकदमें दर्ज हो रहे हैं। ऐसे में शेख हसीना का बांग्लादेश वापस जाना भी कठिन हो गया है, क्योंकि बांग्लादेश में उनकी गिरफ्तारी हो सकती है और लंबे समय तक जेल में रहना पड़ सकता है।

रिपोर्ट में बांग्लादेश के भविष्य और अल्पसंख्यकों के जीवन पर संकट की ओर इशारा किया गया। अंतरिम सरकार और इस्लामिक पार्टियों के गठबंधन से स्थिति और भी बिगड़ने की आशंका है, और हिंदू समुदाय के साथ-साथ अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति अत्यंत संकटग्रस्त बनी हुई है।

दल बदल कानून की प्रासंगिकता?

-चैतन्य भट्ट-

हरियाणा में 1967 में एक विधायक हुए थे गया लाल। एक दिन में ही कांग्रेस से जनता पार्टी में गए, फिर कांग्रेस में आए। वापस जनता पार्टी में सिधारे और फिर पुनः कांग्रेस में पधारे। उनकी इस क्रांतिकारी पहल ने ऐसी बयार चलाई कि देश में अगले 12 महीने में ही 400 से ज्यादा दल-बदल हुए। 116 दल बदलुओं ने मंत्रिपद का प्रसाद भी पाया। दल बदल विरोधी कानून की जरूरत महसूस कराने का श्रेय इन्हीं गया लाल जी को जाता है।

1972 से 75 का समय छोड़ दें तो राजनीति सारा समय जोड़ तोड़ पर टिकी रही। ऐसे ऐसे कारनामे हुए कि पूछिए मत। घर-घुसड़म्मा शब्द निराकार से साकार होता रहा। बच्चे नाम याद नहीं कर पाते थे और प्रधानमंत्री बदल जाता। एक तो ऐसे भी हुए जिन्होंने बिना संसद का सामना किए ही भूतपूर्व की गति पाई। अंततः1985 में दो तिहाई बहुमत वाली राजीव गांधी की सरकार के कार्यकाल में ही दल-बदल विरोधी कानून लागू हो सका। अपने राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ने, अन्य दल में शामिल होने, पार्टी के पक्ष के विपरीत वोट देने या वोटिंग से अलग रहने जैसे मामलों में जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित करने जैसे प्रावधान हुए।

सच्चा कानून तो यही होता कि दल बदलते ही बिना किसी किंतु-परंतु के सदस्यता चली जाए। मगर राजनीति एक घर छोड़कर चलती है। क्या पता कब जरूरत पड़ जाए? सो कानून में पतली गलियां रखी गईं। मसलन मूल राजनीतिक दल के दूसरे दल में विलय या दो-तिहाई सदस्यों से ज्यादा की विलय के लिए सहमति पर कानून लागू नहीं होगा। कालांतर में दलबदलू परंपरा में नए आयाम भी जुड़े। अन्य दल में शामिल होकर सौदेबाजी की ताकत नहीं रहती। सो दल तोड़कर नया दल बनाने और समर्थन के लिए सौदेबाजी का नया अध्याय शुरू हुआ। आज इसी का बोलबाला है।

कानून में सदन के अध्यक्ष को सदस्य की अयोग्यता को लेकर फैसला करने का अधिकार हैं। वे दिन गए जब अध्यक्ष पार्टी निष्ठा त्याग निष्पक्ष रूप से कार्य करता था। आज उसका अपनी पार्टी के मामले में निष्पक्ष रहना कल्पना से परे है। अध्यक्ष द्वारा फैसला सुनाने की कोई समय सीमा निश्चित नहीं है। फैसला लटकाकर अदालत जाने का दरवाजा मजे से रोका जा सकता है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस के विभाजन का घटनाक्रम ताजा उदाहरण है। चुनाव सुधारों पर गठित दिनेश गोस्वामी कमेटी की सिफारिश है कि अयोग्यता पर फैसले का अधिकार राष्ट्रपति या राज्यपाल को हो जो चुनाव आयोग की सलाह पर काम करे। मगर संवैधानिक पदों की गरिमा का जैसा अवमूल्यन हुआ है उसके चलते लगता नहीं कि ऐसी सिफारिश लागू होने पर भी परिस्थितियां बदलेंगी।

आज राजनीति सेवा नहीं व्यवसाय है और चुनाव इंवेस्टमेंट। चनावी खर्च की निर्धारित सीमा देख कर हंसी आती है। प्रत्याशियों द्वारा दिए खर्च का ब्यौरा मसखरी लगता है। पार्टी और विचारधारा के प्रति निष्ठा के दिन लद गए हैं। व्यक्तिगत लाभ के लिए पाला बदलने में नेता दो मिनट भी नहीं लगाते। चुनाव में पैसा लगाया है तो निकालना तो पड़ेगा न? इसी कार्यकाल में। फिर मौका मिले या नहीं?

240 की संख्या पर रुक गई केंद्रीय भाजपा सरकार छोटी पार्टियों के समर्थन पर मजबूर है। स्पष्ट बहुमत नहीं है मगर बिना विचार विमर्श निर्णय लेने की संसदीय निरंकुशता कायम है। अंग्रेजी कहावत है : ओल्ड हैबिट्स डाई हार्ड। पुरानी आदतें जल्दी नहीं जातीं। कदम उठाते हैं कि वापस लेना पड़ता है। कलेजा छटपटाता हैः ऐसा कब तक चलेगा? दूसरों के घर तोड़कर खुद का घर बसाने की उसकी क्षमता दस सालों में दसियों बार साबित हुई है। कम सदस्यों वाली पार्टियों में दल-बदल कराना बनिस्बत सरल भी है। इसलिए समर्थक दल सशंकित हैं। जाने कब यह आग उनके अपने दरवाजे तक पहुंच जाए? जब तब असंतोष दिखा देते हैं। मगर सत्ता की गोंद चिपकाए हुए है।

दलीय चुनावी प्रक्रिया में मतदाता व्यक्ति नहीं बल्कि पार्टी की विचारधारा को वोट देता है। वरना पार्टियों की टिकट के लिए यूं मारामारी न होती। सदन निर्दलीयों से भरे होते। अपने जनप्रतिनिधि के दल बदलने पर भौंचक मतदाता स्वयं को ठगा महसूस करता है। सोचता है, उस विचारधारा का क्या हुआ जिसके खिलाफ या समर्थन में उसने वोट दिया था?

हिमाचल सरकार ने दलबदलू विधायकों को पेंशन न देने का विधेयक पास किया है। दगाबाजों को जनता की गाढ़ी कमाई से पैंशन पाने का अधिकार होना भी नहीं चाहिए। कदम सराहनीय है मगर पर्याप्त नहीं। दल बदल के फायदों के सामने पेंशन की हैसियत मूंगफली से ज्यादा नहीं है।

सवाल लाजिमी है : क्या दल बदल कानून वर्तमान स्वरूप में प्रासंगिकता खो चुका है? जवाब यकीनन हां होगा। कानून प्रभावी होता तो दलबदल कब का रुक गया होता। यह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए मतदाता से किया गया प्रजातांत्रिक विश्वासघात है। इसके लिए बिना किसी किंतु परंतु के सदन से अयोग्यता के अलावा कोई भी सजा कम है। अगर नेता को मुगालता है कि उसे जनमत पार्टी विचारधारा नहीं बल्कि खुद की लोकप्रियता के दम पर मिला है तो जाए और पुनः जनमत प्राप्त करे। चुनाव में हुए सरकारी खर्च का समानुपातिक व्यय वसूल करने जैसी कड़ी शर्त भी रखी जा सकती है। अगर ऐसे कड़े प्रावधान नहीं बने तो दल-बदल धर्म के आराध्य देव गयालाल जी की बनाई यशश्वी परंपरा सदैव कायम रहेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

भाजपा में बगावत जारी: चौबीसी के गांवों में पंचायत कर फैसला लेंगी राधा अहलावत, यमुनानगर में भावुक हुए दाता राम

सिरसा। सिरसा से पूर्व विधायक बलकौर सिंह ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। अपने इस्तीफे के साथ उन्होंने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। बलकौर सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 5 वर्षों तक पार्टी की तन-मन-धन से सेवा की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें वह मान-सम्मान और सरकारी पद नहीं मिला जिसके वे लायक थे।

हरियाणा में भाजपा के 67 सीटों का वितरण करने के बाद से भगदड़ जारी है। वहीं, हालांकि कांग्रेस ने शुक्रवार को ही कालांवाली की सीट पर मौजूदा विधायक शीशपाल केहरवाला को टिकट दिया है।

बेरी से टिकट न मिलने पर भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित अहलावत ने छोड़ी पार्टी... बेरी विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की टिकट न मिलने से नाराज भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित अहलावत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सभी पदों से त्यागपत्र देकर भाजपा को अलविदा कह दिया है। अहलावत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर अपने इस्तीफे की जानकारी दी और साथ ही निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

अमित अहलावत ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्हें पार्टी के लिए किए गए अपने योगदान के बावजूद टिकट से वंचित रखा गया, जिससे वे आहत हैं। इसी कारण उन्होंने पार्टी से अलग होने का फैसला किया है। इसके साथ ही, उन्होंने कल रविवार को डीघल में पंचायत बुलाई है, जिसमें अपने समर्थकों के साथ आगामी रणनीति

पर विचार करेंगे। पंचायत में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की जा सकती है।

पूर्व विधायक बलवंत सिंह को टिकट देने पर दाता राम ने छोड़ी भाजपा... साढौरा (आरक्षित) सीट से भाजपा द्वारा पूर्व विधायक बलवंत सिंह को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद नाराज चल रहे पार्टी के पूर्व प्रत्याशी एवं भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दाता राम ने आज भाजपा के सभी पदों के साथ-साथ पार्टी को अलविदा कह दिया। दाता राम ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज दिया। आज दाता राम ने बिलासपुर के आंबेडकर भवन में समर्थकों की बैठक बुलाई। जिसमें उन्होंने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया। अपने संबोधन के दौरान दाता राम रो पड़े। समर्थकों ने उनका हौसला बढ़ाया। सैकड़ों की संख्या में समर्थक आंबेडकर भवन में एकत्रित हुए। इस दौरान एक कमेटी का भी गठन किया गया। जो यह निर्णय लेगी कि दाता राम आजाद चुनाव लड़ेंगे या फिर किसी अन्य दल को समर्थन देंगे।

2005 व 2009 में लड़ा था चुनाव... दाता राम ने 2005 में पहली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। तब दाता राम को 6241 वोट मिले थे। इसके बाद 2009 में उन्होंने एक बार फिर से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा। इस बार उन्हें 4496 वोट मिले थे। 2014 में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इनेलो छोड़ कर भाजपा में शामिल होने पर भी पूर्व विधायक बलवंत सिंह का दाता राम ने विरोध किया था। तब पूर्व सीएम मनोहर लाल ने उन्हें मना लिया था।

2019 में एक बार फिर भाजपा ने बलवंत सिंह को टिकट दिया। इस बार भी दाता राम ने बलवंत सिंह का विरोध किया था। चुनाव के वक्त तो भाजपा ने दाता राम को मना लिया था। परंतु बाद में धीरे-धीरे भाजपा ने उन्हें दरकिनार करना शुरू कर दिया था। यहां तक की दाता राम को जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति के सदस्य पद से भी हटा दिया था। दाता राम भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला महामंत्री व जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

विपरीत परिस्थितियों में लड़ा था चुनाव: दाता राम... दाता राम ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब भाजपा हरियाणा में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही थी तो उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में चुनाव लड़ा था। भाजपा में अब दिनरात मेहनत करने वालों की कोई वेल्यू नहीं है। भाजपा अब पंडित दीन दयाल उपाध्याय व अटल बिहारी वाजपेयी के सिद्धांतों पर चलने वाली अनुशासित पार्टी नहीं रही। इसलिए भाजपा के सभी पदों व पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

राधा अहलावत ने पैतृक गांव खरकड़ा में की महापंचायत

महम हलके से टिकट न मिलने से नाराज भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा व उनकी पत्नी राधा अहलावत ने शनिवार को पैतृक गांव खरकड़ा में महापंचायत की। तय किया कि अब चौबीसी के दूसरे बड़े गांवों में पंचायत कर पूछेंगे कि चुनाव लड़े या नहीं। जो कार्यकर्ता कहेंगे वह निर्णय लिया जाएगा।

दोपहर करीब 12 बजे खरकड़ा गांव में पहुंचे सैकड़ों समर्थकों ने हाथ उठाकर राधा अहलावत को चुनाव लड़ने की सलाह दी है। ग्रामीणों ने लोगों ने कहा कि अगर राधा को भाजपा का टिकट मिलती तो जीत निश्चित थी। लेकिन अब अपनी तकदीर खुद लिखेंगे। हर गांव में दस्तक देकर सलाह ली जाएगी। शमशेर खरकड़ा ने कहा कि वे आपने आप कोई भी निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं तो जनता जो बात कहेगी वह मानने को तैयार है। राधा ने कहा कि गांव के लोग अच्छी तरह सोच लें। यह चुनाव वे हारने के लिए नहीं, जीतने के लिए मैदान में उतरेंगी।

टिकट न मिलने से नाराज भाजपा नेता प्रीतम खोखर ने पार्टी छोड़ने का किया एलान

खरखौदा हलके से टिकट न मिलने पर नाराज भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रीतम खोखर ने पार्टी छोड़ने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उनका मेहनताना नहीं दिया है। वर्ष 2019 में भाजपा ने टिकट नहीं दिया था, तब भी उन्होंने सब्र कर लिया था। अब भी भाजपा ने टिकट वितरण में उनकी अनदेखी की गई है। जिसके चलते वह भाजपा का दामन छोड़ रहे है। रविवार को समर्थकों की बैठक बुलाई है। बैठक में समर्थकों के साथ विचार विमर्श करके आगामी फैसला लिया जाएगा।

प्रीतम खोखर वर्ष 1985 से राजनीति में सक्रिय है। चौ. देवीलाल में आस्था जताते हुए वह उनकी पार्टी में शामिल हुए थे। इनेलो में वह एससी सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष व महासचिव रह चुके है। प्रीतम खोखर जिला परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं। प्रीतम खोखर ने अपनी अनदेखी का आरोप लगाते हुए अप्रैल 2017 में इनेलो छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

टोहाना में मुख्यमंत्री नायब सैनी की रैली राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला की अनुपस्थिति

टोहाना टोहाना से भाजपा के उम्मीदवार एवं पूर्व पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली का नामांकन दाखिल करवाने के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार दोपहर को टोहाना पहुंचे। नामांकन से पहले अनाज मंडी में नामांकन जनसभा की गई। जनसभा के बाद रोड शो करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी व देवेंद्र बबली लघु सचिवालय स्थित निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। इस दौरान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के टोहाना में होने के बावजूद अनुपस्थित रहने से चचाओं का बाजार गर्म रहा।

बाद में मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तीसरी बार हरियाणा में बीजेपी सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बीजेपी प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करेगी। कांग्रेस भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जनता से कांग्रेस पार्टी को कोई सरोकार नहीं है। जीजा और माता को खुश करने के लिए कांग्रेस पार्टी काम करती है। जिसे अब जनता भली भांति जान चुकी है।

रूठों को मना लेंगे... वहीं, सुभाष बराला और अन्य रूठे हुए नेताओं के सवाल पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बीजेपी सबको मना लेगी। सुभाष बराला भी आने वाले दिनों में देवेंद्र सिंह बबली के प्रचार में नजर आएंगे। इस मौके पर पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा, पंजाब के पूर्व मंत्री सुरजीत ज्याणी सहित कई नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नामांकन दाखिल करवाने के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के घर भी पहुंचे।

बरोदा से भाजपा के टिकट की जुगाड़ में कपूर सिंह नरवाल रोहतक में प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया से मुलाकात

रोहतक बरोदा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस का टिकट न मिलने से नाराज कपूर सिंह नरवाल अब भाजपा का दामन थामने की तैयारी में हैं। शनिवार को नरवाल अपने समर्थकों के साथ भाजपा के रोहतक स्थित प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया से बंद कमरे में मुलाकात की।

मुलाकात के बाद जब नरवाल से भाजपा में शामिल होने के सवाल पर पूछा गया, तो उन्होंने साफ तौर पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उनका कहना था, "राजनीति में कुछ भी संभव है," जिससे उनके भाजपा में जाने की अटकलों को और बल मिल गया है।

गौरतलब है कि कपूर सिंह नरवाल पहले भी बरोदा से दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने इनेलो की टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। बरोदा उपचुनाव के दौरान नरवाल ने कांग्रेस से टिकट की उम्मीद जताई थी, लेकिन पार्टी ने इंदुराज नरवाल को उम्मीदवार बनाया। इंदुराज ने भाजपा के

योगेश्वर दत्त को हराकर विधायक का पद हासिल किया।

2024 के विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस ने इंदुराज नरवाल पर ही भरोसा जताया है, जिससे कपूर सिंह नरवाल नाराज हैं। उनका दावा है कि उपचुनाव के दौरान उन्हें भरोसा दिया गया था कि अगली बार उन्हें टिकट दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस असंतोष के चलते अब कपूर सिंह नरवाल भाजपा में शामिल होने की संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं।

पठानकोट में बच्चा किडनैपिंग मामला: BSF का बर्खास्त कांस्टेबल गोवा से गिरफ्तार, दुबई भागने की फिराक में था

पठानकोट। पंजाब के पठानकोट में बीते सप्ताह एक बच्चे का अपहरण हुआ था। हालांकि मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बच्चे को सही सलामत बरामद कर लिया था। अब इस मामले में पुलिस के हाथ एक और कामयाबी लगी है। बच्चे के अपहरण मामले में फरार चल रहे दो आरोपी भी गिरफ्तार किए गए हैं।

दोनों आरोपी गोवा से गिरफ्तार किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों में बीएसएफ का बर्खास्त कांस्टेबल अमित राणा और दूसरा आरोपी रिषभ है। दोनों आरोपी वारदात के बाद से फरार हो गए थे। इससे पहले पुलिस ने मुख्य आरोपी अवतार और समशेर को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, बीएसएफ से डिसमिस कांस्टेबल हिमाचल प्रदेश के नूरपुर का रहने वाला अमित राणा और

रिषभ फरार हो गए थे।

पुलिस आरोपियों को कर रही थी ट्रैक... आरोपी अमित राणा और रिषभ के फरार होने के बाद से पठानकोट थाना डिवीजन नंबर. 2 की पुलिस दोनों को ट्रैक कर रही थी। पठानकोट एसएसपी दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने बताया कि वारदात के बाद दोनों आरोपी जंगल के रास्ते हाइवे तक पहुंचे। वहां से वे बस से चंबा पहुंचे। चंबा से दोनों ने चंडीगढ़ के लिए बस पकड़ी। चंडीगढ़ से ये दोनों दिल्ली की बस में सवार होकर भाग निकले। पुलिस ने पहले दोनों का डिजिटल फूट प्रिंट ट्रैक किया, जिससे आरोपियों के दिल्ली तक पहुंचने का पता चल गया।

आरोपियों ने तैयार किए खुद के यूपीआई आईडी... पठानकोट एसएसपी दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने बताया कि आरोपियों ने दिल्ली पहुंचने पर अपने डिजिटल फूट प्रिंट मिटा दिए। वहीं दोनों ने ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए अपने खुद के यूपीआई आईडी तैयार की। इसके बाद दोनों बस और अन्य गाड़ियों के माध्यम से दिल्ली से गोवा पहुंचे। हालांकि दिल्ली में पंजाब पुलिस की सीआईडी यूनिट दोनों का पीछा कर रही थी। जब आरोपी गोवा पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें वहां ट्रैक कर गोवा पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया।

आरोपी रिषभ के पास था दुबई का वीजा... पुलिस ने बताया कि आरोपी रिषभ के पास दुबई का वीजा भी था, जो दिल्ली में किसी एजेंट के पास रखा हुआ था। आरोपी दुबई भागने की फिराक में था।

इससे पहले ही पुलिस ने दोनों को शुक्रवार रात गोवा में गिरफ्तार कर लिया। गोवा में आरोपी एक जगह से दूसरी जगह भागने के लिए बस में सवार थे। पुलिस ने दोनों को बस से ही गिरफ्तार किया है। अभी दोनों आरोपी गोवा की कुंकली पुलिस की हिरासत में है।

महिला का पिता या पति उस पर नहीं थोप सकता अपनी इच्छा, मोहाली निवासी पिता की याचिका खारिज

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बेटी की कस्टडी के लिए पिता की ओर से दाखिल याचिका को खारिज करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि बालिग महिला पर उसका पति, पिता या अन्य कोई व्यक्ति अपनी इच्छा नहीं थोप सकता।

हाईकोर्ट ने कहा कि पिता बेटी का उससे बेहतर संरक्षक होता है यह धारणा संविधान में दिए स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ है। सामाजिक भूमिका के आधार पर इच्छा थोपना महिला की व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। मोहाली निवासी पिता ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए अपनी बेटी को एक व्यक्ति की कथित अवैध हिरासत से मुक्त कराने के

लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की थी। याचिका के जवाब में बेटी ने बताया कि वह 30 वर्ष की है और अपनी मर्जी से आरोपी पुरुष के साथ रह रही है। वह उसके साथ हुई हिंसा के कारण न तो अपने पति के घर लौटना चाहती है और न ही अपने पिता के घर। पिता के वकील ने कहा कि बेटी की सामाजिक चिंताओं और स्वतंत्र रूप से रहने के संभावित परिणामों को ध्यान में रखते हुए उसकी कस्टडी पिता को सौंपी जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि इस तरह की धारणा संविधान में निहित समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का सीधा अपमान है।

एक महिला जो पूरी तरह से परिपक्व वयस्क है, अपने फैसले लेने में सक्षम है। उसने स्वतंत्र रूप से रहने की इच्छा व्यक्त की है तो अदालत उसे खारिज नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि हम किसी वयस्क को दूसरे के पास लौटने के लिए मजबूर नहीं कर सकते, न करना चाहिए, भले ही वह व्यक्ति नेक दिल माता-पिता हो। यह तर्क कि एक पिता एक वयस्क महिला का उससे बेहतर संरक्षक होगा, न केवल पुराना है, बल्कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सांविधानिक गारंटी के भी विपरीत है। इस वजह से यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि महिला के अधिकारों की रक्षा की जाए और सामाजिक विचारों के आगे झुके बिना उसकी स्वायत्तता का सम्मान किया जाए।

CM मान ने 293 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र: बोले- पैसे व सिफारिश का खेल

चंडीगढ़ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को 293 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग में नौकरी पाने वाले इन युवाओं को ज्वाइन लेटर दिए हैं। इसके साथ ही इन कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। इस दौरान सीएम ने कहा कि सरकारी भर्ती में पैसे और सिफारिश का खेल खत्म किया गया है। अब मेरिट के आधार पर नौकरी दी जा रही है। सीएम ने नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी युवाओं को बधाई दी और लग्न से काम करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री मान ने कहा कि वे अभी तक प्रदेश के तकरीबन 44974 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंप चुके हैं। बावजूद इसके विरोधी दल आज भी इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। विपक्ष के नेताओं

को आज भी यकीन नहीं हो रहा। इसलिए वे आलोचना करने से हट नहीं रहे हैं। युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के लिए चंडीगढ़ के म्यूनिसिपल भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री मान के साथ स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह भी मौजूद रहे। सीएम मान ने उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार प्रदेश के लोगों के लिए काम कर रही है। पंजाब में टोल प्लाजा के नाम पर लोगों को लूटा जा रहा है। इसलिए अभी तक 16 टोल प्लाजा बंद कराए जा चुके हैं। इससे लोगों के रोजाना 61 लाख रुपये की बचत हो रही है।

पुट्ठी में विवाहिता को जहरीला पदार्थ देकर मारने का आरोप, पति सहित पांच पर केस दर्ज

बास। हिसार के नारनौंद के उपमंडल के गांव पुट्ठी में एक विवाहिता को जहर देने के मामले में पति सहित ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। विवाहिता की शुक्रवार को हिसार के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। जिसके बाद शनिवार को शव का हिसार के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। भिवानी जिले के गांव बागनवाला निवासी उमेद सिंह ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह खेती बाडी का काम करता है। मेरे तीन बच्चे हैं जिनमें सबसे बड़ा बेटा अमीत, उससे छोटी बेटी 26 वर्षीय मंजू और उससे छोटा पवन कुमार है। मेरी बेटी मन्जू की शादी 27 नवंबर 2023 को गांव पुठी निवासी मन्दीप के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद मेरी बेटी मन्जू को दहेज के लिए तंग करने लगे और 2 लाख व गाडी की डिमांड करने लगे। उन्होंने मेरी बेटी को मेरे पास भेज दिया और फिर कुछ दिन बाद पंचायत हुई।

पंचायत में उसके ससुरालजन माफी मांगने लगे और फिर मैने मेरी बेटी को मन्दीप के पुठी भेज दिया। लेकिन आरोपी उसको दोबारा तंग करने लगे और दहेज में 2 लाख व की नगदी में कार की मांग करने लगे। लेकिन मंजू की ससुराल पक्ष के लोग उसको तंग करने से बाज नहीं आ रहे थे।

मेरी बेटी मन्जू ने मेरे को बताया कि मेरे साथ मन्दीप बातचीत नही करता और मेरी बेटी मन्जू के पास एक मोबाईल फोन था जिसकी सिम निकालकर तोड दी। ताकि मेरी बेटी मंजू मुझसे बात नही कर सके। 6 सितंबर को सुबह करीब 8 बजे उनके पास पुठी गांव से फोन आया कि मंजू की जान खतरे में है। यह पता चलते ही वे पुठी के लिए निकल गए। रास्ते में उनको पता लगा कि मंजू को हिसार के एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

वे हिसार के निजी अस्पताल में पहुंचे जहां मंजू आईसीयू में भर्ती थी। मंजू ने उनको बताया था कि उसको जहर दिया गया है और उसकी छाती में बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है। उसके बाद मंजू बेहोंस हो गई। इसके करीब आधा घंटे बाद मंजू की मौत हो गई। बास थाना पुलिस ने मंजू के पिता उमेद सिंह की शिकायत पर मंजू के पति मन्दीप, ससुर बलवान, सास कान्ता, ननद मनीषा व मीनू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2), 123, 3(5) के तहत केस दर्ज करें जांच शुरू कर दी है।

रोहतक में स्टार क्रिकेटर शैफाली वर्मा के घर आए गणपति, विधि-विधान से किया पूजन

रोहतक टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली स्टार क्रिकेटर शैफाली वर्मा ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने रोहतक स्थित घर में गणपति की स्थापना की। शैफाली, जो हाल ही में टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं, ने शनिवार को पूरे विधि-विधान से गणपति की पूजा-अर्चना की।

शैफाली के पिता संजीव वर्मा ने बताया कि उनकी बेटियां शैफाली और नैंसी, माता परवीन और भाई ने भी मिलकर गणपति बप्पा की पूजा की और देश में खुशहाली व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर परिवार ने भगवान गणेश से सभी के मंगलमय भविष्य की प्रार्थना की।

गौरतलब है कि शैफाली वर्मा महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली टीम की स्टार खिलाड़ी हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक बनाने और एशियाड में पहला अर्धशतक मारने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। शैफाली के शानदार क्रिकेट करियर के साथ-साथ उनका पारिवारिक जुड़ाव और धार्मिक आस्था भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पंजाब में शराब का मेला: प्रसाद के तौर पर पीते हैं लोग, लाइनों में लगते हैं भक्त, पूरी होती है मन्नत

जगरांव । शराब पर कई कहावतें, शायरी और गीत आपने अकसर सुने होंगे। कुछ शराब को अच्छा मानते हैं तो कुछ इसे बुराई समझते हैं। खैर ये तो बातें लोगों की बनाई हुई हैं। अब शराब को लेकर जो हम आपको बताने वाले हैं वह इन सब बातों से हटकर और बिल्कुल ही अलग है।

वैसे तो हर घर में शराब को नकारा जाता है, लेकिन पंजाब में एक ऐसी जगह है जहां शराब को प्रसाद के तौर पर बांटा जाता है। पंजाब के लुधियाना के जगरांव में ऐसा एक धार्मिक स्थल है, जहां लोगों में प्रसाद के तौर पर शराब पिलाई जाती है। जगरांव के गांव काउंके कला में बनी बाबा रोडे शाह

की समाधि पर शराब को प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। इसके चलते हजारों लोग बाबा रोडे शाह में लगने वाले मेले में पहुंच कर इस प्रसाद को ग्रहण करते हैं। जानकारी के अनुसार हर साल सितंबर में बाबा रोडे शाह की दरगाह पर मेला लगता है। मेले में दूर-दूर से भी लोग माथा टेकने आते हैं। मान्यता है कि यहां पर लोग मन्नत मांगते हैं और उनकी मन्नत पूरी भी होती है। मन्नत पूरी होने के बाद लोग दरगाह पर माथा टेकने आते हैं और शराब को प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है। उसी शराब को बाद में भक्तों को प्रसाद के तौर पर बांटा जाता है।

हर ब्रांड की शराब को किया जाता है मिक्स... दरगाह पर लगने वाले मेले में यहां चढ़ाई गई हर ब्रांड की शराब को मिक्स किया जाता है। चाहे शराब की बोतल किसी भी ब्रांड की क्यों न हो उसे एक ही ड्रम में डाल दिया जाता और बिना किसी भेदभाव के इच्छुक सभी लोगों में बांट दिया जाता है।

एक नहीं दो दिन चलता है मेला

बाबा रोडे शाह की दरगाह पर लगने वाला मेला एक नहीं बल्कि दो दिन तक चलता है। दो दिन चलने वाले इस मेले में इस साल हजारों की गिनती में श्रद्धालु माथा टेकने आते हैं। दो दिन में दरगाह पर लाखों लीटर शराब प्रसाद के तौर पर चढ़ती और बांटी जाती है।

लुधियाना में फूंका आप विधायक का पुतला: दुष्कर्म पीड़िता ने MLA छीना पर लगाए आरोप, आत्मदाह की चेतावनी दी

लुधियाना पंजाब के लुधियाना में शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़िता और उसके घर वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। तभी कुछ लोगों ने उनपर हमला कर दिया था। इस हमला के विरोध में शनिवार को पीड़िता और उसके घरवाले अन्य लोगों के साथ पुलिस कमिश्नर दफ्तर के बाहर रोष जताने पहुंचे। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार पर हमला करने के बाद उनके समर्थक शनिवार को पीड़ित परिवार के हक में इकट्ठा हुए।

पीड़ित परिवार ने आम आदमी पार्टी के विधायक राजिंदरपाल

कौर पर आरोप लगाया। आरोप है कि यह सब आप विधायक राजिंदरपाल कौर छीना के कहने पर हो रहा है और साथ ही साथ पुलिस भी दबाव में आकर कार्रवाई नहीं कर रही।

पीड़ित परिवार ने शनिवार को पुलिस कमिश्नर दफ्तर के बाहर हलका साउथ से आप विधायक राजिंदरपाल कौर छीना का पुतला जलाया और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पीड़ित परिवार ने पुलिस को चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वह भूख हड़ताल करेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो वह खुद पर पेट्रोल डाल कर पुलिस कमिश्नर दफ्तर के बाहर आत्मदाह कर लेंगे।

पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि जिस महिला ने शुक्रवार की दोपहर को शांतमय प्रदर्शन के दौरान उन पर हमला किया है वह कोई ओर नहीं बल्कि आरोपी युवक की रिश्तेदार है। वह भी विधायक राजिंदरपाल कौर छीना की करीबी है। इसलिए यह सब विधायक छीना के कहने पर ही किया जा रहा है। पर्दे के पीछे रह कर विधायक पुलिस पर आरोपियों पर कार्रवाई न करने का दबाव बना रही है।

कनाडा से एक पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार, IS के साथ मिलकर न्यूयॉर्क को दहलाने की रच रहा था साजिश

वॉशिंगटन अमेरिकी न्याय विभाग ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। बताया जा रहा कि कनाडा में रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। उस पर इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड अल-शाम (आईएस) को सामग्री और संसाधन मुहैया कराने की कोशिश करने का आरोप है।

सात अक्तूबर को हमला करने की बनाई थी योजना...अटॉर्नी जनरल मेरिक बी गारलैंड ने बताया कि 20 साल के आरोपी मुहम्मद शाहजेब खान ने सात अक्तूबर के आसपास न्यूयॉर्क शहर में आतंकवादी हमला करने की योजना बनाई थी। इसका मकसद आईएस के नाम पर अधिक से अधिक यहूदियों का कत्लेआम करना था।

अधिकारी बोले- एफबीआई टीम पर गर्व...एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा, 'इस्राइल पर हमास द्वारा किए हमले को करीब एक साल होने वाला है। ऐसे में, आरोपी कथित तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में यहूदी लोगों को मारने के लिए तैयार था। इस जांच का नेतृत्व एफबीआई ने किया था और मुझे एफबीआई टीम और हमारे सहयोगियों द्वारा खान की योजना को नाकामयाब करने के लिए उठाए गए कदम पर गर्व है।'

अधिकारी ने आगे कहा, 'आईएस या अन्य आतंकवादी संगठनों के नाम पर हिंसा करने की कोशिश करने वालों की जांच करने और उन्हें जवाबदेह ठहराने के लिए एफबीआई अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी। आतंकवाद से लड़ना एफबीआई की शीर्ष प्राथमिकता बनी हुई है।'

यह है आरोप...बताया जा रहा है कि आरोपी खान ने कनाडा से न्यूयॉर्क शहर जाने की कोशिश की। वह न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में एक यहूदी केंद्र पर आईएस के समर्थन में एक सामूहिक गोलीबारी की घटना को अंजाम देना चाहता था। खान ने नवंबर 2023 में या उसके आसपास आईएस के लिए अपने समर्थन के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करना और एक मैसेजिंग एप्लिकेशन पर दूसरों के साथ बातचीत करना शुरू किया था।

इसके अलावा, खान ने आईएस का प्रचार करने वाले वीडियो और साहित्य भी बांटे।इतना ही नहीं, बल्कि उसने दो अंडरकवर कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ बातचीत करना शुरू कर दिया।

इन दो तारीखों के लिए रची गई थी साजिश...खान ने बार-बार अंडरकवर कानून प्रवर्तन अधिकारियों को हमले करने के लिए अफ-स्टाइल असॉल्ट राइफलें, गोला-बारूद और अन्य सामग्री जुटाने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन स्थानों की पहचान की जहां हमले किए जाने थे। खान ने यह भी बताया कि वह हमले करने के लिए कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका में सीमा कैसे पार करेगा। इन बातचीत के दौरान, खान ने इस बात पर जोर दिया कि यहूदियों को निशाना बनाने के लिए सात अक्तूबर और 11 अक्तूबर सबसे अच्छे दिन हैं क्योंकि सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमास के हमले की सालगिरह है। 11 अक्तूबर को योम किप्पुर है, जो एक यहूदी धार्मिक अवकाश है।

20 साल की हो सकती है सजा...पाकिस्तानी नागरिक पर एक विदेशी आतंकवादी संगठन को सामग्री समर्थन और संसाधन प्रदान करने का प्रयास करने का आरोप है। अगर दोषी पाया जाता है तो उसे अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। एक संघीय जिला अदालत के न्यायाधीश अमेरिकी सजा दिशा-निर्देशों और अन्य वैधानिक कारकों पर विचार करने के बाद सजा सुनाएंगे।

बीएसएफ को बीजीबी का आश्वासन- सीमावर्ती जिलों के अल्पसंख्यकों की होगी सुरक्षा

बांग्लादेश भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर वर्तमान स्थिति की निगरानी के लिए गुरुवार को समिति की दूसरी बैठक हुई। बैठक में बीएसफ ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ विभिन्न संचारों की प्रगति और विशेष रूप से बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा की स्थिति की चर्चा की। बीजीबी ने अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाने का आश्वासन दिया।

उल्लेखनीय है कि 12 दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्तरों पर लगभग 722 सीमा बैठकें की हैं। बैठक की अध्यक्षता बीएसएफ (पूर्वी कमान) के एडीजी रवि गांधी ने की, जिसमें भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण (एलपीएआई) के सदस्यों सहित सभी अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

बीएसएफ ने अवैध घुसपैठ का मुद्दा उठाया...बीएसएफ के पूर्वी कमान के प्रवक्ता संजय गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि बैठक में इसके अलावा, दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने पूर्वी कमान के क्षेत्राधिकार में संवेदनशील भागो में 1367 समन्वित समन्वयकारी गश्त (एससीपी) की है। इन सीमा बैठकों के दौरान, बीजीबी अधिकारियों से भारतीय क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को रोकने के लिए आग्रह किया गया। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने बैठकों के दौरान बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाने का आश्वासन दिया। दोनों सीमा सुरक्षा बलों के अधिकारी विभिन्न मामलों पर वास्तविक समय में सूचना साझा करते हुए निरंतर संपर्क में हैं।

बीएसएफ ने कीं 15 दिनों में 614 बैठकें...गुप्ता ने बताया कि बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ रहने वाले भारतीय ग्रामीणों के साथ ग्रामीण समन्वय बैठकें भी आयोजित की हैं ताकि वे बांग्लादेश में व्याप्त स्थिति के बारे में जागरूक हों और सीमा प्रबंधन में उनका सहयोग लिया जा सके।

हे भगवान! बिहार के इस स्कूल में बच्चों की सेहत से खिलवाड़

यहां मटमैले पानी से होता है एमडीएम का 'खेल'

संवाददाता।

सीतामढ़ी। बिहार सरकार शिक्षा और स्कूल की व्यवस्था में सुधार लाने के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च करती है। बावजूद व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। अब भी बहुत सारे स्कूलों में शौचालय नहीं है। जहां है वह उपयोग के लायक नहीं है। बिजली की भी सुविधा से बहुत सारे स्कूल वंचित है। पानी की समस्या है। कई स्कूल हैं, जहां चापाकल खराब होने के चलते निजी चपाकालों से पानी स्कूल में पानी लाना पड़ता है। जिसका उपयोग पीने और एमडीएम बनाने के लिए किया जाता है। सीतामढ़ी जिले में एक स्कूल में चापाकल से मटमैला पानी निकल रहा है। उसी पानी का उपयोग पीने और एमडीएम बनाने के लिए किया जा रहा है।

सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय, कुड़वा फतेहपुर के शिक्षक और बच्चों को करीब 20 दिनों से पानी की गंभीर समस्या झेलनी पड़ रही है। पानी पीना हो अथवा एमडीएम बनाना, दोनों के लिए पानी की जरूरत है। किस तरह के पानी का उपयोग दोनों कार्यों के लिए किया जा रहा है, यह जान हर कोई हैरान रह जाएगा। दरअसल, चापाकल से गंदा पानी निकल रहा है। बावजूद उसी से जैसे-तैसे काम चलाया जा रहा है।

बताया गया कि स्कूल में मात्र एक चापाकल है। वह भी करीब 15 दिन पूर्व दगा दे गया। चापाकल से पानी भरने के दौरान पानी के साथ बालू निकलता था। इसके चलते एमडीएम बनाने और पीने के पानी की अचानक गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। हालांकि विद्यालय प्रबंधन द्वारा पानी को छानकर पीने के उपयोग में लाने के साथ ही एमडीएम का बनाना जारी रखा गया। यह सोचकर कहीं चापाकल ठीक हो जाए। परेशानी तब और बढ़ गई, जब बाद के दिनों में बालू के साथ पानी मटमैला निकलने लगा। बावजूद विद्यालय के प्रधान शिक्षक केशवर सहनी ने हिम्मत नहीं हारी। उसी पानी का उपयोग करते रह गए और अब भी कर रहे हैं। समस्या का समाधान नहीं निकल सका है।

प्रधान शिक्षक सहनी ने बताया कि गंदा यानी मटमैले पानी को किसी बर्तन में भरकर रख दिया जाता है। कुछ देर बाद जब पानी में घुले बालू व मिट्टी बर्तन में नीचे बैठ जाता है, तब पानी का उपयोग पीने और एमडीएम के लिए किया जाता है। बताया कि अगल-बगल में कोई सरकारी चापाकल नहीं है। करीब 15 फीट पर नल-जल योजना का पानी टंकी है, लेकिन उसका कनेक्शन स्कूल में नहीं है। अन्यथा पानी की इतनी बड़ी समस्या उत्पन्न नहीं होती। मंगलवार को बीईओ कार्यालय में लिखित शिकायत देकर आए हैं। अब बीडीओ को भी समस्या की जानकारी देंगे। स्कूल में 155 बच्चे हैं, जिसमें 10 आधार कार्ड विहीन है। प्रतिदिन करीब 110 से 130 बच्चे आते हैं। तीन शिक्षक हैं।

खेत में पुल के बाद बीच बाधार में मिला अस्पताल

करोड़ों की लागत से 15 साल पहले बने हॉस्पिटल से पूरा डिपार्टमेंट अंजान

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में करोड़ों की लागत से बना एक सरकारी अस्पताल खंडहर बन चुका है। इस अस्पताल में आजतक एक भी मरीज का इलाज नहीं हुआ है। इस अस्पताल की सबसे दिलचस्प बात ये है कि स्वास्थ्य विभाग को भी इसके बारे में पता नहीं है। 15 साल पहले मुजफ्फरपुर जिले के पारू प्रखंड की सरैया पंचायत में 5 करोड़ की लागत से 30 बेड का सरकारी अस्पताल बनकर तैयार हुआ था। अब स्थिति ये है कि अस्पताल की खिड़की, चौखट, दरवाजे, ग्रिल, गेट, आलमारी, बिजली की वायरिंग सहित अन्य उपकरण चोर ले जा चुके हैं। अस्पताल अब शराब तस्करों, नशेड़ियों, बदमाशों के अड्डे के साथ-साथ मवेशियों का चारागाह बना हुआ है।

15 साल पहले ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए बिहार सरकार की 6 एकड़ की जमीन पर इस अस्पताल को बनाया गया था। जिसमे डॉक्टर, नर्स और स्टाफ के रहने के लिए आवास भी बनाया गया था। अस्पताल परिसर में एक जांच घर भी बनाया गया था। लेकिन, भवन निर्माण के बाद भी स्वास्थ्य विभाग ने इस सरकारी अस्पताल का हैंडओवर नहीं लिया। ऐसा लग रहा है इस अस्पताल को सिर्फ सरकारी पैसा खर्च करने के लिए बनाया गया था। जिसके कारण 15 वर्ष में एक भी मरीज का इलाज यहां नहीं हो सका। इस इलाके के लोग आज भी बेहतर इलाज के लिए शहर जाने को विवश हैं और इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। जिले के मेडिकल अफसर राजेश कुमार भी इस अस्पताल के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। वहीं, पूरे मामले को लेकर एसडीएम पश्चिमी श्रेया श्री का कहना है की पूरे मामले की जानकारी मिलने के बाद जिला अधिकारी के निर्देश पर सिविल सर्जन को जांच का आदेश दिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि ये अस्पताल किसके आदेश पर बनाया गया था? बनने के बाद ये आज तक फंक्शनल क्यों नहीं हो पाया? इसकी भी जानकारी मिल पाएगी।

'नए आधार कार्ड के लिए NRC के आवेदन की रसीद संख्या जरूरी

गुवाहाटी। असम में अब नए आधार कार्ड के लिए आवेदन करने वाले सभी लोगों को अब अपने एनआरसी आवेदन की रसीद संख्या (एआरएन) जमा करनी होगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आधार कार्ड के लिए आवेदनों की संख्या आबादी से अधिक है। इसका मतलब है कि कुछ नागरिक संदिग्ध हो सकते हैं। इसलिए, हमने फैसला लिया है कि नए आवेदकों को अपने एनआरसी आवेदन की रसीद संख्या देनी होगी। उन्होंने कहा कि इससे अवैध विदेशी नागरिकों की घुसपैठ रुक जाएगी और राज्य सरकार आधार कार्ड जारी करते समय बहुत सख्ती बरतेगी। उन्होंने कहा, असम में आधार कार्ड हासिल करना आसान नहीं होगा।

उन्होंने आगे कहा, एनआरसी की प्रक्रिया के दौरान जिन 9.55 लाख लोगों की बायोमेट्रिक जानकारी दर्ज हो गई है, उनके लिए एनआरसी आवदेन रसीद संख्या की जरूरत नहीं होगी और वे अपना आधार कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उनकी सरकार अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान की प्रक्रिया तेज करेगी।

पत्नी को घर में छोड़ 'जीएफ' संग मना रहा था रंगरेलियां

संवाददाता।

आरा। भोजपुर जिले के एक पंचायत समिति सदस्य को ग्रामीणों ने एक लड़की के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। धर्मेंद्र कुमार नामक यह सदस्य पहले से ही शादीशुदा है और तीन बच्चों का पिता भी है। ग्रामीणों ने दोनों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। बाद में ग्रामीणों ने दोनों की शादी शिव मंदिर में करा दी। घटना भोजपुर के पवना थाना क्षेत्र के पवार गांव की है। पवार पंचायत समिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार पर एक लड़की के साथ अवैध संबंध बनाने का आरोप है। ग्रामीणों ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ा और गांव के शिव मंदिर में उनकी शादी करा दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। हालांकि, हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धर्मेंद्र कुमार को पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने दोनों को मंदिर ले जाकर शादी करा दी। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र कुमार के खिलाफ पहले भी इस तरह के आरोप लग चुके हैं। ग्रामीणों को उनके अवैध संबंधों की जानकारी थी, लेकिन कोई सबूत न होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो पाई थी। बताया जा रहा है कि धर्मेंद्र कुमार पहले से शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे भी हैं। बताया जा रहा है कि वह पहले भी इसी तरह के मामले में जेल जा चुका है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। कुछ लोग धर्मेंद्र कुमार की निंदा कर रहे हैं तो कुछ लोग उनकी इस हरकत पर हैरानी जता रहे हैं। स्थानीय लोगों की माने तो पंचायत समिति सदस्य शादीशुदा और बाल बच्चेदार है फिर भी इसके रसिक मिजाज की चर्चा पूरे इलाके में पहले से चर्चित है। इस घटना के बाद से ही गांव में तनाव का माहौल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोमेश्वरनाथ महोत्सव का होगा भव्य आयोजन : जिलाधिकारी

दीपक/राजन

मोतिहारी। सोमेश्वरनाथ महोत्सव-2024 के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें विधायक सुनील मणि तिवारी, अरेराज एसडीए, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, उप समाहर्ता जिला नजारत, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिलाधिकारी के विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी ने सोमेश्वरनाथ महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी को बताया गया कि यह महोत्सव अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि महोत्सव की तिथि निर्धारित कर ली जाए और महोत्सव की गरिमा के अनुकूल तैयारी की जाए। उन्होंने कहा कि आयोजनद को लेकर विज्ञापन के द्वारा इवेंट मैनेजर तय कर लिया जाए और उसी के माध्यम से कार्यों को संपन्न कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि महोत्सव के लिए अच्छे कलाकारों का चयन किया जाए। जिसमे स्थानीय कलाकारों को भी अवसर प्रदान किया जाए। कलाकारों के चयन में विधायक से भी परामर्श कर लेने काल निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी को बताया कि महोत्सव दो दिनों की होती है और इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। जिस पर डीएम के द्वारा कहा कहा गया कि भीड़ का पूर्व से ही आकलन कर विधि व्यवस्था के मद्देनजर तैयारी कर ली जाए। बैठक में उपस्थित विधायक सुनील मणि तिवारी ने कहा कि महोत्सव का प्रचार प्रसार अधिक से अधिक कराई जाए। ताकि लोगों को इसकी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल के पास कुछ स्थाई चापाकल भी लगवा दिया जाए ताकि लोगों को पेयजल की सुविधा मिल सके। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि सोमवार दिनांक 9.9.2024 को सोमेश्वरनाथ महोत्सव से जुड़ी हुई समितियों की बैठक बुलाई गई है जिसमें सभी विषयों पर चर्चा कर कार्यों को गति दी जाएगी।

पितृपक्ष मेला: गया में दिखा नीतीश कुमार का धार्मिक रूप

दीपक तिवारी।

गया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को मोक्ष धाम के रूप में चर्चित गया पहुंचे। यहां उन्होंने पितृपक्ष में लगने वाले मेले का जायजा लिया और प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने विष्णुपद मंदिर तक वैकल्पिक पथ का भी लोकार्पण किया। सीएम नीतीश कुमार गया हवाई अड्डा से सीधे विष्णुपद मंदिर पहुंचे, जहां गर्भगृह में जाकर पूजा अर्चना की। यहां देवघाट से बाईपास पर बने नवनिर्मित वैकल्पिक पथ का उद्घाटन किया।

बाईपास से बने इस वैकल्पिक पथ से श्रद्धालुओं को जाम से मुक्ति मिलेगी। श्रद्धालु अब बिना जाम में फंसे बाईपास से सीधा विष्णुपद मंदिर क्षेत्र तक पहुंच सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले की तैयारी का भी जायजा लिया। पितृपक्ष मेला के दौरान देश-विदेश से लाखों की संख्या में हिंदू धर्मावलंबी यहां आकर अपने पितरों के लिए पिंडदान, तर्पण करते हैं। इस बार पितृपक्ष मेला में पिछले साल की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। गया जिला प्रशासन इस मेले को लेकर तैयारी कर रहा है।

जिला प्रशासन ने कहा कि इस बार अतिथि देवो भवः की तर्ज पर श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाएगा। आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। पितृपक्ष मेला क्षेत्र का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री समाहरणालय पहुंचे, जहां वह अधिकारियों के साथ पितृपक्ष मेला की तैयारी का समीक्षा करेंगे।

इस वर्ष 17 सितंबर से पितृपक्ष मेले का आगाज होगा। पितृपक्ष मेले के दौरान देश ही नहीं विदेश से लाखों तीर्थयात्री ह्यगया जीह्व आकर पितरों की आत्मा की मुक्ति के लिए पिंडदान करते हैं। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। इसमें पितरों का पूजन किया जाता है।

मान्यता है कि पितृ प्रसन्न होने पर जीवन में आने वाली परेशानियों को दूर करते हैं और जीवन में सुख समृद्धि प्रदान करते हैं। पितृपक्ष की वजह से ही गया बिहार का एकमात्र ऐसा शहर है जिसे लोग श्गया जीश कहते हैं। विश्व प्रसिद्ध इस मेले को 2015 में राजकीय मेले का दर्जा मिला था। अब इस मेले को अंतर्राष्ट्रीय मेला का दर्जे की मांग उठने लगी है।

चिकित्सक एवं एएनएम से अलग-अलग मामलों में स्पष्टीकरण मांगा

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने जारी किया पत्र

संवाददाता।

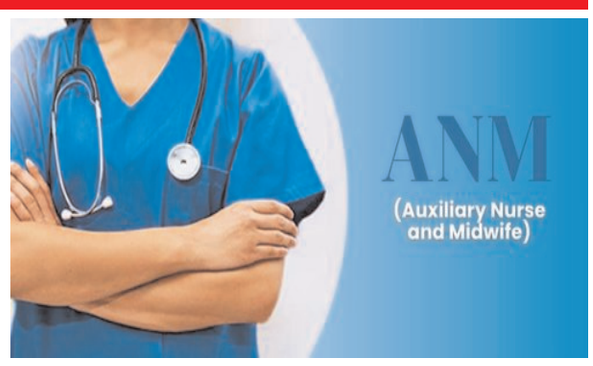

24 घण्टे में स्पष्टीकरण देने का निर्देश

बन्दरा। बन्दरा पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर नौशाद अहमद ने चिकित्सा पदाधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बन्दरा डॉ. दीपक सिद्धार्थ को 22.7.2024 से अब तक पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज नहीं किए जाने के मामले को लेकर 24 घंटा के अंदर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है।

इस संबंध में संदर्भित पत्र जारी किया गया है। वहीं वही एएनएम सुलेखा कुमारी एवं एएनएम अनिता कुमारी से 6 तारीख को दोपहर 12:20 बजे लेबर रूम का राउंड लेने के क्रम में गर्भवती महिला रानी कुमारी और कोमल कुमारी नामक मरीज को डॉक्टर के बिना जांचों उपरांत और बिना सलाह लिए भर्ती किए जाने के मामले को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। 24 घंटे के अंदर इस मामले में भी स्पष्टीकरण का जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

'डीएसपी ने दी थी बालू कारोबारी के मर्डर की सुपारी'

बिहार के मोस्टवांडेट का सनसनीखेज वीडियो

संवाददाता।

आरा। बिहार-झारखंड में सक्रिय अपराधी गिरोह का सरगना कुख्यात इनामी रंजीत चौधरी को उत्तराखंड से बिहार पुलिस की एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। रंजीत चौधरी पर 2 लाख का इनाम था। आरा के बेलाउर का निवासी रंजीत चौधरी की गिनती बिहार-झारखंड के सबसे कुख्यात अपराधियों में होती है। रंजीत चौधरी तथा बूटन चौधरी के बीच गैंगवार के दौरान पटना समेत भोजपुर तथा अन्य जिलों में दर्जनों लाशें गिर चुकी है। इसके अलावा भी रंजीत चौधरी पर दर्जनों हत्याकांड समेत कई संगीन मामले दर्ज हैं। पिछले एक दशक से रंजीत चौधरी गैंग के गुर्गों ने राजधानी पटना और भोजपुर जिलों में संगीन वारदातों को अंजाम देकर खौफ का माहौल बना दिया था।

रंजीत चौधरी गिरोह की रंगदारी बिहार और झारखंड के कई जिलों में चलती है। इसके गैंग पर बड़े पैमाने पर भू माफिया गिरी, रंगदारी वसूली और कांट्रैक्ट किलिंग के मामले दर्ज हैं। एसटीएफ को रंजीत चौधरी की तलाश थी। जिसे लेकर एसटीएफ के द्वारा कई जिलों में सीक्रेट्र ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इसी बीच टीम को खबर मिली कि रंजीत ऋषिकेश में है। इसके बाद शुक्रवार की देर रात उत्तराखंड के ऋषिकेश में एसटीएफ ने रंजीत चौधरी को धर-दबोचा। रंजीत चौधरी की गिरफ्तारी के बाद बिहार पुलिस ने राहत के सांस ली है।

वही रंजीत चौधरी ने पटना के पालीगंज के तत्कालीन डीएसपी और रानी तालाब थाना प्रभारी पर बालू माफिया के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया है। यह आरोप चर्चित देवराज हत्याकांड के केस में है। रंजीत चौधरी ने इस वीडियो में कहा है कि देवराज के परिवार की तरफ से लिखाई गई ऋषिकेश में उसका नाम तक नहीं था। लेकिन बाद में उसे पता चला कि देवराज मर्डर केस में डीएसपी और थानेदार उसे तलाश रहे हैं। रंजीत चौधरी ने दावा किया है कि वो उत्तराखंड में अपनी फैमिली के साथ रहता है और वारदात वाले दिन उसने उत्तराखंड में खरीददारी की थी और उसके पैसे उसने ऑनलाइन अपने मोबाइल से खर्च किए थे।

सूत्रों की मानें तो अपनी गिरफ्तारी से पहले रंजीत चौधरी ने अपना वीडियो बनाया था। गिरफ्तारी के बाद उसके परिजनों ने सोशल मीडिया पर उसके इस वीडियो को वायरल कर दिया। भोजपुर जिले के कुख्यात अपराधी के तौर पर जाना जाने वाला रंजीत चौधरी पहले एक साधारण युवक था लेकिन बाद में उसने जरायम की दुनिया में कदम रखा और वह बेताज बादशाह बन गया। वायरल वीडियो में आरोपी रंजीत चौधरी ने राष्ट्रपति एवं सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मांग करते हुए कहा है कि छह नवंबर 2023 को पटना के रानी तालाब थाना क्षेत्र के अंतर्गत थाना गेट पर बालू ठेकेदार देवराज यादव की हत्या हुई थी। इस केस में बेवजह उसका नाम घसीटा जा रहा है। वारदात से उसका कोई लेना देना नहीं है। रंजीत चौधरी ने यह आरोप लगाया है कि अगर वो आरोपी है तो देवराज हत्याकांड के लिए पालीगंज के तत्कालीन डीएसपी प्रीतम कुमार ने ही सुपारी दी थी और ये बोला था कि जो रुपया बालू से आएगा उसे आधा-आधा बांटा जाएगा।

इधर, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में इस वीडियो को लेकर हड़कंप मच गया है। इस मामले में डीएसपी प्रीतम कुमार से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल स्विच ऑफ था। सिटीएसपी पश्चिम अभिनव धीमान से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। बता दें कि पटना के रानी तालाब थाना क्षेत्र के गेट पर 6 नवंबर 2023 को बालू ठेकेदार देवराज की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर डाली थी। घटना के बाद देवराज की पत्नी अनीता देवी ने रानी तालाब थाने में अजय कुमार उर्फ सरपंच सहित पांच लोगों को इस हत्या मामले में शामिल होने की बात कही थी। घटना के बाद रानी तालाब थाना में 382/ 23 कांड दर्ज किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

टाटा संस का समेकित शुद्ध लाभ बढ़कर 49,000 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने फर्म की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 24 में समेकित शुद्ध लाभ में 74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 49,000 करोड़ रुपये रहा। 6 सितंबर को जारी रिपोर्ट के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय ऋण और एयरलाइंस जैसे क्षेत्रों में सुधार के कारण यह शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। टाटा संस ने वित्त वर्ष 24 में अपने समेकित राजस्व में वित्त वर्ष 23 की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4.77 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि देखी। कुल लाभ में से शेयरधारकों को दिया जाने वाला हिस्सा वित्त वर्ष 23 के 16,847.79 करोड़ रुपये के दोगुने से भी अधिक 34,625 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का समेकित राजस्व 14.64 प्रतिशत बढ़कर 4.76 लाख करोड़ रुपये हो गया।वित्त वर्ष 24 में कंपनी का कुल राजस्व पिछले वर्ष के 35,058.47 करोड़ रुपये की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़कर 43,893 करोड़ रुपये रहा। इसका कुल व्यय 2,776.49 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 23 में 3,794.70 करोड़ रुपये की तुलना में 27 प्रतिशत कम है।

कंपनी ने 57 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, क्योंकि वित्त वर्ष 23 की तुलना में उसका कर पश्चात लाभ (पीएटी) 34,653.98 करोड़ रुपये (12,521.60 करोड़ रुपये की वृद्धि) रहा। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर और वरीयता शेयरों के अलावा सभी उधारों का भुगतान किया, जो कुल मिलाकर 363 करोड़ रुपये था।

31 मार्च, 2024 तक कंपनी के पास 2,679.19 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी थी, जबकि 31 मार्च, 2023 तक कंपनी का शुद्ध ऋण 20,642.47 करोड़ रुपये था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टाटा संस के सूचीबद्ध निवेशों का बाजार मूल्य 31 मार्च, 2024 तक 35.7 प्रतिशत बढ़कर 15,20,560.60 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल यह 11,20,545.24 करोड़ रुपये था।

31 मार्च, 2024 तक समूह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 30,36,905 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले साल यह 20,71,467 करोड़ रुपये था, जो 47 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है।

एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, टाटा एसआईए एयरलाइंस (विस्तारा) और एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) सहित समूह के विमानन व्यवसाय का घाटा वित्त वर्ष 23 में 15,414 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर 6,337 करोड़ रुपये रह गया। समूह का डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसाय 148 प्रतिशत बढ़कर 1,612 करोड़ रुपये हो गया, जबकि शुद्ध घाटा 1,723 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,223 करोड़ रुपये हो गया।

एयर इंडिया ने क्षमता में वृद्धि के कारण 51,365 करोड़ रुपये का अपना उच्चतम समेकित परिचालन राजस्व दर्ज किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में राजस्व 24.5 प्रतिशत अधिक था।

वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि टाटा डिजिटल ने अपने पोर्टफोलियो के उपयोगकर्ता आधार को 20.76 मिलियन लेनदेन करने वाले ग्राहकों तक बढ़ते हुए देखा, जिससे 37,355 करोड़ रुपये का कुल व्यापारिक मूल्य प्राप्त हुआ।

हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज ने मसौदा कढड दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली। आईटी सेवा प्रदाता हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज ने 9,950 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया है। आईटी फर्म को 2020 में डीलिस्ट होने से पहले स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध किया गया था। अगर मंजूरी मिल जाती है, तो हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज का इश्यू आकार के मामले में आईटी सेक्टर का सबसे बड़ा इश्यू होगा। फिलहाल घरेलू बाजार में सबसे बड़े आईटी सेक्टर आईपीओ का रिकॉर्ड टाटा समूह की आईटी कंपनी टीसीएस के पास है, जो भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी भी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज दो दशक पहले 4,713 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई थी। हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज की योजना टीसीएस के आईपीओ से दोगुने आकार का आईपीओ है। डीआरएचपी के मुताबिक, आईपीओ सिर्फ बिक्री के लिए ऑफर होगा। हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए पांच निवेश बैंकों - कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, सिटी ग्लोबल मार्केट्स, जेपी मॉर्गन, एचएसबीसी सिक्योरिटीज और आईआईएफएल सिक्योरिटीज को मैनेजर नियुक्त किया है। उल्लेखनीय रूप से, हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज को अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म कार्लाइल ग्रुप द्वारा प्रमोट किया जाता है, जिसके पास कंपनी के लगभग 95% शेयर हैं।

वॉकहार्ट ने माधबी बुच को किराए के भुगतान के आरोपों का खंडन किया

नई दिल्ली। वॉकहार्ट ने शनिवार, 7 सितंबर को कांग्रेस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों का खंडन किया कि उसने अपनी सहयोगी कैरोल इंफो सर्विस के माध्यम से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच को किराये का भुगतान किया। कंपनी ने अपनी सहयोगी कंपनी के संबंध में पूंजी बाजार नियामक द्वारा पारित आदेशों के साथ किसी भी तरह के संबंध से भी इनकार किया। ह्यह्यहमारे ध्यान में आया है कि कैरोल इंफो सर्विसेज लिमिटेड द्वारा किराये के भुगतान से संबंधित कुछ आरोप हैं और कंपनी के संबंध में सेबी द्वारा पारित कुछ आदेशों के साथ इसका संबंध है। इस संबंध में, हम इन आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं और कहते हैं कि ये आरोप पूरी तरह से निराधार और भ्रामक हैं। स्टॉक एक्सचेंजों को एक नियामक फाइलिंग में वॉकहार्ट ने कहा, ह्यह्यकंपनी ने सभी लागू कानूनों के अनुपालन में काम किया है और आगे भी करती रहेगी ह्लह्ल यह बयान विपक्षी कांग्रेस द्वारा सेबी अध्यक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के नए आरोप लगाने के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि बुच को वॉकहार्ट से जुड़ी एक फर्म से उस समय किराये की आय प्राप्त हुई, जब बाजार नियामक ने फार्मा कंपनी को इनसाइडर ट्रेडिंग के लिए जांच के दायरे में रखा था। शुक्रवार को कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि 2018 से 2024 के बीच, पूंजी बाजार नियामक सेबी के पूर्णकालिक सदस्य और बाद में अध्यक्ष के रूप में बुच को वॉकहार्ट लिमिटेड से संबद्ध कंपनी "कैरोल इंफो सर्विसेज लिमिटेड" से 2.16 करोड़ रुपये की किराये की आय प्राप्त हुई थी। कांग्रेस द्वारा साझा किए गए दस्तावेजों से पता चलता है कि वॉकहार्ट से संबंधित सेबी के आदेश विजयंत कुमार वर्मा नामक एक ही निर्णायक अधिकारी द्वारा पारित किए गए थे। मार्च 2022 में अध्यक्ष का पद संभालने से पहले बुच 2018 से 2021 के बीच सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में कार्यरत थे।

जिस बायजू पर निवेशकों ने आंख मूंदकर पैसे उड़ेले अब दिवालिया होने की कगार पर, किसका कितना बकाया

नई दिल्ली ऑनलाइन शिक्षा की नई परिभाषा गढ़ने वाली एडटेक कंपनी बायजू फिलहाल गंभीर संकट में है। एक समय था जब कंपनी के संस्थापक बायजू रविंद्रन देश के स्टार्टअप और ऑनलाइन एजुकेशन इकोसिस्टम के पोस्टर ब्वॉय थे। कंपनी पर निवेशक आंख मूंदकर पैसे उड़ेल रहे थे, पर अब कहानी कुछ और है। निवेशकों और लेनदारों के साथ कंपनी के विवादों का दौर अब थमने का नाम ही नहीं ले रहा।

जनरल अटलांटिक जैसे बड़े वैश्विक निवेशकों से फंडिंग हासिल करने वाले स्टार्टअप बायजू का 2022 में मूल्यांकन 22 बिलियन डॉलर था। अब हालात बदल गए हैं। देनदारों से टकराव और नियामकीय अनुपालन में विफल रहने के कारण कंपनी दिवालिया होने की कगार पर है। संपत्ति फ्रीज कर दिए गए हैं। अदालत के निर्देश पर कंपनी के खिलाफ दिवालियापन की कार्यवाही शुरू हो गई है। अदालत ने पंकज श्रीवास्तव को संकटग्रस्त एडटेक कंपनी की दिवालिया कर्यवाही के लिए अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) नियुक्त किया है। आईआरपी ने ऋणदाताओं, कर्मचारियों, विक्रेताओं और सरकार को अपने-अपने बकाये का दावा करने के लिए आमंत्रित किया है। दावे दाखिल भी होने लगे हैं। आइए जानते हैं अब तक किए गए दावों के अनुसार कंपनी पर किस लेनदार का कितना बकाया है?

चीनी मोबाइल निमार्ता ओप्पो और वीवो का भी बायजू पर बकाया...कल्याणी टेकपार्क, जहां कभी बायजू का बेंगलुरु कार्यालय हुआ करता था, ने भी अपनी कई संस्थाओं के माध्यम से एडटेक फर्म से 190 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया मांगा है। इनमें विशेष रूप से, सर्फर टेक्नोलॉजीज का नाम है, जिसने जून 2024 में बायजू के साथ अपने दिवालियापन मामले का निपटारा कर लिया था। वह भी परिचालन लेनदारों की सूची में शामिल है और उसने 1.25 करोड़ रुपये कंपनी से मांगे हैं। इसके अतिरिक्त, चीनी स्मार्टफोन निमार्ता ओप्पो और वीवो ने भी क्रमशः 16.64 करोड़ रुपये और 5.33 करोड़ रुपये के दावे आईआरपी के समक्ष दायर किए हैं।

केंद्र व राज्य सरकारों के ?848 करोड़ बकाया, 1784 कर्मचारी मांग रहे ?301 करोड़...इस बीच, केंद्र और कर्नाटक सरकार के कर अधिकारियों ने भी आईआरपी के समक्ष 848 करोड़ रुपये से अधिक के बकाये के दावे दायर किए हैं। इसके अलावा, कभी दुनिया में एडटेक इकोसिस्टम के पोस्टर चाइल्ड रहे बायजू के 1,784 कर्मचारियों ने भी 301 करोड़ रुपये के दावे किए हैं।

गड़बड़ियों का हवाला देकर दो-दो लेखा परीक्षकों ने छोड़ी कंपनी...शिक्षा प्रौद्योगिकी स्टार्टअप बायजू के साथ जुड़े विवाद बढ़ते जा रहे हैं। अब ऑडिटर बीडीओ ग्लोबल ने कंपनी छोड़ दी है। ऑडिटर के अनुसार स्टार्टअप ने दिवालियापन कार्यवाही शुरू होने के बाद मांगे गए दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। बायजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। बायजू फिलहाल कई चुनौतियों का सामना कर रहा है जिसमें दिवालियापन की कार्यवाही और अमेरिका स्थित ग्लास ट्रस्ट की ओर से किया गया 1 अरब डॉलर का दावा शामिल है। बायजू के साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब उसके ऑडिटर ने कंपनी का साथ छोड़ दिया। इस वर्ष की शुरूआत में बीडीओ ग्लोबल को ऑडिटर नियुक्त किया गया था, उससे पहले पूर्व ऑडिटर डेलोइट ने कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग में कई गड़बड़ियों का हवाला देते हुए कंपनी छोड़ दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिवालियापन कार्यवाही पर लगी रोक हटाई....इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एनसीएलएटी के एक फैसले के खिलाफ अमेरिका स्थित लेनदार ग्लास ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की अपील को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दे दी। एनसीएलएटी ने एड-टेक फर्म बायजू के खिलाफ दिवालियापन की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और बीसीसीआई के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया निपटान को मंजूरी दे दी थी।

21 से ज्यादा देशों में काम कर रही कंपनी..21 से ज्यादा देशों में काम करने वाली बायजू कोविड संकट के दौरान नए-नए ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रम पेश किए थे। लॉकडाउन के समय जब स्कूल-कोचिंग बंद थे बायजू पर लोग घर बैठे पढ़ाई कर रहे थे। इस दौरान यह स्टार्टअप ने एक सशक्त ब्रांड के रूप में मशहूर हो गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी के पास करीब 27,000 कर्मचारी हैं, जिनमें 16,000 शिक्षक शामिल हैं। बीते कुछ वर्षों में कंपनी ने बड़े पैमाने पर छंटनी भी की है।

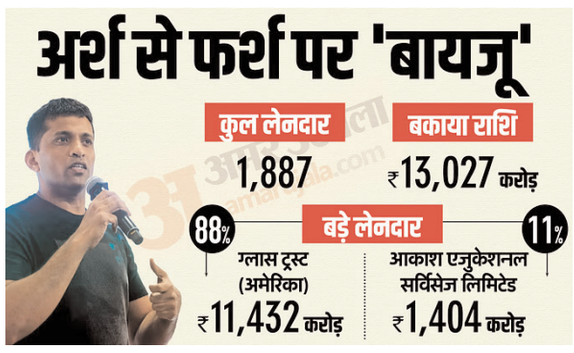

कोरोनाकाल के बाद अर्श से फर्श पर पहुंची कंपनी

2021 में कोरोना महामारी के चरम के दौरान निवेशकों से अरबों डॉलर जुटाने के बाद, फंडिंग विंटर की शुरूआत होते ही कंपनी की आर्थिक स्थिति ढलान पर चली गई। इस बीच, बेतहाशा विस्तार और निरर्थक अधिग्रहणों के कारण इसका घाटा बढ़ता गया, दूसरी ओर राजस्व में वृद्धि नहीं हो पाई। नतीजा यह हुआ कि कंपनी ने लागत में कटौती के लिए बड़े कदम उठाए। बायजू ने बड़े पैमाने पर छंटनी की, संचालन इकाइयों का पुनर्गठन किया और कई केंद्रों को बंद किया, लेकिन इन कदमों का कोई फायदा नहीं हुआ। वेतन में देरी, कानूनी और दिवालियेपन के मामलों की भरमार और निवेशकों के साथ सार्वजनिक गतिरोध ने मामले को और बदतर बना दिया।

अमेरिकी ग्लास ट्रस्ट ने किया है 11,432 करोड़ रुपये का दावा

दिवालियापन की कार्यवाही के बीच बायजू के टर्म लोन बी (टीएलबी) उधारदाताओं के एक संघ, अमेरिका के ग्लास ट्रस्ट ने 11,432 करोड़ रुपये ($ 1.36 बिलियन) के बकाये का दावा किया है। यह राशि कंपनी के लेनदारों की ओर से दायर कुल दावों का लगभग 88% है। अमेरिका स्थित लेनदारों के इस समूह ने नवंबर 2021 में कंपनी को उसके विदेशी परिचालन में निवेश लिए $1.2 अरब डॉलर उधार दिया था। इस बीच, बायजू की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और कोचिंग चेन आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने भी 1,404 करोड़ रुपये ($ 67 मिलियन) का दावा दायर किया है।

1887 लेनदार कर चुके हैं 13027 करोड़ रुपये का दावा

भारतीय दिवाला व शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के दस्तावेजों में एईएसएल और ग्लास ट्रस्ट को संकटग्रस्त एडटेक फर्म बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड का "असुरक्षित वित्तीय लेनदार" बताया गया है। अब तक 1,887 लेनदारों की ओर से बायजू के खिलाफ 13,027 करोड़ रुपये से अधिक के दावे किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश की फिलहाल समीक्षा की जा रही है। आईबीबीआई के दस्तावेजों के अनुसार, फिनटेक प्रमुख इनक्रेड फाइनेंशियल सर्विसेज ने भी बायूज पर 20.34 करोड़ रुपये के बकाये का दावा किया है। उल्लेखनीय है कि आईआरपी ने बायजू के खिलाफ इनक्रेड की ओर से दायर पूरे दावे को स्वीकार कर लिया है।

अब बात बायजू के परिचालन लेनदारों की

आईबीबीआई दस्तावेजों के अनुसार, एडटेक स्टार्टअप के "ऑपरेशनल क्रेडिटर" (परिचालन लेनदारों) के रूप में 95 संस्थाओं के नाम सूचीबद्ध हैं। इन्होंने बायजू के खिलाफ 425.12 करोड़ रुपये के दावे दायर किए हैं। इनमें से, आईआरपी ने केवल एक कंपनी, आदित्य बिड़ला फाइनेंस के दावों को स्वीकार किया है। आदित्य बिड़ला फाइनेंस की वित्तीय सेवा शाखा ने एडटेक स्टार्टअप के खिलाफ लगभग 47.12 करोड़ रुपये के दावे दायर किए, जिनमें से लगभग 30 करोड़ रुपये के दावे आईआरपी श्रीवास्तव ने स्वीकार किए हैं।

जीटीआरआई का सुझाव- घरेलू ईवी कंपनियों को अपने दम पर बढ़ने दे भारत

नई दिल्ली । सरकार को घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन यानी ईवी को प्रोत्साहनों पर निर्भरता के बिना अपने दम पर बढ़ने देना चाहिए। इससे देश चीन की ईवी कॉलोनी बनने से बच जाएगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रिपोर्ट में कहा, भारत को बड़े पैमाने पर ईवी को अपनाने में ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनका सामना अन्य देशों को नहीं करना पड़ रहा है। जीटीआरआई ने शुक्रवार को रिपोर्ट में कहा, इन चुनौतियों में कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न 80 फीसदी बिजली, बार-बार बिजली कटौती और बैटरी और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे ईवी बनाने के लिए जरूरी घटकों के लिए आयात पर निर्भरता शामिल है। एजेंसी

विदेशी मुद्रा भंडार 684 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर...देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 2.3 अरब डॉलर बढ़कर 683.99 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इसके पहले के हफ्ते में इसमें 7.02 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा संपत्ति 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 599 अरब डॉलर हो गई है। सोने का भंडार 86.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 61.8 अरब डॉलर पहुंच गया।

हुडको सहित तीन पर आरबीआई का जुमार्ना...आरबीआई ने हुडको सहित तीन कंपनियों पर तमाम नियमों के उल्लंघन के मामले में जुमार्ना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को बताया, हुडको पर 3.5 लाख रुपये, गोदरेज हाउसिंग और आधार हाउसिंग फाइनेंस पर पांच-पांच लाख रुपये का दंड लगा है।

गॉडफ्रे फिलिप्स दे सकती है बोनस शेयर...सिगरेट बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स दो शेयर पर एक शेयर का बोनस दे सकती है। इसके लिए कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 20 सितंबर को होगी। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को बताया, इसकी रिकॉर्ड तारीख की घोषणा बाद में होगी।

स्पाइसजेट जुटाएगी 3,200 करोड़ रुपये...वित्तीय संकट से घिरी स्पाइसजेट इक्विटी और डेट के जरिये 3,200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसमें प्रमोटर भी पैसे लगा सकते हैं। रकम का उपयोग उन विमानों को चालू करने पर किया जाएगा, जो खड़े हैं। कंपनी क्यूआईपी से 2,500 करोड़ जुटाएगी।

आरबीआई ने तीन हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों पर जुमार्ना लगाया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों पर आरबीआई के निदेर्शों का पालन न करने के कारण कार्रवाई की है। इसके तहत तीन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों पर मौद्रिक दंड लगाया है। शुक्रवार को आरबीआई के आधिकारिक बयान के अनुसार, उसने गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 5 लाख रुपये, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 5 लाख रुपये और हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पर 3.5 लाख रुपये का मौद्रिक जुमार्ना लगाया है।

नियामक की ओर से यह कार्रवाई राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 की धारा 52ए के प्रावधानों के तहत आरबीआई को दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। आरबीआई के अनुसार, इन कंपनियों का वैधानिक निरीक्षण राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) द्वारा 31 मार्च, 2022 तक उनकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया था। आरबीआई ने कहा कि केंद्रीय बैंक के निदेर्शों का पालन न करने की बात सामने आने और उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर, कंपनियों को एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उन्हें कारण बताने की सलाह दी गई थी कि आरबीआई के निदेर्शों का पालन न करने के लिए उन पर जुमार्ना क्यों न लगाया जाए।

नोटिस पर कंपनियों के जवाबों, व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान मौखिक प्रस्तुतियों और उनके द्वारा किए गए अतिरिक्त प्रस्तुतियों पर विचार करने के बाद, आरबीआई ने पाया कि गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 75 लाख रुपये और उससे अधिक के कुछ ऋणों को मंजूरी देने से पहले दो स्वतंत्र मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त करने में विफल रही।

आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के लिए, आरबीआई ने कहा कि कंपनी ने कुछ उधारकताओं को ऋण के वास्तविक संवितरण/चेक जारी करने की तारीख से पहले की अवधि के लिए ऋण पर ब्याज लगाया गया, जो 'निष्पक्ष व्यवहार संहिता' पर आरबीआई के निदेर्शों का उल्लंघन है।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पर जुमार्ना इसलिए लगाया गया है क्योंकि कंपनी वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अपने ग्राहकों का जोखिम आकलन करने में विफल रही। कंपनी ने खातों के जोखिम वर्गीकरण की आवधिक समीक्षा के लिए कोई प्रणाली नहीं बनाई और एनएचबी अधिनियम की धारा 29बी के अनुसार निदेर्शों का अनुपालन भी नहीं किया गया।

टमाटर के दाम घटने से शाकाहारी थाली चार फीसदी सस्ती 31.2 रुपये रह गई, कीमत, मांसाहारी में 12% तक कमी

नई दिल्ली। श्रावण मास में अधिकांश लोगों के मांसाहार से परहेज करने की वजह से टमाटर और पॉल्ट्री की कीमतें घटने से अगस्त, 2024 में घरों में पकाए जाने वाले भोजन की थालियां चार फीसदी तक सस्ती हुई हैं। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की शुक्रवार को जारी मासिक रिपोर्ट ह्यरोटी चावल दरह्ल के मुताबिक, टमाटर की कीमतों में गिरावट से शाकाहारी थाली के दाम मासिक आधार पर चार फीसदी और सालाना आधार पर 8 फीसदी घटकर 31.2 रुपये रह गए हैं। जुलाई, 2024 में

शाकाहारी थाली की कीमत 32.6 रुपये और अगस्त, 2023 में 34 रुपये थी। मांसाहारी थाली की कीमत जुलाई के 61.4 रुपये की तुलना में तीन फीसदी घटकर 59.3 रुपये रह गई। सालाना आधार पर कीमत 12 फीसदी घटी है। अगस्त, 2023 में मांसाहारी थाली की कीमत 67.5 रुपये थी।?

और सस्ती हो सकती थी थाली...क्रिसिल ने कहा, अगस्त में थाली की कीमतों में अधिक गिरावट आती। लेकिन, प्याज की कीमतों में सालाना आधार पर 15 रुपये और आलू की कीमतों में 13 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी से ऐसा नहीं हो पाया।

खाद्य तेल-जीरे के दाम भी 58% तक घटे...टमाटर की कीमतें अगस्त में मासिक आधार पर 23 फीसदी और सालाना आधार पर 51 फीसदी घटकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है। टमाटर की कीमत जुलाई में 66 रुपये और अगस्त, 2023 में 102 रुपये प्रति किलोग्राम थी। खाद्य तेल, मिर्च और जीरे की कीमतों में भी क्रमशः 6 फीसदी, 30 फीसदी और 58 फीसदी की गिरावट आई है। रसोई गैस की कीमतें घटने से ईंधन की लागत में 27 फीसदी की गिरावट आई है।

चिकन में 13 फीसदी तक की गिरावट...रिपोर्ट के मुताबिक, चिकन की कीमतों में मासिक आधार पर तीन फीसदी और सालाना आधार पर 13 फीसदी गिरावट आई। इससे सालाना आधार पर मांसाहारी थाली की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई।

ईडी ने गौतम थापर की 78 करोड़ रुपये से अधिक की जमीन जब्त की

नई दिल्ली। ईडी ने शनिवार को बताया कि उसने यस बैंक में 466 करोड़ रुपये से अधिक के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी की जांच के तहत व्यवसायी गौतम थापर के "लाभकारी स्वामित्व वाली एक कंपनी की 78 करोड़ रुपये से अधिक की जमीन जब्त की गई है। संघीय एजेंसी ने हरियाणा के गुरुग्राम जिले में 52.11 एकड़ जमीन को अस्थायी रूप से जब्त किया है। एक बयान में कहा गया है कि जांच ऑएस्टर बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड (ओबीपीएल) नामक एक कंपनी से संबंधित है, जिसके मालिक गौतम थापर हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामला थापर, ओबीपीएल और व्यवसायी की अन्य कंपनी अवंता रियल्टी लिमिटेड के खिलाफ सीबीआई की प्राथमिकी से उपजा है। आरोप है कि उन्होंने 2017 और 2019 के बीच सार्वजनिक धन की हेराफेरी के लिए "धोखाधड़ी" और जालसाजी की और यस बैंक को 466.51 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। ईडी ने शनिवार को कहा कि एक दिवालिया ऑटोमोटिव उपकरण निर्माण कंपनी के खिलाफ कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में धन शोधन विरोधी कानून के तहत फार्म हाउस, राज्यों में सैकड़ों एकड़ कृषि और औद्योगिक भूमि और 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर और डिबेंचर जब्त किए गए हैं।

एडलवाइस की राधिका गुप्ता ने दाल-चावल निवेश की वकालत किया

नई दिल्ली। एडलवाइस म्यूचुअल फंड की प्रबंध निदेशकऔर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राधिका गुप्ता ने खुदरा निवेशकों को फंसाने के लिए बाजार में संभावित धोखेबाजों द्वारा पेश किए जाने वाले अवास्तविक लाभों का पीछा करने की तुलना में साधारण निवेश का समर्थन किया। गुप्ता ने प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर कहा कि निवेशकों को शेयर बाजार में लोगों द्वारा पेश किए जाने वाले अवास्तविक लाभों का पीछा करने की तुलना में ह्लदाल-चावल निवेशह्ल (साधारण निवेश) पर टिके रहना चाहिए।एडलवाइस कि अगर महंगी कारों के साथ त्वरित पैसे कमाने के तरीके का विज्ञापन किया जा रहा है, तो यह घातक दुर्घटना की ओर ले जाएगा। 2,200 करोड़ की धोखाधड़ी दिल दहला देने वाली बात है। गुप्ता ने प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, "हमें कितने अनुस्मारक की आवश्यकता है कि धन के लिए कोई तेज मार्ग नहीं है... और आमतौर पर यदि इस तरह के मार्ग का विज्ञापन फैंसी कारों के साथ किया जाता है... तो यह घातक दुर्घटनाओं की ओर ले जाता है। गुप्ता का दाल-चावल निवेश रूपक सुरक्षित निवेश की ओर एक कदम है।

वॉल स्ट्रीट में बड़ी गिरावट की खबर, S&P 500 के लिए 18 महीनों में सबसे खराब रहा यह सप्ताह

नई दिल्ली। दुनियाभर में आर्थिक मंदी की आशंकाओं के बीच अमेरिकी शेयर बाजार से बड़ी खबर सामने आई है। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, नौकरियों से जुड़ी मिश्रित रिपोर्ट आने के बाद वॉल स्ट्रीट में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी- र&ढ 500 के लिए 18 महीनों में यह सप्ताह सबसे खराब रहा है। खबर के मुताबिक साल की सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली नौकरियों की रिपोर्ट इतनी कमजोर आई कि अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बनी रहीं। शुक्रवार को र&ढ 500 में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई।

कई बड़ी कंपनियों के शेयर गिरे, नैस्डैक कंपोजिट में 2.6 प्रतिशत की गिरावट...ब्रॉडकॉम, एनवीडिया और अन्य टेक कंपनियों के शेयर बड़े पैमाने पर औंधे मुंह गिरे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इर्द-गिर्द उछाल के कारण कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई हैं। इस कारण नैस्डैक कंपोजिट में 2.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1 प्रतिशत की गिरावट आई। खबर के मुताबिक नौकरियों से जुड़ी रिपोर्ट में दिखाया गया कि नियोक्ताओं ने अगस्त में अपेक्षा से कम कर्मचारियों को काम पर रखा, जिसके बाद ट्रेजरी यील्ड में गिरावट आई। थोड़े समय के लिए सुधार होने के बाद फिर से गिरावट दर्ज की गई।

सेंसेक्स 1,017 अंक गिरा, निफ्टी 25,000 से नीचे बंद...बता दें कि भारत में भी कई कंपनियों में छंटनी की खबरें सामने आ चुकी हैं। वैश्विक बाजारों में कमजोरी व विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट आई।

सेंसेक्स 1,017 अंक गिरकर दो सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया। निफ्टी 293 अंक का गोता लगाकर 24,852.15 पर बंद हुआ। आईटी, तेल-गैस कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 1,017.23 अंक टूटकर 81,183.93 पर बंद हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों की संयुक्त पूंजी 5.49 लाख करोड़ घटकर 460.18 लाख करोड़ रुपये रह गई।

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।

गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मौहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते है। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो हो गये, परन्तु इस खेल मे हार-जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि- 卐बेटा हम चौपड़ खेलना चाहते है, परन्तु हमारी हार-जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गईं। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार-जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगडा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा- मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैनें किसी द्वेष में ऐसा नहीं किया।卐 बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा- यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेंगी, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्राप्त करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गई।

गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा- हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता-पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूं और वो यह देख प्रसन्न हों।卐 बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुष्ट होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मागंलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पौत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट मे पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

- अर्थात जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोड़षोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सात्विक चित्त से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणप्रति?ष्ठित कर पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन-कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।
- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रामिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन-ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें।

भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारू रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है।

द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है।

कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है।

वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक(चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि।

कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि।

सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना-

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।

जिम एफ्रो टी10 सीजन-2 में दिखेगा वार्नर, नीशम, विली, ब्रैथवेट और मुनरो का जलवा

हरारे, एजेंसी। क्रिकेट का सबसे तेज और सबसे मनोरंजक फॉर्मेट रोमांचक मुकाबलों के एक और ब्लॉकबस्टर सीजन के साथ वापस आ गया है। टी10 क्रिकेट का यह आगामी सीजन बड़ा और बेहतर होने जा रहा है और इसकी शुरूआत हरारे में जिम एफ्रो टी10 के सीजन 2 के साथ होगी।

अगले चार महीनों में, बेहद रोमांचक टी10 फॉर्मेट एशिया, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका में घूमेगा। सीजन की शुरूआत 21 से 29 सितंबर तक हरारे में जिम एफ्रो टी10 की वापसी के साथ होगी, जिसका प्लेयर्स ड्राफ्ट 8 सितंबर को होगा।

जिम एफ्रो में छह फ्रैंचाइजी ने ड्राफ्ट में जाने से पहले अपने आइकन और वैश्विक सुपर स्टार को सीधे साइन किया है, ताकि उनके 15-सदस्यीय दल को उनके वैश्विक आइकन के रूप में एक अतिरिक्त 16वें खिलाड़ी के साथ पूरा किया जा सके।

टीम में 6 स्थानीय जिम्बाब्वे खिलाड़ी होंगे और आइकन तथा वैश्विक स्टार भी जिम्बाब्वे से हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वार्नर और वेस्टइंडीज के हार्ड हिटिंग बल्लेबाज कार्लोस ब्रैथवेट को बुलावायो ब्रेव्स जगुआर ने साइन किया है, जबकि केप टाउन सैम्प आर्मी ने इंग्लैंड के डेविड विली और डेविड मलान, अफगानिस्तान के गुलबदीन नैब और कैस अहमद को खरीदा है।

डरबन वॉल्व्स ने न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो और मार्क चैपमैन के साथ पाकिस्तान के बाएं हाथ के पावर हिटर शारजील खान और यासिर शाह को टीम में शामिल किया है। इसी तरह हरारे बोल्ट्स ने जेम्स नीशम और जोबर्ग बांग्ला टाइगर्स ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिस लिन को टीम में शामिल किया है।

न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स लागोस की बात करें तो इस टीम ने जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजुराबानी को अपने बड़े खिलाड़ियों में से एक चुना है, साथ ही थिसारा परेरा (श्रीलंका), आसिफ अली (पाकिस्तान) को भी टीम में शामिल किया है।

जिम एफ्रो टी10 के बाद यूएस मास्टर्स लीग का दूसरा सीजन, अबू धाबी टी10 और उद्घाटन लंका टी10 दिसंबर में सीजन का समापन करेगा। जिम्बाब्वे के बाद श्रीलंका टी10 को अपनाने वाला दूसरा आईसीसी पूर्ण सदस्य देश बनने के लिए तैयार है। लंका टी10 तुरंत ही श्रीलंकाई क्रिकेट कैलेंडर पर एक महत्वपूर्ण इवेंट के रूप में खुद को स्थापित कर लेगा, जो खेल के सबसे तेज और सबसे रोमांचक प्रारूप को प्रदर्शित करेगा।

टी टेन ग्लोबल स्पोर्ट्स के संस्थापक और अध्यक्ष नवाब शाजी उल मुल्क ने कहा, हम एक रोमांचक सीजन के लिए तैयार हैं, और यह कई कारणों से अतिरिक्त रूप से खास होने जा रहा है। पिछले साल जिम्बाब्वे में मिली शानदार सफलता के बाद उत्साह चरम पर है, और हम हरारे में इसकी शुरूआत करने के लिए रोमांचित हैं। प्रत्याशा और उत्साह स्पष्ट है, और हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि यह प्रारूप दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों को कैसे आकर्षित करता है।

डायरेक्ट साइनिंग :

हरारे बोल्ट: दासुन शनाका (श्रीलंकाः ग्लोबल सुपरस्टार), जेम्स नीशम (न्यूजीलैंडः आइकन), जॉर्ज मुन्से (स्कॉटलैंड), रिशद हुसैन (बांग्लादेश), शेहान जयसूर्या (श्रीलंका), केनर लुईस (वेस्टइंडीज)।

बुलावायो ब्रेव्स जगुआरः डेविड वार्नर (ऑस्ट्रेलियाः आइकॉन), कार्लोस ब्रैथवेट (वेस्टइंडीज), निक हॉब्सन (ऑस्ट्रेलिया), कोबे हर्फ्ट (ऑस्ट्रेलिया)

डरबन वॉल्व्सः कॉलिन मुनरो (न्यूजीलैंडः ग्लोबल सुपरस्टार), मार्क चैपमैन (न्यूजीलैंडः आइकॉन), विल स्मीड (इंग्लैंड), शारजील खान (पाकिस्तान), मुहम्मद इरफान (पाकिस्तान), यासिर शाह (पाकिस्तान)

केप टाउन सैम्प आर्मीः हैदर अली (पाकिस्तानः ग्लोबल सुपरस्टार), डेविड विली (इंग्लैंडः आइकॉन), डेविड मलान (इंग्लैंड), गुलबदीन नैब (अफगानिस्तान), कैस अहमद (अफगानिस्तान), एडम रॉसिंगटन (इंग्लैंड), शाहनवाज दहानी (पाकिस्तान)

एनवाईएस लागोसः ब्लेसिंग मुजरबानी (जिम्बाब्वेः ग्लोबल सुपरस्टार), थिसारा परेरा (श्रीलंकाः आइकॉन), आसिफ अली (पाकिस्तान), नजीबुल्लाह जादरान (अफगानिस्तान), बिनुरा फर्नांडो (श्रीलंका), अखिलेश बोगुडम (यूएसए), ओशेन थॉमस (वेस्टइंडीज)।

जोहन्नबर्ग बांग्ला टाइगर्सः क्रिस लिन (ऑस्ट्रेलियाः ग्लोबल सुपरस्टार), कुसल परेरा (श्रीलंकाः आइकॉन), चरिथ असलांका (श्रीलंका), हजरतुल्लाह जजई (अफगानिस्तान), एडम मिल्ने (न्यूजीलैंड), ल्यूक वुड (इंग्लैंड), करीम जनत (अफगानिस्तान)

चामिंडा वास, मोइन खान जिम एफ्रो टी10 सीजन 2 के लिए कोचों में नामित

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे में शुरू होने वाले टी10 के आगामी सीजन से पहले, जिम एफ्रो टी10 की फ्रेंचाइजियों ने आगामी टूर्नामेंट के लिए अपने मुख्य कोचों की घोषणा कर दी है। कोचों की सूची में क्रिकेट की दुनिया के कुछ दिग्गज नाम शामिल हैं जैसे पाकिस्तान के मोइन खान, श्रीलंका के चामिंडा वास और इंग्लैंड केओवैस शाह।

डरबन वॉल्व्स ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोइन खान के साथ अनुबंध किया है, जिन्होंने न केवल पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम को कोचिंग दी है, बल्कि टीम के चयनकर्ता भी रहे हैं। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज फ्रेंचाइजी क्रिकेट में कोचिंग में भी शामिल रहे हैं, क्योंकि वह 2016 से क्वेटा ग्लेडियेटर्स के लिए नेतृत्व कर रहे हैं। मोइन खान के साथ, ग्लेडियेटर्स ने 2016 के बाद से पाकिस्तान सुपर लीग के तीन फाइनल में जगह बनाई है और एक बार खिताब भी जीता है।

एनवाईएस लागोस टीम ने अपने मुख्य कोच के रूप में भी एक बड़ा हस्ताक्षर किया है, क्योंकि वे गतिशील पूर्व श्रीलंकाई ऑलराउंडर चामिंडा वास को लेकर आए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज, जो गेंद के साथ अपनी क्षमताओं के लिए जाने जाते थे, ने विभिन्न कोचिंग क्षमताओं में कई राष्ट्रीय टीमों के साथ काम किया है। वास, जो 2012 से कोचिंग कर रहे हैं, ने न्यूजीलैंड, श्रीलंका और आयरलैंड की राष्ट्रीय टीमों के साथ काम किया है। बुलावायो ब्रेव्स जगुआर ने ओवैस शाह को नियुक्त किया है, जिन्होंने न केवल यूएई की राष्ट्रीय टीम के साथ काम किया है, बल्कि लंका प्रीमियर लीग में दांबुला वाइकिंग में शीर्ष पर भी रहे हैं। केप टाउन सैम्प आर्मी ने बहुत ही अनुभवी जेम्स फोस्टर को अपने साथ जोड़ा है।

डेक्कन चार्जर्स के दिनों में ही मुझे एहसास हो गया था कि रोहित शर्मा स्पेशल हैं: स्टायरिस

नई दिल्ली, एजेंसी। हिटमैन रोहित शर्मा की 'बेखौफ' बल्लेबाजी के कायल न केवल क्रिकेट फैंस बल्कि कई दिग्गज क्रिकेटर भी हैं। जो अंदाज युवा रोहित का था, आज इतने वर्षों बाद भी उनमें वही हुनर नजर आता है बल्कि बढ़ती उम्र और अनुभव ने उन्हें और दमदार बल्लेबाज बना दिया।

इस बीच न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस ने कहा कि बहुत वर्षों पहले ही उन्होंने रोहित में कुछ अलग देखा था। स्कॉट स्टायरिस और रोहित 2008 और 2009 के आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स कैंप में एक साथ थे, जहां टीम ने दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीता था। इसके बाद, रोहित मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए और उन्होंने पांच आईपीएल खिताब जीते। वहीं, बतौर टीम इंडिया के टी20 कप्तान उनके नाम टी20 विश्व कप का खिताब भी है, जो उन्होंने जून में बारबाडोस में जीता था।

पूर्व कीवी क्रिकेटर ने क्रिकेटडॉटकॉम से कहा, "आईपीएल 2008 में मुझे रोहित शर्मा को देखने और उनके साथ खेलने का पहला मौका मिला। वह डेक्कन चार्जर्स में हमारे साथ थे। उस समय उनकी उम्र 19 या 20 साल थी। मैं तभी समझ गया था कि यह बच्चा कुछ खास है। मैं अभी श्रीलंका से वापस आया हूं, जहां मैंने भारत बनाम श्रीलंका मैच में कमेंट्री की थी। वहां उनसे मिला और वह अभी भी वही खिलाड़ी हैं जो 16 साल पहले थे।"

आईपीएल 2008 में डेक्कन चार्जर्स 14 मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे रहा। स्टायरिस को लगा कि टीम संतुलित प्लेइंग-11 नहीं बना पाई। "पहले साल हम जीतने के लिए सबसे ज्यादा पसंदीदा थे और हम आखिरी स्थान पर रहे। इसका एक कारण यह भी था कि हमारे पास बहुत अच्छा संतुलन नहीं था। हमारे पास कागज पर बहुत अच्छे नाम थे लेकिन आपको सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति थी।"

"हम या तो बल्लेबाजी पर अधिक भार डालते और गेंदबाजी कमजोर हो जाती, या फिर हम गेंदबाजी पर अधिक भार डालते और बल्लेबाजी कमजोर हो जाती। जब हमने ऑलराउंडरों को शामिल करने की कोशिश की, तो हम थोड़े-बहुत टुकड़ों में थे और उनमें से किसी में भी हम काफी मजबूत नहीं थे और आखिरी स्थान पर रहे।

सिनर और फ्रिट्ज अमेरिकी ओपन के फाइनल में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने संघर्षपूर्ण मुकाबलों में जीत दर्ज करके पहली बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई।

तीन हफ्ते से भी कम समय पहले डोपिंग मामले में बरी किए गए इटली के 23 वर्षीय सिनर ने ब्रिटेन के 25वीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर पर 7-5, 7-6 (3), 6-2 से जीत दर्ज की।

फ्रिट्ज ने हम वतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां 20वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो को पांच सेट कर चले कड़े मुकाबले में 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

यह 2006 के बाद पहला मौका है जबकि अमेरिका का कोई खिलाड़ी अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचा है। फ्रिट्ज से पहले एंडी रोडिक इस टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचने वाले आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे। वह तब फाइनल में रोजर फेडरर से हार गए थे।

पुरुष एकल में अमेरिकी ओपन जीतने वाला अमेरिका का आखिरी खिलाड़ी भी रोडिक थे। उन्होंने 2003 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

जब कैलिफोर्निया के 26 वर्षीय फ्रिट्ज और मैरीलैंड के 26 वर्षीय टियाफो सेमी फाइनल मैच खेलने के लिए कोर्ट पर उतरे तो दर्शकों को भी समझ में नहीं आ रहा था कि वह किसका समर्थन करें।

फ्रिट्ज ने मैच के बाद कहा, मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी। उसने बेसलाइन से शानदार खेल दिखाया लेकिन मैंने हौसला बनाए रखा। मैं खुद से कहता रहा कि अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने का यही मौका है।

यह 2009 के बाद पहला मौका है जबकि अमेरिका का कोई पुरुष खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह रॉडिक थे जो 2009 के विंबलडन फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें फेडरर से हार का सामना करना पड़ा था।

इसमें कोई संदेह नहीं कि रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का भरपूर समर्थन फ्रिट्ज को मिलेगा और ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सिनर के लिए परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना चुनौती होगी।

दिया चिताले ने दबंग दिल्ली को यूटीटी के फाइनल में पहुंचाया

चेन्नई, एजेंसी। युवा खिलाड़ी दिया चिताले ने अंतिम क्षणों में धैर्य बनाए रखते हुए 2018 की चैंपियन दबंग दिल्ली टीटीसी को शुक्रवार को यहां पदार्पण करने वाली अहमदाबाद एसजी पाइपर्स पर 8-6 से जीत दिलाकर अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) टूनार्मेंट के फाइनल में प्रवेश दिलाया।

साथियान ज्ञानसेकरन की अगुआई वाली दिल्ली की टीम शनिवार को खिताबी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन एथलीड गोवा चैलेंजर्स से भिड़ेगी।

अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने पहले पुरुष एकल में लिलियन बार्डेट की सथियान पर 2-1 (11-4, 5-11, 11-5) की जीत से शानदार शुरूआत की।

ओरावन परनांग ने फॉर्म में चल रही दुनिया की 13वें नंबर की खिलाड़ी बर्नडेट स्जोक्स को 3-0 (11-7, 11-9, 11-9) से हराकर दबंग दिल्ली टीटीसी को 4-2 की बढ़त दिलाई।

अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने बर्नडेट और मानुष शाह की जोड़ी को मिश्रित युगल मैच में 3-0 (11-9, 11-7, 11-9) से हराकर बढ़त हासिल कर ली। एंड्रियास लेवेंको ने दूसरे पुरुष एकल में मानुष को 2-1 (11-8, 10-11, 11-8) से हरा दिया।

अब मुकाबला 6-6 से बराबर होने के बाद यह दूसरे महिला एकल तक पहुंच गया। दिया ने अहमदाबाद एसजी पाइपर्स की रीथ रिश्या पर 2-0 (11-8, 11-4) की आसान जीत के साथ दबंग दिल्ली टीटीसी के लिए फाइनल का टिकट सुनिश्चित किया।

सेमा का सफर : जंग के मैदान से लेकर पैरालंपिक कांस्य पदक तक

पेरिस, एजेंसी। वह अक्टूबर 2002 की बात है जब जम्मू कश्मीर के चौकीबल के अशांत इलाके में एक अप्रत्याशित विस्फोट ने हवलदार होकाटो होतोजे सेमा का स्पेशल फोर्स में शामिल होने का सपना तोड़ दिया।

आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान हुए बारूदी सुरंग विस्फोट के कारण उन्होंने अपने बाएं पैर के घुटने के नीचे का हिस्सा गंवा दिया, जिससे उन्हें अत्यधिक शारीरिक दर्द और मानसिक आघात पहुंचा।

लोगों को लगा कि सेमा की दुनिया अंधकारमय हो गई, लेकिन इस जवान ने हिम्मत नहीं हारी। इसी का परिणाम है कि 40 वर्षीय सेमा ने पेरिस पैरालंपिक खेलों के गोला फेंक (शॉट पुट) में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 14.65 मीटर थ्रो करके पुरुषों की एफ57 श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया।

यह श्रेणी उन खिलाड़ियों के लिए है जिनका कोई अंग नहीं होता है या जिनकी मांसपेशियां कमजोर होती हैं। भारतीय खिलाड़ी सेमा ने खुद को इस श्रेणी के लिए तैयार किया।

पुणे स्थित कृत्रिम अंग केंद्र मे सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने सेमा की फिटनेस को देखकर उन्हें शॉट पुट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। इस तरह से उन्होंने 2016 में 32 साल की उम्र में इस खेल को अपनाया था।

सेमा ने उसी वर्ष राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया। उन्होंने 2022 में मोरक्को ग्रां प्री में रजत और हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की चुनौती के लिए तैयार डिफेंडिंग चैंपियन भारत

मोकी (चीन), एजेंसी। हॉकी पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मंच तैयार है, जो रविवार को मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर शुरू होगी। ये वेन्यू चीन के इनर मंगोलिया के हुलुनबुइर में नीरजी बांध के ऊपर स्थित है।

मौजूदा ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत खिताब बचाने के लिए प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा जबकि मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद के साथ विरोधियों को कड़ी टक्कर देने के लिए बेताब हैं।

पिछले साल भारत ने घरेलू मैदान पर खिताब जीता था, जिससे वह टूनार्मेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत के दबदबे को जारी रखने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, "पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही गति दी और इसके बाद ओलंपिक खेलों में भी हमें इससे काफी मदद मिली। इस बार भी हम इस टूनार्मेंट को जीतकर नए ओलंपिक चक्र की शानदार शुरूआत करना चाहते हैं।"

उन्होंने कहा, "इस टूनार्मेंट में ओलंपिक टीम के 10 सदस्य खेल रहे हैं, लेकिन हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी भी हैं जो अपना प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे। खेल के दृष्टिकोण से, हमारा आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत है, लेकिन हम डिफेंस को भी मजबूत करना चाहेंगे। खासकर जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ हमें अपनी रणनीतियों को मजबूत करना होगा। विश्व रैंकिंग अंकों के लिहाज से यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूनार्मेंट है और हम चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।"

भारत अपने अभियान की शुरूआत मेजबान चीन के खिलाफ पहले मैच से करेगा, जिसके बाद 9 सितंबर को उसका दूसरा मैच जापान के खिलाफ होगा। 11 सितंबर को टीम का सामना पिछले साल के उपविजेता मलेशिया से होगा, जबकि 12 सितंबर को कोरिया से टक्कर होगी। टूनार्मेंट का सबसे रोमांचक मुकाबला 14 सितंबर को होगा, जब भारत की टक्कर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगी। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 16 और 17 सितंबर को खेला जाएगा।

एक नजर

पाक जैसा प्रदर्शन भारत में करना चाहेंगे मिराज

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले बांग्लादेश के ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज अब भारत के खिलाफ सीरीज में भी वैसा ही प्रदर्शन करना चाहेंगे। बांग्लादेश की टीम 19 सितंबर से भारत के खिलाफ सीरीज खेलेगी। अब देखना है कि मिराज अपने प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं। उनके लिए ये आसान नहीं होगा क्योंकि अभी भारतीय टीम विश्व की शीर्ष टीमों में से एक है। इसके अलावा उसे घरेलू मैदान पर 2012 के बाद से ही हार नहीं मिली है। वहीं इससे पहले टेस्?ट में भारत के खिलाफ मिराज का प्रदर्शन सामान्य रहा था। टीम इंडिया के खिलाफ अब तक 5 टेस्ट में इस खिलाड़ी ने 188 रन ही बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 18.80 रहा है। इसके अलावा वह 45.71 के औसत से केवल 14 विकेट ही ले पाये हैं हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा। भारतीय टीम इंडिया को 2022 में हुए एकदिवसीय में मेहदी के कारण मिली एक विकेट की हार को ध्यान में रखन होगा। तब भारत के 186 के स्कोर का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम ने एक समय 136 रनों पर ही 9 विकेट खो दिए थे पर मेहदी ने तब 38 रन बनाकर मुस्तफिजुर रहमान 10 के साथ आखिरी विकेट के लिए 51 रन जोड़कर मैच पलट दिया था।

शुभमन गिल का 25वां जन्मदिन मनाएगा गुजरात टाइटन्स

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल टीम गुजरात टाइटन्स अपने कप्तान शुभमन गिल के 25वें जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए बॉक्सपार्क, गोटा, अहमदाबाद में उनके पहले कभी न देखे गए आर्ट इंस्टालेशन का अनावरण करेंगे। यह आयोजन 8 सितंबर को सुबह 10 बजे से शुरू होगा। प्रशंसक बॉक्सपार्क पर जाकर अपनी आंखों के सामने अनावरण होते देख सकते हैं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रशंसकों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने और जीटी हैम्पर्स जीतने का भी अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त, प्रशंसकों के लिए शुभमन को अपने संदेश और शुभकामनाएं लिखने के लिए एक समर्पित दीवार स्थापित की जाएगी। यह इंस्टॉलेशन एक सप्ताह तक प्रदर्शित रहेगा, जिससे प्रशंसकों को शुभमन के जन्मदिन समारोह का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

टखने में गंभीर चोट के कारण स्पेन की टीम से बाहर हुए ओयारजाबल

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की राष्ट्रीय टीम के कोच लुइस डे ला फुएंते रविवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले यूईएफए नेशंस लीग मुकाबले में रियल सोसिएदाद के फारवर्ड मिकेल ओयारजाबल के बिना खेलेंगे, क्योंकि स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) ने पुष्टि की है कि गुरुवार को सर्बिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के दौरान उनका बायां टखना चोटिल हो गया है। ओयारजाबल खेल में अंतिम समय में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आए और खेल के अंतिम चरण में उन्हें चोट लग गई। शुक्रवार की सुबह स्पेन में वापस परीक्षण के बाद, चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई और ओयारजाबल बैसाखी के सहारे आरएफईएफ मुख्यालय छोड़कर सैन सेबेस्टियन लौट गए। ओयारजाबल के अलावा उनके क्लब के और भी कई खिलाड़ी चोटिल हैं। क्लब ने गेटाफे में हाल ही में 0-0 से ड्रॉ में डिफेंडर हैमर जुबेल्डिया और हामारी ट्रैओर को खो दिया, ट्रैओर को घुटने की चोट लगी है जो उन्हें पूरे सीजन के लिए बाहर रखेगी। मिडफील्डर ब्राइस मेंडेज उसी खेल में घायल हो गए, जबकि विंगर एंड्रर बैरेनेटक्सिया पूरे सीजन में अपनी फिटनेस से जूझते रहे, और गर्मियों में आर्सेनल और एटलेटिको मैड्रिड को क्रमशः मिकेल मेरिनो और रॉबिन ले नॉर्मैंड की बिक्री से भी क्लब कमजोर हो गया।

पूर्व क्रिकेटर अकमल ने आजम की तकनीक पर उठाये सवाल

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम तकनीक में कमी के कारण ही लगातार असफल हो रहे है। बाबर बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में केवल 64 रन ही बना पाये। पहले टेस्ट में वह 22 रन जबकि दूसरे टेस्ट में 42 रन बना पाये। बाबर इस सीरीज में बांग्लादेशी तेज गेंदबाजों का सामना करने में पूरी तरह से विफल साबित हुए। इसी के बाद से उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठने लगे हैं। अकमल ने कहा कि बाबर पूरे समय अपने ऑफ स्टंप को लेकर आशंकित रहे हैं जिसके कारण वह रन नहीं बना पाये। वह गेंद की लाइन तक भी पहुंच पा रहे थे। यह समस्या उन्हें काफी समय से है। इसके अलावा वह अपने लेग स्टंप को भी खुला छोड़ देते हैं। इसके अलावा उनके शॉट भी सही दिशा की ओर नहीं थे। जिन गेंदों को कवर की ओर खेला जाना चाहिए, उन्हें सीधे खेलने के प्रयास वह करते दिखे। इसके साथ ही अकमल ने स्पिनरों की उपेक्षा पर भी नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि पीसीबी को यासिर शाह, नोमान अली और साजिद खान को टेस्ट में शामिल करना चाहिये। साथ ही कहा कि इन खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिल रही।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स दिल्ली प्रीमियर लीग के फाइनल में

नयी दिल्ली, एजेंसी। ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने हर्ष त्यागी के ऑलराउंड खेल की मदद से नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को चार विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के फाइनल में प्रवेश किया। राइडर्स का रविवार को होने वाले फाइनल में साउथ दिल्ली सुपरस्टारज और पुरानी दिल्ली 6 के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से मुकाबला होगा। बारिश के कारण मैच को प्रति टीम 18 ओवर कर दिया गया जिसके बाद नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने चार विकेट पर 173 रन बनाए। ईस्ट दिल्ली ने इसके जवाब में त्यागी के 17 गेंदों पर नाबाद 43 रन की बदौलत 17.3 ओवर में छह विकेट पर 177 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। त्यागी के अलावा उसकी तरफ से हिम्मत सिंह ने 27 रन का योगदान दिया। त्यागी ने इससे पहले 17 रन देकर दो विकेट भी लिए थे। नॉर्थ दिल्ली की तरफ से वैभव कांडपाल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए।

सेमा ने शॉटपुट स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

पेरिस, एजेंसी। भारतीय एथलीट होकाटो सेमा ने पहली बार पैरालंपिक खेलों में भाग लेते हुए पुरुषों की शॉटपुट एफ57 के फाइनल मुकाबले में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। नागालैंड के रहने वाले एथलीट होकाटो सेमा ने शुक्रवार देर रात खेले गये गोला फेंक मुकाबले मे 14.65 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ पैरालंपिक में छह स्वर्ण, नौ रजत, 12 कांस्य के साथ भारत के पदकों की संख्या 27 हो गई है।

इस स्पर्धा में ईरान के यासिन कोसावनी ने 15.96 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक और वहीं थिएगो पॉलिनो ने 15.06 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक मिला।

24 दिसंबर 1983 को जन्में होकाटो सेमा नागालैंड के किसान परिवार से आते है। वह सेना में थे और वर्ष 2002 में जम्मू कश्मीर के चौकीबल में आंतकवाद विरोधी अभियान में होकाटो सेमा ने भाग लिया। इस दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट उन्हें अपना बायां पैर गवांना पड़ा। पैर गवांने के बाद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने 2016 में पैरा एथलीट बनने की ओर रूख किया।

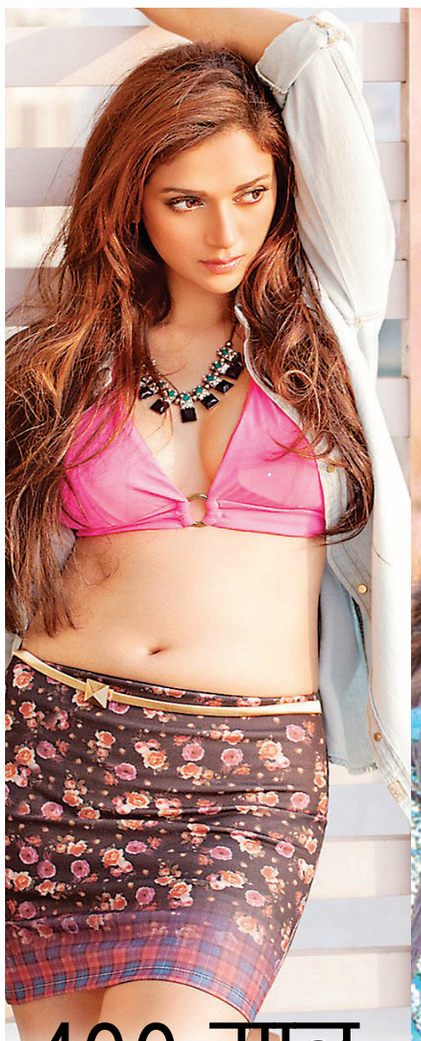

400 साल पुराने मंदिर में सिद्धार्थ से शादी करेंगी अदिति

बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक है। दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इनकी शादी को लेकर फैंस को लग रहा है कि ये किसी बड़े डेस्टिनेशन वेडिंग पर करेंगे, लेकिन ये बड़ी जगह शादी के लिए नहीं जा रहे हैं। अभिनेत्री ने एक बातचीत में खुलासा किया कि शादी की तैयारियां चल रही हैं। हालांकि, उन्होंने शादी की तारीख का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी अनोखी शादी की जगह के बारे में कुछ जानकारी दी। अदिति राव हैदरी ने हाल ही में एक बातचीत में कहा कि उनकी और सिद्धार्थ की शादी 400 साल पुराने मंदिर के इर्द-गिर्द होगी। उन्होंने कहा, शादी वानापर्थी में 400 साल पुराने मंदिर के इर्द-गिर्द होगी, जो मेरे परिवार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अदिति और सिद्धार्थ की मुलाकात 2021 में तेलुगु फिल्म महा समुद्रम के सेट पर हुई थी। इसी दौरान अदिति ने सिद्धार्थ के मैरिज प्रपोजल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, मैं अपनी नानी के सबसे करीब थी, जिनका कुछ साल पहले निधन हो गया था। उन्होंने हैदराबाद में एक स्कूल शुरू किया था। एक दिन सिद्धार्थ ने मुझसे पूछा कि क्या वह इसे देख सकते हैं। क्योंकि वह अच्छी तरह से जानते थे कि मैं उनसे कितनी करीब थी।

वह मार्च में स्कूल देखने के लिए आए। उन्होंने अदिति से उसे अपने दिल के करीब एक खास जगह दिखाने के लिए कहा कि नर्सरी सेक्शन के ऊपर एक मंजिल। उन्होंने याद करते हुए कहा, वह अपने घुटनों पर बैठ गए और मैंने उससे पूछा कि अब तुमने क्या खो दिया है? किसके जूते के फीते खुले हैं? वह कहते रहे कि अद्दू, मेरी बात सुनो। इसके बाद उन्होंने प्रोपोज किया। अदिति ने बताया, उन्होंने कहा कि वह मुझे मेरी पसंदीदा बचपन की जगह पर ले जाना चाहते हैं, जहां पर मेरी नानी का आशीर्वाद हो। उन्होंने इस साल मार्च में अपनी सगाई की घोषणा की थी। दोनों पिछले कुछ सालों से डेट कर रहे हैं।

5 साल बाद फिर से टीवी की दुनिया में वापसी करने वाली हैं अनिता हसनंदानी

अनीता हसनंदानी टीवी की जानी-मानी हस्तियों में से एक हैं। लगभग 5 साल बाद वह फिर से टीवी की दुनिया में वापसी करने वाली हैं। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत के दौरान एजाज खान के साथ अपने रिश्ते को लेकर अपनी राय रखी। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें एजाज खान के साथ अपने रिश्ते को लेकर पछतावा है या नहीं।

रिश्ते के चलते छोड़ा करियर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिद्धार्थ कनन से बातचीत में अभिनेत्री ने रिश्ते की खातिर बेहतरीन अवसरों को छोड़ने के बारे में बात की और कहा, 'मैंने अपने करियर के बहुत से मौके छोड़ दिए। ऐसा नहीं है कि उन्होंने मुझे मजबूर किया, लेकिन वह अक्सर कहते थे कि मैं नहीं चाहता कि तुम कोई फिल्म करो या मैं नहीं चाहता कि तुम ऐसा कोई सीन करो, इसलिए मैंने बहुत सारे बेहतरीन मौके छोड़ दिए, क्योंकि उस समय मेरे लिए प्यार या रिश्ता ज्यादा महत्वपूर्ण था। हम प्यार में बहुत बदल जाते हैं दूसरे व्यक्ति को प्रभावित करने के लिए आप वह बन जाते हैं जो वे चाहते हैं कि आप बनें, तो मैंने थोड़ा अपने आपको चेंज कर लिया था।'

रिश्तों को लेकर क्या कहा?

अपने रिश्तों को लेकर अनिता ने कहती हैं, 'मैं हमेशा एक देने वाली रही हूं, एक ऐसे व्यक्ति जिसने अधिक दिया और कम प्राप्त किया। मैंने बहुत कम उम्र में अपने पिता को खो दिया, इसलिए मुझे उस पुरुष की जरूरत है, जो मुझे गाइड करे, कोई मुझे समझाए, मुझे लगता है कि मुझे वो गाइडिंग लाइट चाहिए थी, इसलिए मेरे लिए जब भी कोई मेरी जिंदगी में आया, वो उस समय मेरी जिंदगी का केंद्र था।

एजाज के साथ रिश्ते को लेकर कहा...

जब अभिनेत्री से एजाज के साथ उनके रिश्ते को लेकर पूछा गया कि क्या उन्हें एजाज के साथ अपने रिश्ते पर पछतावा है? तो अनीता ने थोड़ी देर की चुप्पी के बाद कहा, 'देखिए मैंने बहुत कुछ सीखा और मैं एक बेहतर इंसान बन गई। मुझे लगता है कि हम दो बहुत अच्छे लोग थे जो एक दूसरे के लिए अच्छे नहीं थे। मुझे बस एक बात का पछतावा है कि मैंने अपने बेहतरीन करियर को छोड़ दिया।'

भुवन बाम ने बताया ताजा खबर का राज, कहा - यह मेरी जिंदगी की कहानी

भुवन बाम की ताज़ा खबर सीजन 2 का प्रसारण 27 सितंबर से शुरू होगा। अभिनेता और यूट्यूब सेंसेशन ने बताया कि यह परियोजना सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन के ग्राफ को दर्शाती है। सीरीज में वसंत गवड़े का किरदार निभाने वाले भुवन ने कहा, ताजा खबर सिर्फ एक सीरीज नहीं है, यह मेरे जीवन के ग्राफ को दर्शाती है। वश?य का किरदार निभाना आसान था, क्योंकि वह मेरे लिए एक आईना है। सितारों तक पहुंचने की उनकी महत्वाकांक्षा और अपने परिवार की सेवा करने की उनकी लगन मेरे सपनों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस बार, दर्शकों को किरदार में नए जटिलताओं का अनुभव होगा, मैं दर्शकों में यह देखने के लिए उत्सुक हूं।

रोहित राज और बाम द्वारा बीबी की वाइंस प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित इस सीरीज को हिमांक गौर ने निर्देशित किया है। इसमें श्रेया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी, शिल्पा शुक्ला, प्रथमेश परब, नित्या माथुर और अन्य कलाकारों ने भी अभिनय किया है। निर्माता रोहित राज ने कहा, मैंने हमेशा ताजा खबर को एक रैग्स-टू-रिचेज (गरीबी से अमीरी) यात्रा के रूप में देखा है, इसमें मुंबई का स्थानीय स्वाद और ट्विस्ट है। एक फ्रैंचाइज के रूप में ताजा खबर के लिए हमारा एकमात्र विजन हमारे दैनिक जीवन से अनुभव प्राप्त करना, उन्हें विस्तृत करना और उन पर सूक्ष्म रूप से विचार करना है। उन्होंने कहा, भुवन की यात्रा को ताजा खबर के माध्यम से देखना अभिनय की दृष्टि से बहुत समृद्ध रहा है, उनकी यात्रा आगे और ऊपर की ओर बढ़ने वाली है। ताज़ा खबर सीजन 2 डिजनी प्लस हॉटस्टार पर 27 सितंबर से प्रसारित होगा। भुवन ने बीते दिनों बताया था कि वह इस सीरीज में गीतकार-अभिनेता स्वानंद किरकिरे के साथ काम करने के लिए रोमांचित हैं। दोनों कलाकारों ने शो के दूसरे सीजन के लिए एक नए गीत पर सहयोग किया।

यशराज फिल्म्स के साथ वापसी के लिए तैयार अली अब्बास जफर

मशहूर फिल्म निर्माता अली अब्बास जफर यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) में लौटने के लिए तैयार हैं। वह प्रोडक्शन हाउस जहां उन्होंने अपनी पहली चार सफल फिल्मों का निर्देशन किया था। कथित तौर पर निर्देशक वाईआरएफ बैनर के तहत एक-दो नहीं बल्कि कई फिल्मों पर काम करेंगे। यह घटनाक्रम जफर और उनके गुरु और वाईआरएफ प्रमुख, आदित्य चोपड़ा के लिए एक महत्वपूर्ण पुनर्मिलन का प्रतीक है। एक ट्रेड सोर्स के अनुसार, हमें यकीन है कि अली नई ऊंचाइयों को छुएंगे क्योंकि वह वाईआरएफ के लिए कई बड़े बजट की फिल्मों पर आदित्य चोपड़ा के साथ काम करने वाले हैं। सूत्र ने आगे कहा, दोनों ने अभी तक उन फिल्मों को तय नहीं किया है जिन्हें अली अब वाईआरएफ में निर्देशित करेंगे। लेकिन हम पुष्टि कर सकते हैं कि ये दिलचस्प और नई कहानियां होंगी।

अली अब्बास जफर ने अपने निर्देशन की शुरुआत वाईआरएफ की 2011 की रोमांटिक कॉमेडी मेरे ब्रदर की दुल्हन से की थी। कैटरीना कैफ, इमरान खान और अली जफर मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म व्यावसायिक रूप से सफल रही, जिससे जफर के लिए 2014 की एक्शन फिल्म गुंडे का निर्देशन करने का रास्ता खुल गया। रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, प्रियंका चोपड़ा जोनास और इरफान खान अभिनीत गुंडे एक बड़ी हिट साबित हुई। इसके बाद वाईआरएफ के साथ मिलकर अली अब्बास जफर ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इनमें सलमान खान और अनुष्का शर्मा अभिनीत कुश्ती ड्रामा सुल्तान (2016) भी शामिल है। यह फिल्म वाईआरएफ की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है।

तंगालन एक्टर चियान विक्रम बॉलीवुड में करना चाहते हैं काम

चियान विक्रम इस वक्त अपनी फिल्म तंगालन को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। यह 15 अगस्त को साउथ में रिलीज हो चुकी है, और अब 6 सितंबर को हिंदी भाषा में भी रिलीज की जाएगी। चियान विक्रम ने हाल ही एक इंटरव्यू में कहा कि वह बॉलीवुड में काम करना चाहते हैं। मालूम हो कि चियान विक्रम ने ज्यादा हिंदी फिल्मों में काम नहीं किया है। उन्होंने साल 2010 में आई फिल्म रावन से बॉलीवुड में एंट्री की थी। हालांकि, उस फिल्म को एक साथ हिंदी और तमिल भाषा में शूट किया गया था। पर विक्रम अभी तक फुल फ्लेजेड हिंदी रोल से दूर ही रहे हैं। इंटरव्यू में पूछा गया था कि क्या वह किसी हिंदी फिल्म में काम करेंगे? इस पर विक्रम ने हामी भरी, पर साथ ही यह भी बताया कि वह किस शर्त पर किसी हिंदी फिल्म का हिस्सा बनेंगे। विक्रम ने कहा कि वह रोल उतना ही आकर्षक और दमदार होना चाहिए, जितना वह तमिल फिल्मों में प्ले करते हैं।

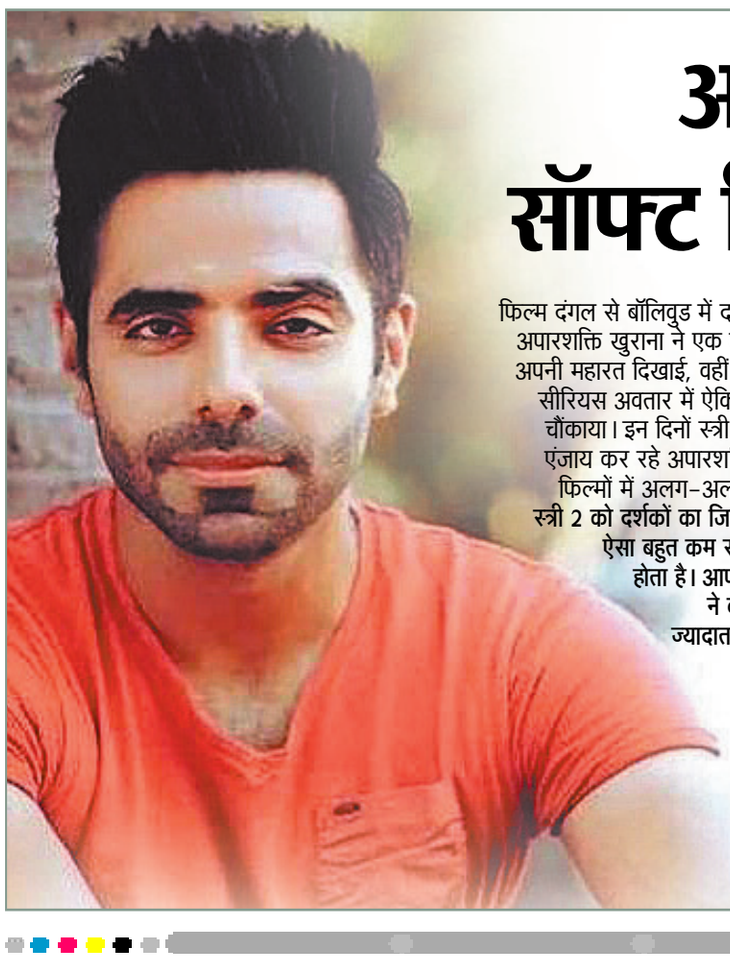

आजकल बस दोस्त-दुनिया सबको सॉफ्ट चिट्टी, वॉर्म चिट्टी लोरी सुना रहा हूं

फिल्म दंगल से बॉलिवुड में दमदार एंट्री मारने वाले अपारशक्ति खुराना ने एक तरफ जहां कॉमिडी में अपनी महारत दिखाई, वहीं वेब सीरीज जुबली में सीरियस अवतार में ऐक्टिंग की रेंज दिखाकर चौंकाया। इन दिनों स्त्री 2 की सुपर सफलता एंजाय कर रहे अपारशक्ति जल्द ही कई और फिल्मों में अलग-अलग अवतार में दिखेंगे।

स्त्री 2 को दर्शकों का जितना प्यार मिल रहा है, ऐसा बहुत कम सीक्वल फिल्मों के साथ होता है। आपके हिसाब से इस टीम ने क्या चीज सही की, जो ज्यादातर लोग नहीं कर पाते?

आपको क्या-क्या कॉम्प्लिमेंट मिले? सच कहें तो फिल्म शूट करते वक्त तो सबके दिमाग में बस यही था कि अच्छा काम करना है। मुझे लगता है कि यहां कहानी बहुत सफाई से पहली फिल्म से दूसरी पर जाती है, तो इसकी सबसे बड़ी ताकत राइटिंग है। दूसरे, हम सबकी जो बॉन्डिंग है, खास तौर पर मेरी, राजकुमार राव और अभिषेक बनर्जी की, वो फिल्म से परे भी इतनी मजबूत हो चुकी है कि वो दोस्ती पर्दे पर दिखती है और लोग उससे कनेक्ट करते हैं लेकिन इसका सबसे बड़ा श्रेय मैं ऑडियंस को दूंगा जिसने फिल्म को इतना प्यार दिया।

आगामी फिल्म बर्लिन में आप साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट का रोल कर रहे हैं। उसकी तैयारी कैसे की? वहीं, बद्तमीज गिल में भी फिर कॉमिडी है?

अभी तक मेरे साथ क्या होता था कि कहीं खड़ी बोली बोलनी है, कहीं पर अवधी तो कहीं पर हरियाणवी। जैसे दंगल में हरियाणवी थी, स्ट्रीट डांसर में पंजाबी तो जुबली में हल्का बंगाली टच देना था। जबकि, यहां साइन लैंग्वेज सीखनी थी, जो एकदम अलग चीज थी। इसी वजह से मुझे अपने प्रफेशन से प्यार है। यहां इतनी सारी नई-नई चीजें करने को मिलती हैं जो कहीं और संभव नहीं है। मुझे साइन लैंग्वेज सीखने और शूटिंग के दौरान उसके जरिए पूरा केस इंवेस्टिगेट करने में बहुत मजा आया। जबकि, बद्तमीज गिल एक पंजाबी फैमिली की कहानी है, जिनकी आपस में बनती नहीं है। इसमें वाणी कपूर मेरी बहन बनी हैं और परेश रावल हमारे पापा बनेहैं। इसमें हमारी जैसी लड़ाई आपको दिखेगी, वैसी हर भारतीय परिवारों में दिखती है।

स्त्री 2 मनोरंजन के साथ-साथ औरतों की शक्ति की बात कहती है, पुरुष सत्ता की छोटी सोच पर चोट करती है। इधर, कोलकाता से लेकर बदलापुर तक में औरतों के प्रति जो हैवानियत दिखी है, एक बेटी के पिता होने के नाते आप कितना डरते हैं?

निश्चित तौर पर इसके बारे में सोचकर ही बहुत डर लगता है। हमने फिल्म का संदेश इसीलिए ऐसा रखा है कि लोगों तक यह बात पहुंचे और वे थोड़े जागरूक हों, क्योंकि जब भी ऐसा कोई वाकया होता है, हम अंदर तक कांप जाते हैं। मुझे लगता है कि सरकार के अलावा, हमें खुद भी थोड़ी जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी।

क्या 32 की उम्र में शादी के तैयार हैं रिया चक्रवर्ती?

रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में, शादी को लेकर बातचीत की है और इस पर अपनी राय साझा की है रिया चक्रवर्ती ने एक पॉडकास्ट में कहा कि शादी करने की कोई उम्र नहीं होती है उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि किसी पर शादी करने का दबाव क्यों होना चाहिए उन्होंने कहा कि महिलाओं पर ही इस बात का ज्यादा दबाव होता है, क्या ये इसलिए है, क्योंकि उनकी एक बायोलॉजिकल क्लॉक होती है रिया ने कहा कि वो अपने करियर में फिलहाल काफी कुछ करना चाहती हैं और शादी के लिए तैयार नहीं हैं रिया चक्रवर्ती को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वो उद्योगपति निखिल कामथ को डेट कर रही हैं